JAIN REFERENCE LIBRARY
ACHARYA SURENDRASURISHWARJI JAIN TATVA GYANSHALA
12, SHREYANSNATH SOCIETY, B/H DHARNIDHAR TEMPLE,
GODAVARI ROAD, VASANA, AHMEDABAD-7

7141 Search Results for ras

(1) उच्चार-प्रस्रवण निक्षेप समिति , (2) " संग्राम में मरने वाला देवता होता है " इस सम्बन्ध में गौतम का प्रश्न, (3) " त्रस भूत प्राणी त्रस है, और त्रस प्राणी त्रस है. ये दोनों वाक्य समान अर्थ वाले है " ऐसा गौतम ने कहा, (4) (मुनि) चंद्रसागर, (5) (पं०) विश्वनाथप्रसाद मिश्र, (6) (शास्त्री) काशीराम करसनजी, (7) 170 प्रभुना समयमां केवली अने श्रमण-श्रमणीनी संख्या, जिज्ञासा - आनंदचन्द्रसागर, (8) आभोगिनी, प्रश्न आदि विद्याएं , (9) आभ्यन्तरशौचम्, (10) आचारसम्पदा, (11) आचारसम्पदा : संयमध्रुवयोग आदि , (12) आचारसम्पत्, (13) आचारश्रुताध्ययन, (14) आदर्शप्रश्न, (15) आदीश्वरस्तवन, (16) आदिमान् वैस्रसिक बन्ध, (17) आगम विनानो साधु बे-गम छे (अग्रलेख), लेखक - शीलचन्द्रसूरिजी, (18) आहार की प्रशंसा और निन्दा का निषेध , (19) आहारसमिति योग, (20) आहारसमुद्घात, (21) आहारसन्ना, (22) आहारसण्णा, (23) आहारशरीर, (24) आहारशरीरबन्धननाम, (25) आहारशरीरनाम, (26) आहारशरीरसंघातनाम, (27) आहारशुद्धि, (28) आहारसंबंधी , (29) आहारसंज्ञा, (30) आकार भावादि मात्रा से लेश्याओं का परस्पर अपरिणमन, (31) आकारशुद्धि, (32) आकरसी, (33) आक्षेपणीरस, (34) आकुंचन प्रसारण दोष, (35) आलोचना : परसाक्षी से , (36) आलोचनाकाल में प्रशस्त-अप्रशस्त द्रव्य... , (37) आम्रसालवनम्, (38) आम्रशालवन, (39) आणाईसरसेणावच्चं, (40) आनन्द के प्रव्रज्या ग्रहण करने के सम्बन्ध में गौतम का प्रश्न और भगवान का समाधान , (41) आणिवित्तिबादरसम्पराय, (42) आंतरडी ठरे छे (अग्रलेख), लेखक - शीलचन्द्रसूरिजी, (43) आन्तरशब्दानुविद्धसमाधिः, (44) आन्तरसोपाधिक भ्रम, (45) आन्तरसोपाधिकाध्यासः, (46) आपणामांथी को\'क तो जागे..., लेखक - श्रमणचन्द्रसूरिजी, (47) आपणो आदर्श अने तेनु साधन (अग्रलेख), लेखक - शीलचन्द्रसूरिजी, (48) आपणु ज्ञान - विनयप्राप्त के विनयरहित ? (अग्रलेख), लेखक - शीलचन्द्रसूरिजी, (49) आपणुं ज्ञान श्रुतसमाधि बनो ! (अग्रलेख), लेखक - शीलचन्द्रसूरिजी, (50) आरसिउं, (51) आरसियं, (52) आर्द्रकप्रश्न, (53) आसनोमां विशेष, जिज्ञासा - मुक्तिचन्द्र-मुनिचन्द्रसूरिजी, (54) आसुरसम्पद्गुणाः, (55) आतसरीरसंवेगणी, (56) आठ कर्मो का परस्पर सहभाव, (57) आठयोग द्रष्टिविचार सज्झाय नो बालावबोध, (58) आत्म प्रशंसा, (59) आत्म सम द्रष्टि , (60) आत्मप्रशंसा, (61) आत्मशरीरसंवेजनी, (62) आतुरस्मरण, (63) आउरसरणं, (64) आउरस्सरण, (65) आवश्यकक्रियानां सूत्रोमां आवश्यक सुधारा, लेखक - हेमचन्द्रसूरिजी, (66) आयारसमाही, (67) आयारसुयज्झयण, (68) आयसरीरसंवेयणी, (69) आ० हजारीप्रसाद द्विवेदी, (70) अब्भिंतरसंबुक्का, (71) अब्भुअरस, (72) अभग्गसेन कथा, (73) अभयकुमारश्रेणिकरास, (74) अभियोगी भावना : प्रश्न, प्रश्नाप्रश्न आदि , (75) अभ्यन्तरशम्बूका, (76) अच्छरसा, (77) अच्छरसातदुला, (78) अचेलत्व का प्रशस्त परिणाम , (79) अद्भुत रस, (80) अद्भुत रस की उत्पत्ति और लक्षण , (81) अधर्म प्रशंसाकरण प्रायश्चित्त , (82) अधिकरणरसिद्धान्तः, (83) अध्यात्म प्रश्नोत्तर , (84) अद्दरसामंते, (85) अगारस्थेभ्य :, (86) अङ्गुष्ठप्रसेनी, (87) अगररस, (88) अग्गरसो, (89) अग्गिरस, (90) अग्निमित्रा का प्रश्न, (91) अग्रशिर :, (92) अग्रश्रुतस्कन्ध :, (93) अहोरात्रसंख्याज्ञान हेतु करणगाथा , (94) अज्जवइरसामि, (95) अकब्बरसुरत्राण, (96) अकलेवरसेणि, (97) अकलेवरश्रेणि, (98) अक्खरसमास, (99) अक्खरसमं, (100) अक्खरसंन्निवाति, (101) अक्खरसुदणाणं, (102) अक्खरसुय, (103) अक्षर-अनक्षरश्रुत की पूर्वता , (104) अक्षरसमास, (105) अक्षरसमासावरणीय, (106) अक्षरश्रुत, (107) अक्षरश्रुत के भेद, (108) अक्षरश्रुत के प्रकार , (109) अक्षरश्रुत की परिभाषा , (110) अक्षरश्रुतज्ञान, (111) अक्षरश्रुतम्, (112) अक्षरसंयोग, (113) अक्षुरस, (114) अलंकारो अंगे एक रसप्रद नोंध, लेखक - अज्ञात, (115) अल्पऋद्धिक आदि देव-देवियों का परस्पर मध्य में से गमन सामर्थ्य का प्ररूपण, (116) अल्पतरसंक्रम, (117) अमर सुरसुंदरी रास, (118) अमरचन्द्रसूरि, (119) अमरकुमार सुरसुन्दरी नो रास, (120) अमरकुमार सुरसुंदरी रास, (121) अमरकुमार सुरसुंदरीनो रास, (122) अमरसाधु, (123) अमरसागर, (124) अमरसागर, राजस्थान, (125) अमरसाल, (126) अमरसेण, (127) अमरसेन , (128) अमरसेन (वयरसेन), (129) अमरसेन चौपई, (130) अमरसेन राजर्षि आख्यानक, (131) अमरसेन रास, (132) अमरसेन वैरसेन चोपाई , (133) अमरसेन वैरसेन रास, (134) अमरसेन वयर संधि, (135) अमरसेन वयरसेन आख्यानक , (136) अमरसेन वयरसेन चरित्र, (137) अमरसेन वयरसेन चौपइ, (138) अमरसेन वयरसेन चोपाई, (139) अमरसेन वयरसेन प्रबंध , (140) अमरसेन वयरसेन रास , (141) अमरसेनचरिउ, (142) अमरसेनवयरसेनचौपाइ, (143) अमरशतक बालावबोध, (144) अमरसिंधुर, (145) अमरसिंह, (146) अमरसिंह जी म. (आचार्य), (147) अमरसिंह जी महाराज (आचार्य), (148) अमरसिंह शलोको , (149) अमरसिंहसूरि, (150) अमरसूमरा, (151) अमरसूरि (नागेन्द्रगच्छीय), (152) अमरसोवमं, (153) अमरसुंदर(पंडित), (154) अमयरसरसोवसं, (155) अम्ल रस, (156) अमृतरसा, (157) अमृतरसायन, (158) अनाचारश्रुतम्, (159) अनादि विस्रसाबन्ध, (160) अणगार स्वरूप की प्रशंसा, (161) अनगारश्रुत, (162) अणगारस्सभिक्खू, (163) अणगारसुय, (164) अणगारसुयं, (165) अणक्खरसुय, (166) अनक्षरश्रुत, (167) अनन्तरक्षेत्रस्पर्श, (168) अनन्तरसिद्ध केवलज्ञान , (169) अनन्तरसिद्धासंसारसमापन्नजीवप्रज्ञापना, (170) अनन्तरसिद्धकेवलज्ञान, (171) अणरस, (172) अनशन के

लिए अप्रशस्त-प्रशस्त स्थान , (173) अनवेक्ष्यसंस्तरसंक्रम, (174) अंबाड (तिरस + कृ), (175) अंबरसे, (176) अंडज आदि त्रस, (177) अनेक लोगों ने नन्द की प्रशंसा की और वह हर्षित हुआ , (178) अंगारसगडी, (179) अंगारशकटिका, (180) अंगिरस्, (181) अङ्गिरस, (182) अंगिरस, (183) अंगिरसा, (184) अंगुलफरस, (185) अङ्गुष्ठप्रश्न, (186) अनिष्टप्रसंङ्गः, (187) अणिविटिटबादरसम्पराय, (188) अनिवृत्तिबादरसम्पराय, (189) अनिवृत्तिबादरसंपराय गुणस्थानक, (190) अंजू के पूर्वभव के सम्बन्ध में प्रश्न, (191) अनंतना 9 प्रकार, जिज्ञासा - प्रशमरत्नविजय, (192) अन्तरशौचम्, (193) अन्तरसोपाधिकभ्रमः, (194) अनुभागह्रस्व, (195) अनुभ्रष्ट, (196) अनुपकारसमः, (197) अनुयोगद्वार (शुद्धिपत्रक), प्रकाशक - महावीर जैन विद्यालय, दिव्य दर्शन ट्रस्ट, शुद्धिकार - त्रैलोक्यमंडनविजय, (198) अनुयोगद्वारसमास श्रुतज्ञान, (199) अनुयोगद्वारसूत्र बाला. , (200) अन्यदृष्टिप्रशंसा, (201) अन्यदृष्टिप्रशंसा अतिचार, (202) अन्यतीर्थिक प्रशंसा, (203) अन्यतीर्थिकों की प्रशंसा करने का प्रायश्चित्त सूत्र , (204) अपकीर्णप्रसृतत्व, (205) अपरसामान्यम्, (206) अपरसंग्रह, (207) अपरसंग्रह (नय), (208) अपरसंग्रहाभास, (209) अपोरसीय, (210) अप्रकीर्णप्रसृतं, (211) अप्रमार्जित-दुष्प्रमार्जित-उच्चारप्रस्त्रवणभूमि, (212) अप्रसाद, (213) अप्रसेनिकाकुशील, (214) अप्रशस्त, (215) अप्रशस्त अवग्रह, (216) अप्रशस्त भाषा 6, (217) अप्रशस्त भावना : हिंसा आदि , (218) अप्रशस्त भावशीति, (219) अप्रशस्त भावसंयोग, (220) अप्रशस्त ध्यान, (221) अप्रशस्त नक्षत्र : संध्यागत आदि , (222) अप्रशस्त निःसरणात्मक तैजस, (223) अप्रशस्त निदान, (224) अप्रशस्त प्रभावना, (225) अप्रशस्त प्रवृत्ति, (226) अप्रशस्त राग, (227) अप्रशस्त शकुन , (228) अप्रशस्त वात्सल्य, (229) अप्रशस्त विहायोगति, (230) अप्रशस्त-इच्छा, (231) अप्रशस्त-नोआगम-भावोपक्रम, (232) अप्रशस्त-प्रशस्त लेश्या , (233) अप्रशस्त-प्रतिसेवना, (234) अप्रशस्तबृंहण, (235) अप्रशस्तध्यान, (236) अप्रशस्तोपशामना, (237) अप्रश्न विद्या, (238) अप्रसिद्ध, (239) अरणिकाचार्यना कथानकमां एक नवी ज वात, लेखक - तारकचन्द्रसागर, (240) अरस, (241) अरसाहारे, (242) अरसाहिं, (243) अरसजीवी, (244) अरसमेहं, (245) असत्य (तृतीय), (246) अरसविरस, (247) अरसेहि, (248) अरसिया, (249) अरसं, (250) अरसो, (251) अर्बुदालंकारश्रीयुगादिदेवस्तवन, (252) अर्हत (नगरशेठ), (253) असरसेन वयरसेन चरित्र, (254) अश्ववरश्रुत, (255) अष्टादशसहस्रशीलाङ्ग, (256) अष्टोतरशत पार्श्वस्तवन, (257) अष्टोत्तरसहस्त्रलक्षण, (258) अशुभ तैजसशरीरसमुद्घात, (259) असंसारसमापन्न, (260) असंसारसमापन्नजीवप्रज्ञापना, (261) असंसारसमावण्ण, (262) असंसारसमावण्णा, (263) असुरसंगीत, (264) असुरसुरं, (265) अतीर्थकरसिद्ध, (266) अतीर्थकरसिद्धकेवलज्ञान, (267) अतीर्थंकरसिद्ध, (268) अतिमुक्तक मुनि (उग्रसेन पुत्र), (269) अतिप्रसाधन, (270) अतिप्रसङ्गः, (271) अतिप्रसंग, (272) अतिप्रसंग तर्क, (273) अत्तरशाह, (274) अट्ठारसवंजणाउलं, (275) अट्ठारसवंको, (276) अट्ठावयसेलसिहरसि, (277) अट्ठरससंपउत्त, (278) औदारिकशरीरसंघातनाम, (279) औगारिकमिश्रशरीर कायप्रयोग, (280) औगारिकमिश्रशरीरकायप्रयोग, (281) अवान्तरसत्ता, (282) अवक्करस, (283) अवक्रगामी जीवोना गुणो, लेखक - विमलचन्द्रसागर, (284) अवसरसङ्गति, (285) अविरतसम्यगद्रष्टि, (286) अयाती प्रकृतियों मे रस की तीव्रता-मंदता, जिज्ञासा - गोयमचन्द्रविजय, (287) अयोध्याप्रसाद, (288) बादर क्षेत्रसागरोपम, (289) बादर उद्धारसागरोपम, (290) बादरसाम्पराय, (291) बादरसम्पराय, (292) बादरसम्पराय संयत, (293) बादरसूक्ष्म, (294) बादरस्थिति, (295) बाधारसंग, (296) बाहिरसंबुक्का, (297) बाहुबलीजीना केवलज्ञानने रोकनार मानना स्वरूपमां भेद, लेखक - चारित्रचन्द्रसागर, (298) बाहुप्रश्न, (299) बाहुप्रश्न, (300) बालचन्द्र (माधुरसंघीयभट्टारक), (301) बालचन्द्रसूरि, (302) बालमरण की प्रशंसा के प्रायश्चित्त सूत्र , (303) बाणारसी, (304) बांटके खाना वैकुंठ में जाना (अग्रलेख), लेखक - शीलचन्द्रसूरिजी, (305) बारहवाँ त्रसकाय अनारम्भ स्थान, (306) बारसाहदिवसे, (307) बारसावत्त, (308) बारसावय, (309) बारसभिक्खुपडिमा, (310) बारसि, (311) बहादुरशाह, (312) बहुला का प्रश्न, (313) बहुसंभारसंभिय, (314) बज्झरस, (315) बनारस, उत्तरप्रदेश-बिहार-बंगाल, (316) बनारसी दास, (317) बनारसी दास (पडित), (318) बनारसी विलास, (319) बनारसीदास, (320) बनारसीदास (कवि), (321) बनारसीविलास बालावबोध, (322) बीभत्सरस, (323) बीजना विकासक्रम अंगे रसप्रद वात, लेखक - कुमुदचन्द्रविजय, (324) बीजना विकासक्रम अंगे रसप्रद वात, पत्रचर्चा - कुमुदचन्द्रविजय, (325) बीजना विकासक्रम अंगे रसप्रद वात, पत्रचर्चा - त्यागमंडनविजय, (326) बीरसिंह, (327) बीरस्वामी रास, (328) भ. महावीर के समवसरण में गौतम का जन्मान्ध पुरुष के सम्बन्ध में प्रश्न, (329) भ. महावीर के समवसरण में काली रानी का प्रश्न , (330) भ. महावीर के समवसरण में शिव के विभंगज्ञान के सम्बन्ध में प्रश्नोत्तर, (331) भ. महावीर के तीर्थ में श्रेणिक और चेलना के अवलोकन से साधु-साध्वियों के निदान करने का प्रसंग, (332) भ. महावीर ने देवता द्वारा की गई प्रशंसा का निरूपण किया, (333) भ. महावीर ने एक आसन पर बैठे हुए चौपन प्रश्नों के समाधान कहे, (334) भ. महावीर ने कुण्डकोलिक की प्रशंसा की, (335) भ. महावीर ने मद्रुक की प्रशंसा की, (336) भ. मल्ली द्वारा चोखा के मत का निरसन, (337) भ. मल्ली के रूप की प्रशंसा, (338) भ. मल्ली के रूप की प्रशंसा. शंख राजा के दूत का मिथिला में आगमन, (339) भ. मल्ली के श्री दामगण्ड (पुष्पहार) की प्रशंसा, (340) भ. मल्ली के स्नान की प्रशंसा, (341) भाभा पारसनाथ स्तवन , (342) भामा पारसनाथ नु स्तवन, (343) भानुमंदिरशिष्य, (344) भारती स्तोत्र अथवा अजारी सरस्वती छंद, (345) भास्करश्रवण, (346) भास्वरशुक्लम्, (347) भावसागरसूरि (अंचलगच्छीय), (348) भावसागरसूरिशिष्य, (349) भद्र का प्रश्न, (350) भद्रा (राजकुमारी) ने उनको रोका और मुनि की प्रशंसा की, (351) भद्रा ने मुनि की पुन : प्रशंसा की, (352) भद्रसार, (353) भद्रसेन, (354) भद्रसेन (मुनि) , (355) भद्रशाल, (356) भद्रशाल वन का प्रमाण, (357) भद्रशाल वन के सिद्धायतन का प्रमाण, (358) भद्रशाल वन में सोलह पुष्करिणियाँ , (359) भद्रशालवन, (360) भद्रशालवन अंतर्गत मेरु पर्वतादि, (361) भद्रशालवन में आठ

दिशा हस्तिकूट, (362) भद्रशालवननुं विहंगम दृश्य , (363) भगवान के कहने से गौशालक से प्रश्न किये, (364) भगवान ने कामदेव की प्रशंसा की, (365) भक्तामरस्तोत्र बालावबोध , (366) भक्तामरस्तोत्र रागमाला, (367) भरत के अष्टम भक्त का पारणा और मागधतीर्थाधिपदेव का प्रसन्न होकर अष्टाह्निक महोत्सव का आदेश देना, (368) भवनवासी देवों के उत्पाद आदि के 49 प्रश्नों का समाधान, (369) भीरस, (370) भिक्षु जस रसायन , (371) भंभसारसुत, (372) भंडीरसुणए, (373) भूरसी, (374) भूतकाळ करतां भविष्यकाळ अनंतगणो, जिज्ञासा - प्रशमरत्नविजय, (375) भ्रष्ट, (376) भ्रष्टतेजाः, (377) भुरसी, (378) भुरशी, (379) भुवनभानु केवली रास अथवा रसलहरी रास, (380) भुवनसुन्दरसूरि, (381) बिसरा त्रसरा, (382) बंभचेरसमाहिठाण, (383) बंध विस्रसा, (384) बोज्ज (त्रस्), (385) ब्राह्मणकुण्डपुरसन्निवेश, (386) ब्राह्मी-सुंदरी बालब्रह्मचारीणी !, लेखक - अर्हंचन्द्रसागर, (387) ब्रह्मशिरस्, (388) बुद्धिसागरशिष्य, (389) बुद्धिसागरसूरि, (390) बुद्धिसागरसूरि (ब्रह्माणगच्छीय), (391) चान्द्रसंवत्सर, (392) चार अन्यतीर्थियों की श्रद्धा का निरसन , (393) चारित्रसागर, (394) चारित्रसार, (395) चारित्रसार वचनिका , (396) चारित्रसिंह, (397) चारित्रसंवर, (398) चारित्रसुंदर, (399) चलित रस अभक्ष्य, (400) चमरस्स-अग्गमहिसी, (401) चमरस्य-अग्रमहिषी, (402) चन्द्रधरशर्मा \'गुलेरी\', (403) चन्द्रधरशर्मा \'गुलेरी\', (404) चन्द्रधरशर्मा \'गुलेरी\', (405) चन्द्ररश्मि, (406) चन्द्रसेन, (407) चन्द्रशेखर, (408) चन्द्रशेखर रास , (409) चन्द्रश्री, (410) चन्द्रशृङ्ग, (411) चन्द्रसंवत्सर, (412) चन्द्रसोल सपना संज्झाय , (413) चन्द्रसृष्ट, (414) चन्द्रस्य अग्रमहिषी, (415) चरित्रशील, (416) चतुःस्थानिक रस, (417) चतुरसागर, (418) चतुरसौभाग्य, (419) चतुरशरीरी जीव, (420) चतुरशीति समर्जितादि विशिष्ट चौबीसदंडकों और सिद्धों का अल्पबहुत्व, (421) चतुरस्र संस्थान, (422) चतुरस्त्र, (423) चतुरस्त्रानुयोग, (424) चतुरस्त्रनाम, (425) चतुरसुजांण, (426) चतुर्दशपूर्वी का ज्ञान परस्पर तुल्य , (427) चतुरिन्द्रिय त्रस के प्रकार , (428) चतुष्कोन (चोरस) अने वृत्त, (429) चौबीसदंडकों और सिद्धों में चतुरशीति समर्जितादि का प्ररूपण, (430) चउडोत्तरसउ, (431) चउरसउ, (432) चौथा नियतिवादी की श्रद्धा का निरसन , (433) छःकाय जीवोनी समज...(त्रसकाय) (3 विकलेन्द्रिय + तिर्यंच पंचेन्द्रिय) , (434) छत्रसाल, (435) छत्रसिल, (436) छत्रसिंह, (437) चित्रप्रसुप्तिः, (438) चित्रसाली, (439) चित्रसालि, (440) चित्रसेन, (441) चित्रसेन बाला. , (442) चित्रसेन चरित्र बाला. , (443) चित्रसेन चरित्र बालावबोध , (444) चित्रसेन पद्मावती बालावबोध , (445) चित्रसेन पद्मावती चरित्र बालावबोध , (446) चित्रसेन पद्मावती चौपई, (447) चित्रसेन पद्मावती चोपाई, (448) चित्रसेन पद्मावती रास, (449) चित्रसेन पद्मावती स्तबक, (450) चित्रसेन पद्मिनी चौपई, (451) चित्रसेन पद्मावती रास , (452) चित्रसेना, (453) चित्रसेनक, (454) चित्रसेनपदमावतीकाव्य, (455) चित्रसेनपदमावतीरास, (456) चित्रशाळी, (457) चित्रशाली, (458) चित्रषेणा, (459) चित्रश्रेणी, (460) चित्रसंभूति चोढालियुं , (461) चित्रसंभूति चोपाई , (462) चित्रसंभूति रास , (463) चित्रसंभूति सझाय, (464) चित्रसंभूतिचौढालिउ, (465) चित्रसंभूतिसज्झाय, (466) चित्रसंभूतिसंधि, (467) चित्रसंभुति चोपाई, (468) चित्तप्रसत्ति, (469) चंद्रसागर, (470) चंद्रसेन, (471) चंद्रसेन चंद्रद्योत प्रबंध , (472) चंद्रसेन चंद्रघौत नाटकीया प्रबंध, (473) चंद्रशतक, (474) चंद्रशेखर रास , (475) चोरशास्त्र, (476) च्यारसयां, (477) दाहिणमाहणकुंडपुरसंनिवेस, (478) दाहिणमाहणकुंडपुरसंनिवेसाओ, (479) दानरस, (480) दानशील तप भावना अे हरेक अधिकार पर दृष्टांत कथारस, (481) दारसाहा, (482) दक्षिणब्राह्मणकुण्डपुरसन्निवेश, (483) डर (त्रस्), (484) दरसन छतीसी, (485) दरसणियां, (486) दरशवुं, (487) दरशंन, (488) दरसिन, (489) दसारसीह, (490) दसारसोह, (491) दश प्रकारनां आयुष्य, लेखक - पद्मचन्द्रसागर, (492) दशवैकालिकसूत्र - वृत्तित्रय सहित (शुद्धिपत्रक), प्रकाशक - जिनभद्रसूरि ग्रंथमाळा, शुद्धिकार - श्रुतांगचन्द्रविजय, (493) दशवैकालिकसूत्र - वृत्तित्रय सहित (शुद्धिपत्रक), प्रकाशक - जिनभद्रसूरि ग्रंथमाळा, शुद्धिकार - तीर्थयशविजय, (494) दयासागरसूरि, (495) दीक्षा के छह प्रस्थान , (496) दीक्षार्थीनी शुभाशुभ गति जाणवानो उपाय, लेखक - अनंतचन्द्रसागर, (497) दीर्घ-ह्रस्व अनुयोगद्वार, (498) दीर्घह्रस्व, (499) दीर्घकालद्रव्यप्रसूतिप्ररूपी, (500) देशविषय मिथ्यादृष्टिप्रशंसा, (501) देव ने स्वाभाविक रूप धारण करके कामदेव की प्रशंसा की और क्षमायाचना की, (502) देवानन्दा का यह रूप देखकर गौतमस्वामी ने प्रश्न किया और भ. महावीर ने समाधान किया, (503) देवचन्द्रसूरी, (504) देवचंद्रसूरि, (505) देवद्युति के प्रवेश के सम्बन्ध में प्रश्न और समाधान, (506) देवप्रसाद, (507) देवसुन्दरसूरि (तपागच्छीय), (508) देवसुन्दरसूरिरास, (509) देवसुंदरसूरिशिष्य, (510) देवसुन्दरसूरिशिष्य, (511) देवताओं के मन से किये गये प्रश्नों का भ. महावीर ने मन से ही उत्तर दिया, (512) देववंदनमां आवती स्तुतिओ, जिज्ञासा - तारकचन्द्रसागर, (513) देवीप्रसाद (मुंशी), (514) देवेन्द्रसागर, (515) देवेन्द्रसूरि, (516) देवेन्द्रस्तव, (517) देवोना प्रकारो अंगे जाणवा जेवु, लेखक - तीर्थचन्द्रसागर, (518) देवोने पांचे निद्राओनो उदय कई रीते ?, जिज्ञासा - अर्हंचन्द्रसागर, (519) धायइपत्तरससारो, (520) ढड्ढरसरो, (521) ढड्ढरस्वर, (522) धन्ना भार्या का प्रश्न, (523) धरसेन (आचार्य), (524) धर्म प्रश्नोत्तर श्रावकाचार भाषा , (525) धर्महेतुप्रसाधनम्, (526) धर्मरूचि को तीक्ष्णरस के तुंबे का व्यज्जन दिया, (527) धर्मसागरशिष्य, (528) धर्मसागरसूरि, (529) धर्मसागरसूरि (संडेरगच्छीय), (530) धर्मसुन्दरसूरि, (531) धीरसागर, (532) धूम्रशिखाचारण, (533) ध्रसकाइ, (534) ध्रसकइ, (535) ध्रसक्कइ, (536) ध्रसूकइ, (537) ध्रसुड, (538) ध्यानशतक - हारिभद्री वृत्ति अने विवेचन (शुद्धिपत्रक), प्रकाशक - जैन धर्म प्रसारण ट्रस्ट, शुद्धिकार - श्रुतांगचन्द्रविजय, (539) दिनकरसागर, (540) दिवा - भोजन निन्दा और रात्रि - भोजन प्रशंशा के प्रायश्चित्त सूत्र , (541) दो मास प्रायश्चित्त की प्रस्थापिता आरोपणा वृद्धि , (542) दूधे वरस्या मेह, (543) डूंगरसी, (544) डूंगरसिंह, (545) दूरसादित्त, (546) दूरश्रवणत्व, (547) दूरस्पर्श, (548) दूरस्थ गंध-रस-स्पर्श का ग्रहण , (549) द्रष्ट, (550) द्रष्टा, (551) द्रष्टान्त, (552) द्रष्टांत शतक (सं०), (553) द्रष्टान्तो के दार्ष्टान्तिक की योजना , (554) द्रष्टांतों द्वारा कषायों के स्वरूप का प्ररूपण,

(555) द्रष्टये पडचुं, (556) द्रष्टि, (557) द्रष्टि-अविष, (558) द्रष्टिनिविष, (559) द्रष्टचमुष्टय, (560) द्रश्यमान द्रव्य, (561) द्रसुका, (562) द्रव्य द्रष्टि, (563) द्रव्य लेश्याओं का परस्पर परिणमन, (564) दृष्टिवाद के पांच प्रस्थान , (565) दु :प्रसभ :, (566) डुंगरसी, (567) दुरसा आढा, (568) दुष्प्रसभ, (569) द्वारस्थगनं, (570) द्वीन्द्रिय त्रस के प्रकार , (571) द्विस्थानिक रस, (572) द्वितीय पंच महाभूतवादी की श्रद्धा का निरसन , (573) ईच्छाकारसा., (574) ईसरस्स, (575) ईश्वरसाक्षिप्रत्यक्षम्, (576) ईश्वरसेन, (577) ईश्वरसूरि (संडेरगच्छीय), (578) एक मास प्रायश्चित्त की प्रस्थापिता आरोपणा वृद्धि , (579) एकादशगणधरस्तवन, (580) एकाकी भिक्षु की अप्रशस्त विहार चर्या , (581) एकाकी भिक्षु की प्रशस्त विहार चर्या , (582) एकान्त - द्रष्टि निषेध , (583) एकक्षेत्रस्पर्श, (584) एकरस्यो, (585) एकस्थानिक रस, (586) एलारस, (587) एरसउ, (588) गजसागरसूरि, (589) गजसागरसूरि शिष्य, (590) गजसुकुमार के प्रति श्रीकृष्ण का राज्य ग्रहण प्रस्ताव., (591) गम्भीरशासन, (592) गणान्तरसङ्कमण, (593) गणधरसार्धशतकबृहदवृत्ति, (594) गणधरसप्ततिका, (595) गरसली, (596) गर्भविचारस्तोत्र, (597) गौशालक और भ. महावीर ने परस्पर एक दूसरे की मरणकाल मर्यादा का निरूपण किया, (598) गौतम का प्रश्न. भगवान का उत्तर, (599) गौतम के समीप प्रश्न के लिए प्राश्र्वापत्यश्रमण उदकपेढाल पुत्र का आना, (600) गौतम प्रश्नोत्तर स्तवन, (601) गौतमपृच्छा बालावबोध, राजप्रश्नीय बालावबोध, (602) घरसूत, (603) घरसूत्र, (604) घरसुत्र, (605) घिस (ग्रस्), (606) ग्लानमुनिनी प्रतिसेवना क्यां सुधी ?, लेखक - तारकचन्द्रसागर, (607) ज्ञान अने बोध (अग्रलेख), लेखक - शीलचन्द्रसूरिजी, (608) ज्ञान रस, (609) ज्ञानपंचमी मौन ग्यारस होली व्याख्यान , (610) ज्ञानरस, (611) ज्ञानसागरशिष्य, (612) ज्ञानसागरसूरी, (613) ज्ञानसागरसूरी (रत्नाकरगच्छीय), (614) ज्ञानसागरसूरी (वडतपगच्छीयमुनि), (615) ज्ञानसार - ज्ञानमंजरी वृत्ति (शुद्धिपत्रक), प्रकाशक - विजयभद्र चेरिटेबल ट्रस्ट, शुद्धिकार - रम्यरेणु, (616) ज्ञायकशरीरसिद्ध, (617) गंगदत्त देव के पूर्वभव के सम्बन्ध में प्रश्न, (618) गोडी पार्श्वनाथ जिनालय, नगरशेठनी पोळ, सुरत, (619) गोडी पार्श्वनाथ जिनालय, जमालपुर-टोकरशानी पोळ(प्रेरणा तीर्थ), अमदावाद, (620) गोरस गोली, (621) गोरसभावित क्षेत्र उत्कृष्ट क्यों ?, (622) गोविंदब्राह्मण कुमारस्वर, (623) ग्रसत्य (द्वितीय):, (624) ग्रशमांहि, (625) गृहस्थलिंगसिद्ध अने अन्यलिंगसिद्ध, जिज्ञासा - प्रशमरत्नविजय, (626) गुणाकरसूरि, (627) गुणभद्रसूरि (बृहद्गच्छीय), (628) गुणचन्द्रसूरि, (629) गुणधीरसूरि (पौर्णमिकगच्छीय), (630) गुणसागरसूरि, (631) गुणसागरसूरि (पिप्पलकगच्छीय), (632) गुणसमुद्रसूरि, (633) गुणसमुद्रसूरि (नागिलगच्छीय), (634) गुणसमुद्रसूरि (नाइलगच्छीय), (635) गुणस्थानक वीरस्तवन, (636) गुणसुन्दरसूरि (मलधारगच्छीय), (637) गुरुकुलवासमां रहेता श्रमणनुं औचित्य, लेखक - आनंदचन्द्रसागर, (638) ग्यारहगणधरस्तवन, (639) हालिक खेडुतना कथानकनुं अलग स्वरूप, लेखक - संभवचन्द्रसागर, (640) हारसमेनां पद, (641) हारसमुद्, (642) हारसमुद्र, (643) हास्य रस की उत्पत्ति और लक्षण , (644) हजारीप्रसाद द्विवेदी, (645) हजारीप्रसाद द्विवेदी (आचार्य), (646) हजारों राजाओं का प्रस्थान, (647) हरप्रसाद, (648) हरप्रसाद शास्त्री, (649) हरस, (650) हरस-वस, (651) हरसीय, (652) हरसेवक, (653) हरषचंद साधु, (654) हरषजी, (655) हरिभद्रसूरि , (656) हरिभद्रसूरि [बृहद्गच्छीय), (657) हरिभद्रसूरि [नागेन्द्रगच्छीय], (658) हरिरस , (659) हरिवंश अथवा रस रत्नाकर हरिवाहन चौपई, (660) हीरप्रश्न (शुद्धिपत्रक), प्रकाशक - जिनशासन आराधना ट्रस्ट, शुद्धिकार - श्रुतांगचन्द्रविजय, (661) हीरसागर, (662) हीरसेवक, (663) हीरसेवक (हरसेवक), (664) हीरसुन्दर, (665) हेम नवरसा , (666) हेमचंद्रसूरि, (667) हेमतन्द्रसूरि:, (668) हितोपदेशसत्कस्य शब्दद्वयस्य अर्थविषये किञ्चित्, लेखक - मुक्तिचन्द्र-मुनिचन्द्रसूरिजी, (669) ह्रषीकेश, (670) ह्रष्यका, (671) ह्रष्यकान्ता, (672) ह्रस्व, (673) ह्रस्वकाल स्थिति, (674) ह्रस्वकालस्थितिक, (675) इक्कारस, (676) इक्कारसालंकारं, (677) इक्खुवरसमुद्द, (678) इक्षरस, (679) इक्षुरस, (680) इक्षुरसा, (681) इक्षुवरसमुद्र, (682) इलातीपुत्रसज्झाय, (683) इलायचीपुत्रसज्झाय, (684) इन्द्रसौभाग्य, (685) इन्द्रसौभाग्य (उपाध्याय), (686) इन्द्रसेन, (687) इन्द्रसेना, (688) इन्द्रशाह, (689) इन्द्रशर्मा, (690) इन्द्रशर्मन्, (691) इन्द्रश्री, (692) इन्द्रस्थावरकाय, (693) इन्द्रस्थावरकायाधिपति, (694) इन्द्रसुखोदयक्रिया, (695) इंगित-आकारसम्प्रज्ञ , (696) इङ्गिताकारसम्पन्न, (697) इङ्गिताकारसम्प्रज्ञ, (698) इंगियागारसंपन्ने, (699) इषुकारसिद्ध चौपई, (700) इषुकारसिद्ध चोपाई, (701) इतरेतरसंयोग, (702) जारसेय, (703) जगचन्द्रसूरि, (704) जहाँदारशाह, (705) जैनकुमारसंभव, (706) जमाली और उसके शिष्यों का शय्या करने में - " कृत-कार्यमाण " के विषयों में प्रश्नोत्तर, (707) जमदग्नि कथा + परसुराम कथा, (708) जयचन्द्रसूरि, (709) जयचन्द्रसूरि (तपागच्छीय), (710) जयचंद्रसूरि, (711) जयकेशरसूरि (अंचलगच्छीय), (712) जयन्ती के प्रश्न और समाधान., (713) जयशेखरसूरि, (714) जयशेखरसूरि (अंचलगच्छीय), (715) जयशेखरसूरि (वडतपागच्छीय), (716) जयसुन्दरसूरि (बडतपागच्छीय), (717) जीव-चौबीसदंडकों में कायिकादि पाँच क्रियाओं का परस्पर सहभाव, (718) जीवविचार, विचारषट्त्रिंशिका, नवतत्त्व बालावबोध , (719) जीवविचार,क्षेत्रसमास,रत्नाकर पंचविंशिका दंडक बालावबोध , (720) जीवविंचारस्तवन, (721) जीवविषया द्रशिक्रिया, (722) जीवंधरस्वामीगीत, (723) जीवंधरस्वामीरास, (724) जीवों का परस्पर उपकार, (725) जिनभद्रसूरि, (726) जिनभद्रसूरि (खरतरगच्छीय), (727) जिनभद्रसूरिगीतम्, (728) जिनभद्रसूरिघुवड, (729) जिनभद्रसूरिपटटेजिनचन्द्रसूरि-गीतम्, (730) जिनभद्रसूरिपट्टाभिषेकरास, (731) जिनचन्द्रसूरि, (732) जिनचन्द्रसूरि (बृहद्गच्छीय), (733) जिनचन्द्रसूरि (खरतरगच्छीय), (734) जिनचन्द्रसूरि (खरतरगच्छीय-पिप्पलक शाखा), (735) जिनचन्द्रसूरि कवित्त, (736) जिनचन्द्रसूरिअष्टकम्, (737) जिनचन्द्रसूरिकाव्याष्टम्, (738) जिनचन्द्रसूरिरेलुआ, (739) जिनचन्द्रसूरिवर्णनरास, (740) जिनचन्द्रसूरिविवाहलउ, (741) जिनचंद्रसूरि अकबर रास , (742) जिनचंद्रसूरि छंद, (743) जिनचंद्रसूरि निर्वाण रास , (744) जिनजी की रसोई, (745) जिनकल्पी साधुने पण ऊपधि होई शके छे !, लेखक - धन्यचन्द्रसागर,

(746) जिनरस , (747) जिनसागरसूरि, (748) जिनसागरसूरि (खरतर-पिप्पलक शाखा), (749) जिनसागरसूरि रास , (750) जिनसमुद्रसूरि (खरतरगच्छीय), (751) जिनशेखरसूरि, (752) जिनशेखरसूरि (तपागच्छीय), (753) जिनसुन्दरसूरि, (754) जिनसुन्दरसूरि (वडतपागच्छीय), (755) जिनेन्द्रसागर, (756) जिनेन्द्रस्तवनादि काव्यसंदोह, (757) जिनेन्द्रस्तुति, (758) जिनेश्वरसागर, (759) जिनेश्वरसूरि, (760) जिनेश्वरसूरि (द्वितीय), (761) जिनेश्वरसूरि (खरतरगच्छीय), (762) जिनेश्वरसूरिसंयमश्रीवर्णनारास, (763) जिनेश्वरसूरिसंयमश्रीविवाहवर्ण-नारास, (764) जितशत्रु का प्रश्न, (765) जितशत्रु ने पान-भोजन की प्रशंसा की, (766) जितशत्रु ने उदगरत्न की प्रशंसा की, (767) जंबूद्वीपनी ऊंडाई अने ऊंचाई, लेखक - विरागचन्द्रसागर, (768) जोरावरसिंह, (769) जोतिरस, (770) ज्वालाप्रसाद सेठ, (771) ज्योतीरश्मिचारण, (772) ज्योतिप्रसाद जैन, (773) ज्योतिरस, (774) ज्योतिरश्मि चारण, (775) ज्योतिष्क देवों के उत्पाद आदि के 49 प्रश्नों का समाधान, (776) काचा गोरसयुक्त कठोळमां निगोद अने पंचेन्द्रिय जीवोनी उत्पत्ति !, लेखक - तीर्थतिलकविजय, (777) काल आदि कुमारों सहित कूणिक का युद्ध के लिए वैशाली की ओर प्रस्थान, (778) कालविचारशतक-स्वाध्याय, लेखक - त्रैलोक्यमंडनविजय, (779) काली रानी के प्रश्न के उत्तर में भगवान् ने कालीरानी के पुत्र कालकुमार का मरण कहा और कालीरानी स्वस्थान गई, (780) कालोद समुद्र और पुष्करवरद्वीप के प्रदेशों का परस्पर स्पर्श, (781) कालोदाई के अचित्त पुदगलों के प्रकाश उद्योतादि संबंधी प्रश्नों का (भ. महावीर) ने समाधान किया, (782) कालोदाई के अग्निकाय जलाने और बुझाने से होने वाले कर्मबन्ध संबन्धी प्रश्नों का भ. महावीर ने समाधान किया, (783) कालोदाई के पापकर्म फलविपाक संबंधी और कल्याणकर्म (धर्म) फल विपाक संबंधी प्रश्नों का महावीर ने समाधान किया, (784) कालोदायी के पंचास्तिकाय संबंधी-विविध प्रश्नों के ज्ञातपुत्र-भ. महावीर कृत समाधान, (785) कालोदसमुद्र और पुष्करवरद्वीपार्ध के प्रदेशों परस्पर स्पर्श, (786) कामता प्रसाद जैन, (787) कामताप्रसाद जैन, (788) कापोतलेश्यारस, (789) कार्मणशरीरसंघातनाम, (790) काव्यरस , (791) काव्यरस की परिभाषा , (792) कल्परस, (793) कल्पसूत्रसंदेहविषौषधिवृत्ति, (794) कल्याण कर्मो के सम्बन्ध में प्रश्नोत्तर, (795) कल्याणकविषयकं किञ्चित्, लेखक - मुक्तिचन्द्र-मुनिचन्द्रसूरिजी, (796) कल्याणकविषयकं किञ्चित्, पत्रचर्चा - मुक्तिचन्द्र-मुनिचन्द्रसूरिजी, (797) कल्याणसागरसूरि, (798) कल्याणसागरसूरि रास , (799) कल्याणसागरसूरिनो रास , (800) कल्याणसागरसूरिरास, (801) कपूरशेखर, (802) करसाण, (803) करसन, (804) करसण, (805) करसणी, (806) करसणु, (807) करसउ, (808) करसी, (809) करशण, (810) करशंणी, (811) करशंपुट करी, (812) करसंबाधा, (813) करसंवाद, (814) कर्पूरशेखर, (815) करुण रस की उत्पत्ति और लक्षण , (816) करुणरस, (817) कसायरस, (818) कषाय रस, (819) कषाय से चारित्रनाश : कनकरस दृष्टांत , (820) कषायरस नामकर्म, (821) कटगोला—नरसिंहपुर, उत्तरप्रदेश-बिहार-बंगाल, (822) कटु रस, (823) कौणिक ने धर्मदेशना की प्रशंसा की और अपने भवन को गया, (824) कवि प्रमोदरस, (825) कविप्रमोद रस, (826) कयरस, (827) कीर्तिसागरसूरि, (828) केसरसागर, (829) केसरसागर(गणि) , (830) खादरस, (831) खातरस, (832) खदिरसार, (833) खण्ड प्रशस्ति सुबोधिनी टीका, (834) खरसाविया, (835) खरसणीउ, (836) खरसिल, (837) खरस्सर, (838) खरस्वर, (839) खरस्वर परमाधामी, (840) खत्तियकुंडपुरसंनिवेस, (841) खीलियसरीरसंघडण, (842) खीरसमुद्द, (843) खेत्रसिंह, (844) खिमबलिभद्रशोभद्रारास, (845) खंधकचरित्रसज्झाय, (846) खंधककुमारसूरि चोपाई , (847) खोत्तरस, (848) खुज्जसरीरसंठाण, (849) किल्बिषिक चारित्री अने किल्बिषिक देव, पत्रचर्चा - पद्मचन्द्रसागर, (850) किन पुद्गलों का परस्पर बंध होता है ? (कोष्टक), (851) किण्णरस, (852) कोमलप्रश्न, (853) कोणिक का भ. महावीर के दर्शन का संकल्प और सर्व ऋद्धि से समवसरण में जाने के लिए प्रस्थान , (854) कूणिक का युद्ध के लिए प्रस्थान, (855) कूणिक सहोदर वेहल्ल ने सेचनक गंध हस्ति-क्रीड़ा की प्रशंसा की , (856) कूपदर्दुर का दृष्टान्त कहकर नारद ने द्रौपदी के रूप की प्रशंसा की, (857) कूर्म द्रष्टान्त , (858) कूटागारशाला के दृष्टांत द्वारा स्त्रियों के चतुभँगों का प्ररूपण, (859) क्रसाण, (860) क्रश्न, (861) कृपारस कोश, (862) कृष्णलेश्यारस, (863) क्षायिक सम्यग्द्रष्टि, (864) क्षमाचन्द्रसूरि (सोरठगच्छीय), (865) क्षमासागरसूरि, (866) क्षपकश्रेणि : अकलेवरश्रेणी , (867) क्षत्रियकुण्डपुरसन्निवेश, (868) क्षत्रियमुनि के प्रश्न, (869) क्षौमकप्रश्न, (870) क्षयिकी द्रष्टि, (871) क्षीरसमुद्र, (872) क्षीरस्तव लब्धि , (873) क्षीरस्त्राविणी, (874) क्षेत्रसामायिक, (875) क्षेत्रसमास बाला, (876) क्षेत्रसमास बालावबोध, (877) क्षेत्रसमास बालावबोध, संग्रहणी बालावबोध , (878) क्षेत्रसमास बालावबोध,नवतत्त्व बालावबोध, (879) क्षेत्रसमास स्तबक, (880) क्षेत्रसमासबालावबोध, (881) क्षेत्रसमवाय, (882) क्षेत्रसिंह या खेतसी, (883) क्षेत्रसंसार, (884) क्षेत्रसंयोग, (885) क्षेत्रस्पर्शना , (886) क्षेत्रस्तव, (887) क्षोदरस, (888) कुबेरश्री, (889) कुद्रष्टि, (890) कुग्जरसेना, (891) कुमारसमण, (892) कुमारसवण, (893) कुमारसेन, (894) कुमारश्रमण, (895) कुण्डकोलिक ने नियतिवाद का निरसन किया, (896) कुंजरसेणा, (897) कुटङ्केश्वरस्थान, (898) लाक्षारसः, (899) लावण्य प्रसाद, (900) लब्धिसागरसूरि [वडतपागच्छीय], (901) लघु क्षेत्रसमास बालावबोध , (902) लघु क्षेत्रसमास चोपाई, (903) लघुक्षेत्रसमास बालावबोध , (904) लघुक्षेत्रसमासचौपाइ, (905) लखमसीकृत प्रश्नोना उत्तर , (906) लक्खारस, (907) लक्ष्मी सागरसूरि, (908) लक्ष्मीसागरसूरि निर्वाण रास, (909) लक्ष्मीसागरसूरि शिष्य, (910) लक्ष्मीसागरसूरि [तपागच्छीय], (911) लङ्घनस्येवे\'ति दृष्टान्तस्य निरसनत्रयम्, लेखक - त्रैलोक्यमंडनविजय, (912) लौकिक द्रष्टि, (913) लवण रस, (914) लेश्याओं का रस , (915) लेश्याओं के रस, (916) लोभग्रस्त देव-मनुष्य, (917) लोहग्गलणगरसामी, (918) लोक और जीव के विषय में गौतम के प्रश्न करने पर जमाली का चुप रहना, (919) लोक, अलोक और अवकाशान्तर आदि में पूर्वापर कौन ? (रोहा अणगार के प्रश्न और समाधान), (920) लोक-स्प्रष्ट, (921) लोकोत्तरशब्दलिंगज श्रुतज्ञान, (922) लोकोत्तरशुचित्व, (923) लूणसिंहवसही के लूणिगवसही ?, पत्रचर्चा - मुनिचन्द्रसूरिजी, (924) मागध प्रस्थ, (925)

माहणकुंडपुरसंनिवेश, (926) मामक, संप्रसारक , (927) मानरस, (928) माणिक्यचन्द्रसूरि, (929) माणिक्यचन्द्रसूरि [अंचलगच्छीय], (930) माणिक्यचन्द्रसूरि [पूर्णिमागच्छीय], (931) माणिक्यसुन्दरसूरि, (932) माणिक्यसुन्दरसूरि [अंचलगच्छीय], (933) माणिक्यसुन्दरसूरि [वृद्धतपागच्छीय रत्नसिंह के शिष्य], (934) मासिक और दो मासिक प्रायश्चित्त की प्रस्थापिता आरोपणा वृद्धि , (935) माथुरसंघ, (936) मदनसेन चित्रसेन चौढ़ालिया , (937) मधुर रस, (938) मधुररसा, (939) मध्यप्रसाद, (940) महामेघवाहन खारवेलना महाराणी घुसीनो अप्रसिद्ध ईतिहास, लेखक - पद्मचन्द्रसागर, (941) महाप्रश्नविद्या, (942) महासमरसंघाओ, (943) महाशिरस्, (944) महाशुक्र कल्प के देवों का भ. महावीर के समीप आने का प्रसंग, (945) महावीरप्रसाद द्विवेदी, (946) महावीरसत्तावीसभव, (947) महावीरस्तवन, (948) महावीरस्तुति , (949) महावीरस्वामी जिनालय, खपाटीया चकला, गोपीपुरा , सुरत, (950) महावीरस्वामी जिनालय, पार्थनगर कोम्प्लेक्ष, सुरत, (951) महावीरस्वामी (चौमुखजी) जिनालय, नवसारी, (952) महावीरस्वामी (चौमुखी) जिनालय, कचरानी पोळ, नाणावट, सुरत, (953) महावीरस्वामी - घरदेरासर जिनालय, वापी, पारडी, वलसाड, (954) महावीरस्वामी 27 भव स्तवन , (955) महावीरस्वामी जिनालय, आगममंदिर रोड, गोपीपुरा, सुरत, (956) महावीरस्वामी जिनालय, ढंढेरवाडो, पाटण, (957) महावीरस्वामी जिनालय, गेलेक्षी एपार्ट, घोडदोड रोड, सुरत, (958) महावीरस्वामी जिनालय, गंगानगर हा. सोसा, सुरत, (959) महावीरस्वामी जिनालय, झंखवाव, मांगरोल, सुरत, (960) महावीरस्वामी जिनालय, मणियाती पाडो, पाटण , (961) महावीरस्वामी जिनालय, नानपुरा गेट, सुरत, (962) महावीरस्वामी जिनालय, पंचासर, पीपळाशेरी, पाटण, (963) महावीरस्वामी जिनालय, सोनीवाडो, पाटण, (964) महावीरस्वामी जिनालय, तंबोळीवाडो, पाटण , (965) महावीरस्वामी जिनालय, वापी, चणोद कॉलोनी, पारडी, वलसाड, (966) महावीरस्वामी जिनालय, वापी, GIDC, पारडी, वलसाड, (967) महावीरस्वामी जिनालय, वलसाड, (968) महावीरस्वामी-घरदेरासर जिनालय, पारस सोसायटी, कतारगाम , सुरत, (969) महावीरस्वामीने केवलज्ञाननी प्राप्ति कया आसनमां थई ?, लेखक - कुमुदचन्द्रविजय, (970) महीन्द्रसिंह(सूरि) , (971) महेन्द्रसेन, (972) महेन्द्रसिंह, (973) महेन्द्रसूरि, (974) महेन्द्रसूरि [अंचलगच्छीय], (975) महेन्द्रसूरि [बृहद्गच्छीय], (976) महेन्द्रसूरि [कृष्णर्षिगच्छीय], (977) महेन्द्रसूरि [नागेन्द्रगच्छीय], (978) महेश्वरसूरि, (979) महेश्वरसूरि शिष्य, (980) महुररस, (981) महुरसर, (982) महुरस्सरा, (983) मैथून सेवन के संकल्प से परस्पर मैल निकालने के प्रायश्चित्त सूत्र , (984) मैथुन के संकल्प से परस्पर परिकर्म के प्रायश्चित्त, (985) मैथुन सेवन के संकल्प से परस्पर नखाग्रो के परिकर्म का प्रायश्चित्त सूत्र , (986) मैथुन सेवन के संकल्प से परस्पर अक्षिपत्र परिकर्म के प्रायश्चित्त सूत्र , (987) मैथुन सेवन के संकल्प से परस्पर भौंह आदि रोमों के परिकर्म के प्रायश्चित्त सूत्र , (988) मैथुन सेवन के संकल्प से परस्पर दन्त परिकर्म के प्रायश्चित्त सूत्र , (989) मैथुन सेवन के संकल्प से परस्पर जंघादि परिकर्म के प्रायश्चित्त सूत्र , (990) मैथुन सेवन के संकल्प से परस्पर केश परिकर्म का प्रायश्चित्त सूत्र , (991) मैथुन सेवन के संकल्प से परस्पर मस्तक ढकने का प्रायश्चित्त सूत्र , (992) मैथुन सेवन के संकल्प से परस्पर ओष्ठ परिकर्म के प्रायश्चित्त सूत्र , (993) मैथुन सेवन के संकल्प से परस्पर पैरों का परिकर्म करने के प्रायश्चित्त सूत्र , (994) मैथुन सेवन के संकल्प से परस्पर शरीर परिकर्म करने के प्रायश्चित्त सूत्र , (995) मैथुन सेवन के संकल्प से परस्पर उत्तरोष्ठ परिकर्म के प्रायश्चित्त सूत्र , (996) मैथुन सेवन के संकल्प से परस्पर गण्डादि की चिकित्सा करने के प्रायश्चित्त सूत्र , (997) मैथुन सेवन के संकल्प से परस्पर कृमि निकलवाने का प्रायश्चित्त सूत्र , (998) मैथुन सेवन के संकल्प से परस्पर व्रण की चिकित्सा करने के प्रायश्चित्त सूत्र , (999) मैथुन संज्ञा में ग्रस्तों की दुर्गति, (1000) मज्झरस, (1001) मलधारी हेमचन्द्रसूरि, (1002) मल्लदिन्न का चित्रसभा कराना, (1003) मनःप्रश्नविद्या, (1004) मनसः प्रसादः, (1005) मन्दरशैल, (1006) मन्दिरस्थविर, (1007) मन्त्रशक्ति, (1008) मनुषोत्तरशैल, (1009) मरमरसबद, (1010) मरषा, (1011) मतिसागर रसिक मनोहर चौपइ, (1012) मयूरसिखा, (1013) मेधावी पुरुषों के प्रश्नों के भय से महावीर आरामगृह में नहीं ठहरता है l गोशालक का आक्षेप, (1014) मेघोघरसियं, (1015) मिच्छाकारसा., (1016) मिश्रसम्यक्त्व, (1017) मिश्रस्कन्ध वर्गणा , (1018) मिश्रस्कन्धः, (1019) मिश्रसंयुक्तद्रव्यसंयोग, (1020) मिश्रसंयुक्तकद्रव्यसंयोग, (1021) मिथ्याचारित्रसेवा, (1022) मिथ्याद्रष्टिः, (1023) मिथ्यादृष्टिप्रशंसा, (1024) मित्रसेन राजा, (1025) मित्रसेना, (1026) मित्रश्री, (1027) मित्रश्री कथा, (1028) मित्रस्मृति, (1029) मंदरसा, (1030) मंसरसं, (1031) मंत्रसिद्ध : स्तम्भाकर्ष , (1032) मोरसिखा, (1033) मोय (पेय प्रस्त्रवण) स्वरूप , (1034) म्रश्रित, (1035) मृगापुत्रसंधि, (1036) मृगशिरस्, (1037) मुक्तिसागरसूरि, (1038) मुंडपरसू, (1039) मुनीश्वरसूरि [वडगच्छीय], (1040) मुनि (मति) सुन्दरसूरि [मम्माहडगच्छीय], (1041) मुनिभद्रसूरि [बृहद्गच्छीय], (1042) मुनिचन्द्रसूरि, (1043) मुनिचन्द्रसूरि [पूर्णिमागच्छीय भीमपल्लीशाखा], (1044) मुनिरपेक्षां क्षयेत् के क्षपयेत् ?, लेखक - श्रीमुक्तिचन्द्र-मुनिचन्द्रसूरिजी, (1045) मुणिसुंदरसूरि, (1046) मुनिसुन्दरसूरि, (1047) मुनिसुन्दरसूरि [तपागच्छीय], (1048) मुरसु, (1049) नादिरशाह, (1050) नागश्री ने तीक्ष्णरस के तुंबे का व्यंजन बनाया और उसे छिपाकर रखा, (1051) नामवरसिंह, (1052) नारसिंह, (1053) नाटकरस, (1054) नगरस्य, (1055) नैरस, (1056) नक्षत्रसंवत्सर, (1057) नमस्कारसहिता, (1058) नमस्कारसहितम्, (1059) णमोक्कारसहिता, (1060) नन्दनमणिहारसन्धि, (1061) नरभव दशद्रष्टांत स्वाध्याय , (1062) नरभव दशद्रष्टान्त स्वाध्याय, (1063) नरक में परस्परोदीरित वेदना, (1064) नरसी, (1065) नरसी जी रा माहेरा , (1066) नरसी मेहता, (1067) णरसीहरूव, (1068) नरसीराम, (1069) नरसेन, (1070) नरशेखर, (1071) नरशेखर (पिप्पलकगच्छीय), (1072) नरसिंगदास, (1073) नरसिंगदासशिष्य, (1074) नरसिंह, (1075) नरसिंह महेतानुं मामेरुं , (1076) नरसिंह मेहता, (1077) नरसिंह मेहतानु मामेरू, (1078) नरसिंह राव, (1079) नरसिंहदास, (1080) नरसिंहराम, (1081) नत्रसंस्कार, (1082) नट्टरसि, (1083) नौकारसी प्रत्याख्यान सूत्र , (1084) नवारसउ,

(1085) नवकारसही, (1086) नवकारसि, (1087) नवरस, (1088) नवतत्व विचारस्तवन, (1089) नयचन्द्रसूरि, (1090) नयसुंदरशिष्य, (1091) नीरस आहार परठने का प्रायश्चित्त सूत्र , (1092) नीरसं, (1093) नेमि नवरसो, (1094) नेमिनाथ नवरसो , (1095) नेमिनाथ रसबेलि , (1096) नेमिनाथ रसवेली , (1097) नेमिनाथनवरसफाग, (1098) नेमिनाथनवरसफागु, (1099) नेमिनाथनी रसवेली , (1100) नेमिनाथत्रसंतफुलडाफाग, (1101) नेमिनवरसो , (1102) निंदाने कया अभिप्रायथी मृषावाद गणी छे ?, जिज्ञासा - प्रशमरत्नविजय, (1103) निरस्साविणी, (1104) निरस्तैना, (1105) निर्ग्रन्थ - निर्ग्रन्थी नी परस्पर चिकित्सा के प्रायश्चित्त , (1106) निर्ग्रन्थ-निर्ग्रन्थी के परस्पर सेवा करने के विधान , (1107) निर्ग्रन्थों के प्रशस्त लक्षण , (1108) निर्वाण रात्रि में घटित घटना प्रसंग , (1109) निर्वेदनीरस, (1110) निश्चयव्यवहारस्तवन, (1111) निषिद्ध स्थानों पर उच्चार-प्रस्रवण परिष्ठापन के प्रायश्चित्त सूत्र , (1112) निवृत्तिबादरसम्पराय, (1113) णिव्वित्तिबादरसम्पराय, (1114) निव्वित्तिबादरसंपराय, (1115) नियतानियतप्रश्नोत्तरदीपिका, (1116) नोशब्दरूपगन्धरसस्पर्शानुपाती, (1117) नोत्रसनोस्थावर, (1118) न्यायसागरशिष्य, (1119) न्यायसंग्रह (शुद्धिपत्रक), प्रकाशक - जिनशासन आराधना ट्रस्ट, शुद्धिकार - निर्ग्रन्थचन्द्रविजय, (1120) ओघनिर्युक्ति - 1 (शुद्धिपत्रक), प्रकाशक - कमल प्रकाशन ट्रस्ट, शुद्धिकार - त्रैलोक्यमंडनविजय, (1121) ओहारसंखड, (1122) ओज :प्रदेशं घनचतुरस्त्रं, (1123) ओज :प्रदेशं प्रतरचतुरस्त्रं, (1124) ऊअरसरि, (1125) ऊध्रसइं, (1126) ओरस, (1127) ओरस (अव + त्), (1128) ओरसीउ, (1129) ओरस्स, (1130) ओरस्सबली, (1131) ओरसु, (1132) पाधरसी, (1133) पाधरसीह, (1134) पागारसंठिय, (1135) पाणस्सना आगार उच्चरवा संबंधी चतुर्भंगी, लेखक - आगमचन्द्रसागर, (1136) पाणीरसउ, (1137) पारस, (1138) पारस पाहाण, (1139) पारस पाखाण, (1140) पारसदीव, (1141) पारसद्वीप, (1142) पारसकूल, (1143) पारसकुलं, (1144) पारसनाथ, (1145) पारसति नाममाला, (1146) पारसविलास , (1147) पारसविसओ, (1148) पारसी, (1149) पारसीक, (1150) पारशैल, (1151) पारशर, (1152) पारशरी, (1153) पारशी, (1154) पारशी-भेद, (1155) पारशीकर, (1156) पारश्ववर्ती, (1157) पार्श्वचन्द्रसूरि, (1158) पार्श्वचन्द्रसूरिस्तुतिसज्झाय, (1159) पार्श्वनाथ संवेगरस चंद्राउला, (1160) पार्श्वनाथनाम्नासंवेगरस, (1161) पार्श्वस्थादि वन्दन - प्रशंसन प्रायश्चित्त , (1162) पात्र से त्रस प्राणी आदि निकालने के प्रायश्चित्त सूत्र , (1163) पाव-सिरसि, (1164) पच्छातुरस्स, (1165) पच्चूरस, (1166) पच्चुरस, (1167) पद(नरसिंह), (1168) पदार्थरसिकः, (1169) पद्मावती का पुत्र और पोट्टिला की पुत्री का जन्म के बाद परस्पर परावर्तन, (1170) पद्मचन्द्रसूरि, (1171) पद्मनंदी (सरस्वतीगच्छ के भट्टारक), (1172) पद्मशेखरसूरि, (1173) पगनी प्रमार्जना अंगेनो विधि, लेखक - तारकचन्द्रसागर, (1174) पकामरसभोई, (1175) पक्खी प्रतिक्रमणनी विधि, जिज्ञासा - प्रशमरत्नविजय, (1176) पनरस, (1177) पणीतरसं, (1178) पणीयरस, (1179) पणीयरसभोई, (1180) पणीयरसमोयण, (1181) पणीयरसविवज्जए, (1182) पऊमचरियंमां जाणवा मणेल केटलीक विशेष वात - 3, पत्रचर्चा - मुनिचन्द्रसूरिजी-शिष्य, (1183) पर प्रशंसा, (1184) परार्थरसिकः, (1185) परदृष्टिप्रशंसा, (1186) परक्षेत्रसंसार, (1187) परम्परसिद्ध केवलज्ञान , (1188) परम्परसिद्धकेवलज्ञान, (1189) परपाषाण्डानां प्रशंसा, (1190) परपाषण्डप्रशंसा, (1191) परप्रशंसा, (1192) परसादि, (1193) परसाखि, (1194) परसामान्यम्, (1195) परसमय, (1196) परसमय (अध्यात्म), (1197) परसमय (सिद्धान्त), (1198) परसमयरत, (1199) परसमयसुत्रं, (1200) परसमयवक्तव्यता, (1201) परसमयवित्, (1202) परसम्पत्, (1203) परसमुत्थ के प्रकार , (1204) परसरामभाई, (1205) परसरइ, (1206) परसरीरसंवेगणो, (1207) परसशे, (1208) परसवतां, (1209) परसे, (1210) परसी, (1211) परसीधो, (1212) परसेवी, (1213) परषद, (1214) परशरीरानवकांक्षाप्रत्यया क्रिया, (1215) परशरीरसंवेजनी कथा, (1216) परशीनि, (1217) परशेवी, (1218) परशुमुद्रा, (1219) परशुराम, (1220) परसिरि, (1221) परसंग, (1222) परसंगह, (1223) परसंग्रह, (1224) परसंग्रह नय, (1225) परसंग्रहाभास, (1226) परस्पर, (1227) परस्पर आलोचना करने के विधि-निषेध , (1228) परस्पर चिकित्सा करने के प्रायश्चित्त , (1229) परस्पर कृतिकर्म का क्रम , (1230) परस्पर प्रस्रवण ग्रहण करने का विधि-निषेध , (1231) परस्पर सेवा करने का विधि-निषेध , (1232) परस्पर शरीर परिकर्म प्रायश्चित्त, (1233) परस्पर विरुद्ध धर्मों की सिद्धि स्याद्वाद से, (1234) परस्पर व्रण की चिकित्सा के प्रायश्चित्त सूत्र , (1235) परस्परगुणनिकाय, (1236) परस्परकल्याण, (1237) परस्परपरिहारलक्षण विरोध, (1238) परस्परोदीरित दुःख, (1239) परस्पेरे, (1240) परस्सलोभाविल, (1241) परस्सर, (1242) परस्त्री त्याग सज्झाय, (1243) परसु, (1244) परसुहत्त, (1245) परसुराम, (1246) परसुविज्जा, (1247) परिभ्रष्ट :, (1248) परिहारस्थान ही प्रायश्चित्तस्थान , (1249) परिहारी-अनुपरिहारी... : परस्पर व्यवहार , (1250) परिहारिक और अपरिहारिकों के परस्पर आहार सम्बन्धी व्यवहार, (1251) परिपेलवरस :, (1252) परियारसद्दो, (1253) पर्याय द्रष्टि, (1254) पथिको के सावद्य प्रश्नो के उत्तर देने का निषेध , (1255) पत्तेयरसा, (1256) पेच्छाघरसंठिता, (1257) पीहरसासडागीत, (1258) फरस, (1259) फरसइ, (1260) फरसन, (1261) फरसण, (1262) फरसणा, (1263) फरसनरूप, (1264) फरशुराम, (1265) फरसो, (1266) फरसुराम, (1267) फरसुरामु, (1268) फतेन्द्रसागर, (1269) फत्तेंद्रसागर, (1270) फुरसराम, (1271) फुरसिराम, (1272) पिंडनिर्युक्ति - वृत्ति (शुद्धिपत्रक), प्रकाशक - जिनशासन आराधना ट्रस्ट, शुद्धिकार - निर्ग्रन्थचन्द्रविजय, (1273) पिंडरस, (1274) पिंगल निर्ग्रन्थ ने लोकादि के सम्बन्ध में प्रश्न किये, (1275) पंचां अंग प्रसाद, (1276) पंचाशकप्रकरण - 1 (शुद्धिपत्रक), प्रकाशक - अरिहंत आराधक ट्रस्ट, शुद्धिकार - शीलचन्द्रविजय, (1277) पंचाशकप्रकरण - 2 (शुद्धिपत्रक), प्रकाशक - अरिहंत आराधक ट्रस्ट, शुद्धिकार - शीलचन्द्रविजय, (1278) पंचाशकप्रकरण - गुजराती भावानुवाद - 1 (शुद्धिपत्रक), प्रकाशक - अरिहंत आराधक ट्रस्ट, शुद्धिकार - निर्ग्रन्थचन्द्रविजय, (1279) पंचाशकप्रकरण - गुजराती भावानुवाद - 2 (शुद्धिपत्रक), प्रकाशक - अरिहंत आराधक ट्रस्ट, शुद्धिकार - निर्ग्रन्थचन्द्रविजय,

(1280) पंचप्रतिक्रमणसूत्रमां केटलाक विचारणीय पाठो, पत्रचर्चा - श्रीमुक्तिचन्द्र-मुनिचन्द्रसूरिजी, (1281) पंचेन्द्रिय त्रस के प्रकार , (1282) पोग्गलरस, (1283) पूर्णचन्द्रसूरि, (1284) पूर्व शय्या उत्तरशय्या से बाधित , (1285) पोरसी, (1286) पोरसि, (1287) पोट्टिला ने अमात्य के प्रसन्न होने का उपाय पूछा, (1288) प्रातिहार्य-प्रसिद्ध, (1289) प्रायश्चित्तवृद्धि के प्रकार : स्वस्थान-परस्थान , (1290) प्रभु महावीरदेवनो गर्भकाळ..., जिज्ञासा - प्रशमरत्नविजय, (1291) प्रभु वीरे चंडकौशिक सर्पने आपेलो उपदेश, लेखक - अर्हंचन्द्रसागर, (1292) प्रभुनुं सिंहासन सुवर्णमय के स्फटिकमय, पत्रचर्चा - निरागचन्द्रसागर, (1293) प्रदेश द्रष्टान्त , (1294) प्रदेशह्रस्व, (1295) प्रदेशत : इतरेतरसंयोग, (1296) प्रज्ञापनासूत्र (शुद्धिपत्रक), प्रकाशक - आदिनाथ जैन श्वे. मंदिर ट्रस्ट, शुद्धिकार - अज्ञात, (1297) प्रहारसंक्रामिणी, (1298) प्रकीर्णप्रश्न-प्रकीर्णविद्या , (1299) प्रमाण से मोक्ष की सिद्धि प्रश्न, (1300) प्रमाणनयतत्त्वालोक (शुद्धिपत्रक), प्रकाशक - ओमकारसूरि ज्ञानमंदिर ग्रंथावली, शुद्धिकार - अज्ञात, (1301) प्रमाणनयतत्त्वालोकमां सूत्रसंख्या, लेखक - त्रैलोक्यमंडनविजय, (1302) प्रणीत-रस, (1303) प्रणीतरस भोजन वर्जन, (1304) प्रणीतरसभोजन, (1305) प्रसाद, (1306) प्रसारणं, (1307) प्रसाउ, (1308) प्रसभं, (1309) प्रसज्य प्रतिषेध, (1310) प्रसज्यप्रतिषेधः, (1311) प्रसक्तिः, (1312) प्रसमचंद्र(सूरि) , (1313) प्रसङ्ग, (1314) प्रसङ्गः, (1315) प्रसङ्गसाधन, (1316) प्रसङ्गसमः, (1317) प्रसन्न, (1318) प्रसन्ना, (1319) प्रसन्नात्मा, (1320) प्रसन्नचन्द्र, (1321) प्रसन्नचन्द्र राजर्षि, (1322) प्रसन्नचन्द्ररास, (1323) प्रसन्नचन्द्रसूरि, (1324) प्रसन्नचंद राजर्षि रास, (1325) प्रसन्नचंद्र कथा, (1326) प्रसन्नचंद्र राजर्षि, (1327) प्रसन्नचंद्र राजर्षि रास , (1328) प्रसन्नजित, (1329) प्रसन्नकीर्ति, (1330) प्रसरं, (1331) प्रसर्पकों के चार प्रकार, (1332) प्रसव्यो, (1333) प्रसेन, (1334) प्रसेनजित्, (1335) प्रसेनजित, (1336) प्रसेनजित कथा, (1337) प्रसेनजित कुलकर, (1338) प्रसेनजित रास, (1339) प्रसेनजितरास, (1340) प्रसेनिक, (1341) प्रसेनिकाकुशील, (1342) प्रशान्त, (1343) प्रशान्तारि, (1344) प्रशान्तात्मा, (1345) प्रशान्तमदन, (1346) प्रशान्तरस, (1347) प्रशान्तरसशैलूष, (1348) प्रशान्ति, (1349) प्रशान्तिक्रिया, (1350) प्रशास्ता, (1351) प्रशास्तृदोष, (1352) प्रशम, (1353) प्रशमारक, (1354) प्रशमात्मा, (1355) प्रशमः, (1356) प्रशस्त अवग्रह, (1357) प्रशस्त भाव : उच्च स्थानगत ग्रह , (1358) प्रशस्त भावना : आदि , (1359) प्रशस्त भावसंयोग, (1360) प्रशस्त भावयोग, (1361) प्रशस्त करनोपशामना, (1362) प्रशस्त मरण , (1363) प्रशस्त निदान, (1364) प्रशस्त निस्सरणतैजस, (1365) प्रशस्त नोआगमभावोपक्रम, (1366) प्रशस्त प्रवृत्ति, (1367) प्रशस्त राग, (1368) प्रशस्त स्थिरीकरण, (1369) प्रशस्त वात्सल्य, (1370) प्रशस्त विहायोगति, (1371) प्रशस्त-अप्रशस्त क्षेत्र , (1372) प्रशस्त-इच्छा, (1373) प्रशस्ता भावशीति, (1374) प्रशस्तध्यान, (1375) प्रशस्तरागः, (1376) प्रशस्तवंक, (1377) प्रशस्तेन्द्रियप्रणिधि, (1378) प्रशस्ति, (1379) प्रशस्ति वचनिका , (1380) प्रशस्तोपबृंहण, (1381) प्रशस्य आचार्य : आगाढप्रज्ञ आदि , (1382) प्रश्न, (1383) प्रश्ण, (1384) प्रश्न करने की विधि , (1385) प्रश्न करवुं, (1386) प्रश्न कर्ता, अकर्ता , (1387) प्रश्न के भेद, (1388) प्रश्न पूछने की विधि , (1389) प्रश्न व्याकरण, (1390) प्रश्नादि कहने का प्रायश्चित्त सूत्र , (1391) प्रश्नाप्रश्न, (1392) प्रश्नाप्रश्न चारित्रकुशील, (1393) प्रश्नः, (1394) प्रश्नकीर्ति, (1395) प्रश्नकुशल, (1396) प्रश्नमाला अने उत्तरमाला , (1397) प्रश्नप्रश्न : घण्टिकयक्ष , (1398) प्रश्नवाहन, (1399) प्रश्नवण, (1400) प्रश्नव्याकरण, (1401) प्रश्नव्याकरण सूत्र स्तबक, (1402) प्रश्नव्याकरणदशाधर, (1403) प्रश्नव्याकरणम्, (1404) प्रश्नव्याकरणसूत्र बालावबोध , (1405) प्रश्नेणि, (1406) प्रश्निका, (1407) प्रश्नोत्तर चिंतामणि , (1408) प्रश्नोत्तर चोपाई, (1409) प्रश्नोत्तर ग्रंथ , (1410) प्रश्नोत्तर काव्य वृत्ति, (1411) प्रश्नोत्तर मालिका अथवा पार्श्व-चन्द्र मत दलन चौपई, (1412) प्रश्नोत्तर रूप संवाद, (1413) प्रश्नोत्तर सार्ध शतक , (1414) प्रश्नोत्तर सार्धशतक भाषा, (1415) प्रश्नोत्तर श्रावकाचार, (1416) प्रश्नोत्तर तत्वबोध , (1417) प्रश्नोत्तरमाला बालावबोध, (1418) प्रश्नोत्तरमालिका , (1419) प्रश्नोत्तररत्नमालावबोध, (1420) प्रश्नोत्तरविधि, (1421) प्रश्नोत्तरीश्रावकाचार, (1422) प्रशंस, (1423) प्रशंसा, (1424) प्रशंसाकृत परत्व अपरत्व, (1425) प्रश्नवाहनकुलाम्बुनिधिः, (1426) प्रश्नः, (1427) प्रश्नवाहनक, (1428) प्रश्नव्याकरण, (1429) प्रश्नव्याकरणदशा, (1430) प्रष्ठ, (1431) प्रष्ठक, (1432) प्रश्वास, (1433) प्रश्वासः, (1434) प्रसिद्ध, (1435) प्रस्खलन्ति, (1436) प्रस्नव, (1437) प्रसंग, (1438) प्रसंगज, (1439) प्रसंगसाधन, (1440) प्रसंगसमा जाति, (1441) प्रसंगत्वम्, (1442) प्रसंगी, (1443) प्रसंजनम्, (1444) प्रसंख्यानम्, (1445) प्रस्फोटका, (1446) प्रस्फोटना, (1447) प्रसृता, (1448) प्रस्तानुं, (1449) प्रस्तार, (1450) प्रस्ताव, (1451) प्रस्ताव सवैया छत्तीसी, (1452) प्रस्तावना, (1453) प्रस्ताविक अष्टोतरी , (1454) प्रस्ताविक अष्टोत्तरी , (1455) प्रस्ताविक छप्पय बावनी , (1456) प्रस्तर, (1457) प्रस्थ, (1458) प्रस्थान वेला में शकुन-अपशकुन , (1459) प्रस्थानुं, (1460) प्रस्थापना में प्रतिसेवना करने पर आरोपणा , (1461) प्रस्थापित, (1462) प्रस्थाव, (1463) प्रस्थक द्रष्टान्त , (1464) प्रस्थक का दृष्टान्त , (1465) प्रस्थक, वसति और प्रदेश का दृष्टान्त , (1466) प्रसुप्त, (1467) प्रसुत, (1468) प्रतरसमुद्घात, (1469) प्रथम प्रस्तट में विमान, (1470) प्रथम तज्जीव तत्शरीरवादी की श्रद्धा का निरसन , (1471) प्रति-प्रसव, (1472) प्रतिक्रमणनां सूत्रोमां शुद्धिवृद्धि, समाधान - मुक्तिचन्द्र-मुनिचन्द्रसूरिजी, (1473) प्रतिप्रसवः, (1474) प्रतिप्रश्न, (1475) प्रतिप्रश्न का फल , (1476) प्रतिष्ठाप्रसव, (1477) प्रतितन्त्रसिद्धान्तः, (1478) प्रतितंत्रसिद्धान्त, (1479) प्रत्येकरस और उदकरस समुद्रों की संख्या, (1480) प्रेमरस- गीता, (1481) पृथक्त्ववितर्कवीचारशुक्लध्यान, (1482) पृथ्वीचन्द्रसूरि (रुद्रपल्लीयगच्छीय), (1483) पृथ्वियों का परस्पर अबाधा अन्तर, (1484) पुक्खरसारिया, (1485) पुक्खरसंवट्टग, (1486) पुक्खरवरसमुद्द, (1487) पुण्य प्रशसा रास, (1488) पुप्फोवयारसंठित, (1489) पुरस, (1490) पुरसमाणवो, (1491) पुरसरि, (1492) पुरषोत्तमपांचपाण्डवफाग, (1493) पुरषोत्तमपंचपाण्डवरास, (1494) पुरश्चरणम्, (1495) पुरस्कार, (1496) पुष्करसारिका, (1497) पुव्वावरसंजुत्तं, (1498) राज प्रश्नीयसूत्र स्तबक , (1499) राजप्रसेनी सूत्र चौपइ, (1500) राजप्रश्नीय,

(1501) राजप्रश्नीय उपांग बालावबोध, (1502) राजप्रश्नीयसूत्र बालावबोध, (1503) राजप्रश्नकृत, (1504) राजप्रश्नीय, (1505) राजसागरसूरि, (1506) राजसागरसूरि निर्वाण रास , (1507) राजसागरसूरि सज्झाय, (1508) राजशेखरसूरि, (1509) राजशेखरसूरि [मलधारगच्छीय], (1510) राजशेखरसूरि [मलधारी], (1511) राजीवसरसी, (1512) राजेन्द्रचन्द्रसूरि, (1513) राजेन्द्रसागर, (1514) राम यशोरसायन रास , (1515) रामचन्द्रसूरि, (1516) रामयशोरसायन रास , (1517) राणाप्रसाद, (1518) राणकपुरस्तवन, (1519) रायवरसासण, (1520) रळी रसे, (1521) रस, (1522) रस और भाव कषाय , (1523) रस बंध, (1524) रस गौरव, (1525) रस गृद्धि, (1526) रस कषाय, (1527) रस के 4 भेद, (1528) रस के 5 भेद, (1529) रस के 8 प्रकार, (1530) रस के प्रकार , (1531) रस की आसक्ति का निषेध , (1532) रस परित्याग, (1533) रस परित्याग का स्वरूप , (1534) रस परित्याग के प्रकार , (1535) रस वाणिज्य, (1536) रस विद्या, (1537) रस विकृति, (1538) रस(सर)देवी, (1539) रसाअ, (1540) रसाः, (1541) रसाधिकाम्भोद, (1542) रसाइण, (1543) रसाल, (1544) रसाल कुमार, (1545) रसाला, (1546) रसालू, (1547) रसालु, (1548) रसाञ्जनम्, (1549) रसास्वादः, (1550) रसातलपुर, (1551) रसातण, (1552) रसाउ, (1553) रसाउलो, (1554) रसाउलु, (1555) रसावण, (1556) रसायण, (1557) रसायन, (1558) रसायनपाक, (1559) रसायिक, (1560) रसबंध, (1561) रसडा, (1562) रसद्द, (1563) रसदेवी, (1564) रसदेवी कथा, (1565) रसगा, (1566) रसगारव, (1567) रसगौरव, (1568) रसघातः, (1569) रसगृद्धि का निषेध , (1570) रसगुणः, (1571) रसः, (1572) रसहरणो, (1573) रसज, (1574) रसक, (1575) रसकसवेध, (1576) रसकषाय, (1577) रसखान, (1578) रसलहरी, (1579) रसमान, (1580) रसमान प्रमाण, (1581) रसमाणप्पमाणे, (1582) रसमञ्जरी, (1583) रसमस, (1584) रसमेघ, (1585) रसमेह, (1586) रसमंजरी, (1587) रसमोद श्रृंगार, (1588) रसमुच्छिए, (1589) रसन, (1590) रसण, (1591) रसन इन्द्रिय, (1592) रसणा, (1593) रसना, (1594) रसना डंसी, (1595) रसनाजय, (1596) रसनाम, (1597) रसनामकर्म, (1598) रसनम्, (1599) रसणीया, (1600) रसणेन्दिय, (1601) रसनेन्द्रिय, (1602) रसनेन्द्रिय असंवर (आश्रव), (1603) रसनेन्द्रिय संवर, (1604) रसनेन्द्रियनिग्रह, (1605) रसनेन्द्रियप्राण, (1606) रसनिज्जूढ, (1607) रसनिज्जूहणया, (1608) रसनिंदिउ, (1609) रसणिन्दिय, (1610) रसनिर्वृति, (1611) रसनिवास , (1612) रसपात, (1613) रसपरिच्चाग, (1614) रसपरिच्चाओ, (1615) रसपरिच्चाय, (1616) रसपरित्याग, (1617) रसपरित्यागातिचार, (1618) रसरत्न रास , (1619) रसर्द्धि, (1620) रसरंग, (1621) रसऋद्धि, (1622) रसट्ठाए, (1623) रसत्याग, (1624) रसत्यागः, (1625) रसवाणिज्ज, (1626) रसवाणिज्य, (1627) रसवती, (1628) रसवेद, (1629) रसविलास , (1630) रसविपाक, (1631) रसविशेष, (1632) रसविवर्जन, (1633) रसय, (1634) रसया, (1635) रसेसि, (1636) रशी, (1637) रश्म, (1638) रश्मिकलाप, (1639) रश्मिवेग, (1640) रसिए, (1641) रसिगा, (1642) रसिक प्रिया, (1643) रसिकप्रिया , (1644) रसिकप्रिया भाषाटीका, (1645) रसिकप्रिया वार्तिक , (1646) रसिकवल्लभ, (1647) रसिणी, (1648) रसिर, (1649) रसितं, (1650) रसिय, (1651) रसिया, (1652) रसियं, (1653) रसंत, (1654) रसो, (1655) रसोदए, (1656) रसोई, (1657) रसोतीए, (1658) रसोतीगिह, (1659) रसोयणी, (1660) रसोयि, (1661) रस्सी, (1662) रस्सीमंडल, (1663) रसुंठ, (1664) रत्नाकरसूरि, (1665) रत्नप्रभापृथ्वी के असंख्यात विस्तृत नरकावासों में उत्पाद आदि के प्रश्नों का समाधान, (1666) रत्नप्रभापृथ्वी के संख्यात विस्तृत नरकावासों में नैरयिकों के संख्यात विषयक 49 प्रश्नों का समाधान, (1667) रत्नप्रभापृथ्वी के संख्यात विस्तृत नरकावासों में उद्वर्तन करने वाले नारकों के 39 प्रश्नों का समाधान, (1668) रत्नप्रभापृथ्वी के संख्यात विस्तृत नरकावासों में उत्पन्न होने वाले नारकों के 39 प्रश्नों का समाधान, (1669) रत्नसागरसूरि, (1670) रत्नशेखरसूरि, (1671) रत्नसुन्दरसूरि, (1672) रौद्र रस की उत्पत्ति और लक्षण , (1673) रोरसणिय, (1674) रुचिरशिष्ट, (1675) रुचिरशृंग्ङ, (1676) ऋद्धि की अपेक्षा देव-देवियों का परस्पर मध्य में से व्यतिक्रमण सामर्थ्य का प्ररूपण, (1677) रुद्रालंकारसूत्र, (1678) रुद्रसेन, (1679) रुद्रसोमा, (1680) रुद्रसोमा कथा, (1681) रुद्रसूरि (आचार्य), (1682) ऋषिभद्रपुत्र सम्बन्धित गौतम का प्रश्न और भ. महावीर का उत्तर, (1683) साधर्मिकों की आलोचना तथा प्रस्थापनाविधि , (1684) साधु-साध्वी की परस्पर सेवा-विधि, अर्हता , (1685) साधुगुण रससमुच्चय, (1686) साधुता अने स्वाध्याय (अग्रलेख), लेखक - शीलचन्द्रसूरिजी, (1687) सादि-अनादि विस्त्रसाकरण, अजीवभावकरण , (1688) सादिक विस्त्रसा बन्ध, (1689) सादिविस्रसाबन्ध, (1690) सागरचन्द्रसूरि, (1691) सागरचन्द्रसूरि (खरतरगच्छीय), (1692) सागरसरिनामघेज्जा, (1693) सागरसेण, (1694) सागरसेन, (1695) सागरसेना, (1696) सागरश्रेष्ठी कथा , (1697) सागठरसेठ चौपई या सागरश्रेष्ठि कथा, (1698) सालिभसेल्लसरसा, (1699) सामान्यद्रष्ट, (1700) सामायिक और क्षेत्रस्पर्शना , (1701) सारस, (1702) सारसा, (1703) सारसापारस, (1704) सारसमुच्चय, (1705) सारसत, (1706) सारसौख्य, (1707) सारसवण्णा, (1708) सारसी, (1709) सारसीखामणरास, (1710) सारशिखामण रास, (1711) सारशिखामणरास, (1712) सारसिखामणरास, (1713) सारस्सय, (1714) सारस्वत, (1715) सारस्वतादि देवों की संख्या और परिवार, (1716) सार्थ का प्रस्थान और शकुन , (1717) सावित्रसंवत्सर, (1718) सदारसंतोस, (1719) सदारसंतोसिए, (1720) सद्दालपुत्र के सामने देवता ने भ. महावीर की प्रशंसा की, (1721) सदृश पुद्गलों में द्विगुण स्पर्श अधिक हो तो परस्पर बंध होता है, (1722) सगरसुत, (1723) सहदारदरसी, (1724) सहसरसनि, (1725) सहस्त्ररश्मि, (1726) सहस्त्रशीर्ष, (1727) सजरस, (1728) सकलकीर्ति (सरस्वतीगच्छ के भट्टारक), (1729) समचतुरस्र, (1730) समचतुरस्रसंस्थान नामकर्म, (1731) समचतुरस्त्र, (1732) समचतुरस्त्र संस्थान, (1733) समचतुरस्त्रादि 6 प्रकारना संस्थान , (1734) समचतुस्त्रसमस्थान, (1735) समचउरससंठिया, (1736) समचउरस्स, (1737) समग्रश्रुतधारी, (1738) समरचंद्रशिष्य, (1739) समरसद्दहय, (1740) समरसइ, (1741) समरसिंघ, (1742) समरसिंह, (1743) समरसिंह [महामात्य], (1744) सम्प्रसादः, (1745) समुद्रसेन, (1746) समुद्रसंगम,

(1747) सम्यक् द्रष्टि, (1748) सम्यक्त्व पराक्रम के प्रश्नोत्तर , (1749) सम्यक्त्वना स्थिरीकरणार्थे काउसग्ग, जिज्ञासा - तारकचन्द्रसागर, (1750) सणसत्तरस, (1751) सणिच्छ्रसंवच्छ्र, (1752) सणिंचरसंवच्छ्र, (1753) सपारस, (1754) सपरस, (1755) सपिंडरस, (1756) सप्तमंत्री गर्भित वीरस्तवन, (1757) सरल और वक्र, सरल द्रष्टि और वक्र द्रष्टि आदि , (1758) सरस, (1759) सरस निरस पानी में समभाव का विधान , (1760) सरस- गीता, (1761) सरस-मणु, (1762) सरसा, (1763) सरसद, (1764) सरसइ, (1765) सरसपउम, (1766) सरसर, (1767) सरसरपंती, (1768) सरसरपंतिआ, (1769) सरसरपंतिय, (1770) सरसरपंतिया, (1771) सरसरट, (1772) सरसरी, (1773) सरसती, (1774) सरसति, (1775) सरसउं, (1776) सरसउपाटण, (1777) सरसवहिय, (1778) सरसवेल, (1779) सरसे, (1780) सरसी, (1781) सरसीय, (1782) सरसेजं, (1783) सरसेलि, (1784) सरशी, (1785) सरशिखामण रास, (1786) सरसि, (1787) सरसिगाल, (1788) सरसिउं, (1789) सरसिव, (1790) सरसिय, (1791) सरस्सई, (1792) सरस्सर, (1793) सरस्सती, (1794) सरसुति (सुरसति) , (1795) सरस्वती, (1796) सरस्वती (आर्या), (1797) सरस्वती अथवा शारदा छंद, (1798) सरस्वती छंद , (1799) सरस्वती कथा, (1800) सरस्वतीछंद, (1801) सरस्वतीपूजा, (1802) सरस्यः, (1803) सरस्युं, (1804) सरीरसक्कारपोसह, (1805) सर्वाक्षरसन्निपात, (1806) सर्वाक्षरसन्निपाती, (1807) सर्वघाति रसस्पर्धक देशघाति में परिणत , (1808) सर्वसुन्दरसूरि (मलधारगच्छीय), (1809) सर्वतंत्रसिद्धान्तः, (1810) सर्वविषयमिथ्यादृष्टिप्रशंसन, (1811) सत्कार पुरस्कार, (1812) सत्कार पुरस्कार परीषह , (1813) सत्कार- पुरस्कारपरीषहजय, (1814) सत्कार-पुरस्कार, (1815) सत्कार-पुरस्कार परीषह , (1816) सत्कारपुरस्कार परीषह, (1817) सत्कारपुरस्कारपरीषहजय, (1818) सत्तरसविहे संजमे के सत्तरसविहे असंजमे ?, लेखक - त्यागमंडनविजय, (1819) सौभाग्यसागरशिष्य, (1820) सौभाग्यसागरसूरि, (1821) सौभाग्यसागरसूरि (तपागच्छीय), (1822) सौभाग्यसागरसूरि (वडतपागच्छीय), (1823) सौभाग्यसागरसूरि-शिष्य, (1824) सौरसेन, (1825) सव्वक्खरसन्निवाई, (1826) सव्वक्खरसन्निवाइ, (1827) सव्वक्खरसन्निवाइणो, (1828) सव्वक्खरसन्निवात, (1829) सव्वरसालू, (1830) सीमन्धरस्वामी, (1831) सीमंधरसामि, (1832) सीमंधरस्तत्र, (1833) सीमंधरस्तवन, (1834) सीमंधरस्तवन (अपभ्रंश), (1835) सीमंधरस्वामी जिनालय, ताळावाळानी पोळ, सुरत, (1836) सीमंधरस्वामी - घरदेरासर जिनालय, नवसारी, (1837) सीमंधरस्वामी 350 गाथा स्तवन , (1838) सीमंधरस्वामी जिनालय, लखीयारवाडो, पाटण, (1839) सीमंधरस्वामी जिनालय, मकनजी पार्क, सुरत, (1840) सीमंधरस्वामी जिनालय, नवागाम, कामरेज, सुरत, (1841) सीमंधरस्वामी जिनालय, नंदीगाम, उमरगाम, वलसाड, (1842) सीमंधरस्वामी जिनालय, प्रतिष्ठा कोम्प्लेक्ष, घोडदोड रोड, सुरत, (1843) सीमंधरस्वामी स्तबक, (1844) सीमंधरस्वामी स्तवन , (1845) सीमंधरस्वामी विनति, (1846) सीमंधरस्वामी-घरदेरासर जिनालय, सिद्धचक्र एपार्टमेन्ट पासे, सुरत, (1847) सीमंधरस्वामीशोभातरंग, (1848) सीरष, (1849) सीयलघरसमाण, (1850) सेन प्रश्न नो संग्रह, (1851) शालिभद्रमहाकाव्य - सटीक (शुद्धिपत्रक), प्रकाशक - अज्ञात, शुद्धिकार - मुक्तिचन्द्र-मुनिचन्द्रसूरिजी, (1852) शालिभद्रसज्झाय, (1853) शालिभद्रसूरि, (1854) शालिभद्रसूरि [बृहद्गच्छीय], (1855) शालिभद्रसूरि [पूर्णिमागच्छीय], (1856) शालिभद्रसूरि [राजगच्छीय], (1857) शान्त रस की उत्पत्ति और लक्षण , (1858) शांतिमंदिरशिष्य, (1859) शांतिनाथ जिनालय, निशा पोळ (दोशीवाडानी पोळना जवाना रस्ता उपर), अमदावाद, (1860) शास्त्र अने श्रमण (अग्रलेख), लेखक - रत्नचन्द्रसूरिजी, (1861) शब्द, रूप, गन्ध, रस और स्पर्शादि के सम्बन्ध में असावद्य भाषा विधि , (1862) शब्दवरसेन, (1863) षडारक (6 आरा) महावीरस्तोत्र, (1864) षडावश्यक-बालावबोधनी प्रशस्ति, लेखक - त्रैलोक्यमंडनविजय, (1865) षडावश्यकसूत्रश्रावकप्रतिक्रमण-बालावबोध, (1866) शैक्ष और रात्निक के पारस्परिक कर्त्तव्य , (1867) शक्र और ईशानेद्र के परस्पर व्यवहारादि का प्ररूपण, (1868) शक्र का पूर्व-भव के सम्बन्ध में प्रश्न, (1869) शक्रादि की गति के विषय में गौतम के प्रश्न और भगवान के समाधान, (1870) शक्रस्तव, (1871) शक्रस्तव 2 अधिकार, (1872) शक्रस्तुति , (1873) शक्रस्यअग्रमहिषी, (1874) शक्तिवरसेन, (1875) शल्योद्धकरण आवश्यक : अश्ववत् प्रस्थान , (1876) शनैश्चरसंवत्सर, (1877) शरशति, (1878) शरीरसम्पदा, (1879) शरीरसम्पदा : आरोह-परिणाह आदि , (1880) शरीरसम्पतू, (1881) शरीरसंघातनाम, (1882) शरीरसंघातनामकर्म, (1883) शरीरसंलेखना, (1884) शर्कराप्रभापृथ्वी से अधःसप्तम पृथ्वी-पर्यन्त नरक पृथ्वियों में उत्पाद आदि के प्रश्नों का समाधान, (1885) शस्त्रसंबंधी वेदना , (1886) शत्रुंजयआदीश्वरस्तव, (1887) शीलरहित और शीलसहित श्रमणोपासक के प्रशस्त-अप्रशस्त , (1888) शीलसुन्दरसूरि [उपकेशगच्छीय], (1889) शेर खां, शेरशाहसूरि, (1890) शिरसिज , (1891) शिरस्त्र, (1892) शिष्य के प्रश्न पर गुरु द्वारा उत्तर , (1893) शिष्यना विशेष गुण-दोष, लेखक - सम्यक्चन्द्रसागर, (1894) शंख और पोक्खली श्रसणोपासक, (1895) शंखेश्वरस्तव, (1896) शूरसेन, (1897) शूरसेना, (1898) श्रावक सम्यक द्रष्टि, (1899) श्रमण-श्रमणी भगवंतोने वसतिदाननुं फळ, लेखक - तारकचन्द्रसागर, (1900) श्रमणो के पारस्परिक व्यवहार , (1901) श्रशना, (1902) श्रष्ट, (1903) श्रष्टी, (1904) श्रस्तदर्शन, (1905) श्रस्तरः, (1906) श्रीचन्द्रसूरि [बृहद्गच्छीय], (1907) श्रीधरसेन, (1908) श्रीज्ञानसूरि वरदायकाश्च, लेखक - मुक्तिचन्द्र-मुनिचन्द्रसूरिजी, (1909) श्रीहरिभद्रसूरिजी म. नी वातनो समन्वय, लेखक - असंगयोगविजय, (1910) श्रीकृष्ण का प्रस्थान, (1911) श्रीमंधरस्तवन, (1912) श्रीसिद्धर्षिगणि महाराज, जिज्ञासा - सम्यक्चन्द्रसागर, (1913) श्रीवासुपूज्यस्वामीना लग्न न करवा अंगे एक उल्लेख, लेखक - तारकचन्द्रसागर, राजदर्शनविजय, (1914) श्रेणिक का प्रसन्न होना और क्षमायाचना करना, (1915) श्रेणिक ने स्वप्न-प्रशंसा की , (1916) श्रृंगार रस की उत्पत्ति और लक्षण , (1917) श्रृंगार रसमाला, (1918) शृंगाररसमाला , (1919) शृंगारशत, (1920) श्रुतसागरशिष्य, (1921) श्रुतसंविभाग - एक जलभरी कोस (अग्रलेख), लेखक - हेमचन्द्रसागरसूरिजी, (1922) श्रुतसंविभाग - एक नानकडा सरोवरनी कृति (अग्रलेख), लेखक - शीलचन्द्रसूरिजी, (1923)

श्रुतसंविभाग - प्रतिभाना विकास माटेनो मंच (अग्रलेख), लेखक - शीलचन्द्रसूरिजी, (1924) श्रुतसंविभागोऽयं मैत्रीमण्डपायताम्... (अग्रलेख), लेखक - मुक्तिचन्द्र-मुनिचन्द्रसूरिजी, (1925) शुभानुबंधी परभवना लक्षणो, लेखक - आनंदचन्द्रसागर, (1926) सिद्ध होने वाले के संहनन के सम्बन्ध में गौतम के प्रश्न, (1927) सिद्धान्तसागरसूरि (अंचलगच्छीय), (1928) सिद्धांतविचार, क्षेत्रसमास स्तबक , (1929) सिद्धचक्रश्रीपालरास, (1930) सिद्धहेमशब्दानुशासन - मध्यमवृत्ति - 3 (शुद्धिपत्रक), प्रकाशक - अरिहंत आराधक ट्रस्ट, शुद्धिकार - निर्ग्रन्थचन्द्रविजय, (1931) सिरस, (1932) सिरसावत्त, (1933) सिरसे, (1934) सिरसेजइ, (1935) सिरशव, (1936) सिरसिज, (1937) सिरसोसिरि, (1938) सिरिसिरिवालकहा (शुद्धिपत्रक), संपादक - श्रीराजशेखरसूरिजी म., शुद्धिकार - श्रुतांगचन्द्रविजय, (1939) संभवनाथ जिनालय, चंगपोळ-खाडिया चार रस्ता, अमदावाद, (1940) संचारसम, (1941) संद्रष्टि, (1942) संघाटकने छोडीने एकला गोचरी जवाना कारणभूत दोषो, लेखक - तारकचन्द्रसागर, (1943) संघपतिसमरसिंह - रास, (1944) संप्रसादावस्था, (1945) संसारसमावण्ण, (1946) संसारसरणिदेश्यानि, (1947) संसारस्थ जीव, (1948) संस्कारस्कन्ध, (1949) संस्कारस्कन्धः, (1950) संवेजनीय रस, (1951) संयमरमण : सुरसुख , (1952) संयमीना तेजने अंगे, लेखक - तारकचन्द्रसागर, (1953) सोमा की वंध्यत्व-प्रशंसा, (1954) सोमसुन्दरसूरि, (1955) सोमसुन्दरसूरि (तपागच्छीय), (1956) सोमसुन्दरसूरि-आदिशिष्य, (1957) सोमिल का काष्ठ मुद्रा से मुखबन्धन करके महाप्रस्थान करना, (1958) सोमिल के यात्रादि प्रश्नों का भगवान ने समाधान किया, (1959) सूक्ष्म क्षेत्रसागरोपम, (1960) सूक्ष्म-उद्धारसागरोपम, (1961) सूरसेन, (1962) सूरसेण, (1963) सूरसिंग, (1964) सूरसिरी, (1965) सूरसिट्ठ, (1966) सूरस्सअग्गमहिसी, (1967) सूरवरसमुद्द, (1968) सूर्यवरसमुद्र, (1969) सूत्रसम, (1970) सूत्रसंश्रय, (1971) सूत्रस्पर्शिक निर्युक्ति-अनुगम , (1972) सूत्रस्पर्शिकनिर्युक्ति, (1973) सूत्रस्पर्शिकनिर्युक्त्यनुगम, (1974) सूत्रस्पर्शिकनिर्युक्त्यनुगमः, (1975) सूत्रस्य उजद्देशनाचार्यः, (1976) स्तवन पूर्वे आदेश, पत्रचर्चा - तारकचन्द्रसागर, (1977) स्थापना द्वीपंचाशिका, अमरसत्तरी, नियतानियत प्रश्नोत्तर प्रदीपिका , (1978) स्थावरकायिक जीवों का परस्पर अवगाढ़त्व का प्ररूपण, (1979) स्थविरसम्भूतविजय, (1980) स्थूलभद्रकोशा संबंध रसवेलि , (1981) स्थूलिभद्र कोशा संबंध रस बेलि , (1982) स्थूलिभद्र नवरस दूहा , (1983) स्थूलिभद्र नवरस दुहा , (1984) स्थूलिभद्र नवरसों, (1985) स्थूलिभद्रकोशा रसवेलि , (1986) स्थुलभद्रस्वामी, (1987) स्त्रष्टा, (1988) सुबाहुकुमार के पूर्वभव के सम्बन्ध में प्रश्न, (1989) सुभद्रादि कौणिक की भार्याओं ने धर्मदेशना की प्रशंसा की और अपने निवास (अन्त :पुर) को गयी, (1990) सुदर्शन सेठ ने काल के सम्बन्ध में प्रश्न पूछे, (1991) सुदर्शन सेठ ने पल्योपमादि के क्षय और अपचय आदि के सम्बन्ध में प्रश्न पूछे, (1992) सुकुमालिका ने सागर के प्रसन्न होने के उपाय पूछा, (1993) सुमतिनाथ जिनालय, सरसपुर-नानी वासण शेरी, अमदावाद, (1994) सुमतिसागरसूरि, (1995) सुन्दर श्रृंगार रसदीपिका, (1996) सुंदरसागर, (1997) सुंदरशृंगार , (1998) सुंदरसूर, (1999) सुन्दरसूरि, (2000) सुपक्खोतरसे, (2001) सुप्रसाद, (2002) सुप्रसाह, (2003) सुप्रसन्न, (2004) सुप्रसिद्धा, (2005) सुरजी (सूरसागर), (2006) सुरसागर, (2007) सुरसाल, (2008) सुरसन्निभ, (2009) सुरसरी, (2010) सुरसौभाग्य, (2011) सुरसेन, (2012) सुरसेन रास , (2013) सुरशशी, (2014) सुरश्रेष्ठ, (2015) सुरसंदरी रास, (2016) सुरसुन्दर, (2017) सुरसुन्दर चौपई, (2018) सुरसुन्दर सुन्दरी चौपई, (2019) सुरसुन्दरी, (2020) सुरसुंदरी, (2021) सुरसुंदरी अमर कुमार रास , (2022) सुरसुन्दरी अमरकुमार रास, (2023) सुरसुंदरी अमरकुमार रास, (2024) सुरसुंदरी चोपाई , (2025) सुरसुन्दरी रास, (2026) सुरसुंदरी रास , (2027) सुरसुर, (2028) सुरसुत, (2029) सुवर्णकूलाद्वीप और रष्यकूलाद्वीप के प्रमाणादि , (2030) स्व-स्व-प्रवाद-प्रशंसा एवं सिद्धि लाभ का दावा , (2031) स्वाध्याय - \'स्व\'ना पृथक्करणनुं साधन (अग्रलेख), लेखक - शीलचन्द्रसूरिजी, (2032) स्वाध्याय-प्रवचनाभ्यां न प्रमदितव्यम् (अग्रलेख), लेखक - शीलचन्द्रसूरिजी, (2033) स्वारसिकः, (2034) स्वारसिकलक्षणा, (2035) स्वच्छन्दाचारी की प्रशंसा एवं वंदना करने के प्रायश्चित्त सूत्र , (2036) स्वदाररसंतोषव्रत, (2037) स्वदारसन्तोष , (2038) स्वदारसन्तोव्रत, (2039) स्वदारसंतोष, (2040) स्वक चरित्र भ्रष्ट, (2041) स्वक्षेत्रसंसार, (2042) स्वरसः, (2043) स्वरस्मृति, (2044) स्वरुपानु भवोछव-रसलीला- ग्रंथ, (2045) स्वरुपभ्रष्टतेज, (2046) स्वसमयपरसमयवक्तव्यता, (2047) स्वशरीरसंस्कार, (2048) ताम-रस, (2049) तामरस, (2050) तामरसे, (2051) तद्व्यतिरिक्त नोआगमद्रव्यद्रष्टिवाद, (2052) तगरसमुग्गयं, (2053) तैजसशरीरसंघातनाम, (2054) तैरश्चिक, (2055) तपस्या करता ऊपसर्ग सहन करवाथी वधारे निर्जरा, लेखक - संभवचन्द्रसागर, (2056) तरस, (2057) तरसालूआं, (2058) तरसवुं, (2059) तरसि, (2060) तथाकारसा., (2061) तत्रस्था, (2062) तत्त्वों का परस्पर संबंध, (2063) तीर्थकरसिद्ध, (2064) तीर्थकरसिद्धकेवलज्ञान, (2065) तीर्थंकर चक्रवर्तीओ अट्ठम करे ?, लेखक - श्रीमुनिचन्द्रसूरिजी-शिष्य, (2066) तीर्थंकरसिद्ध, (2067) तीव्रश्रद्धा, (2068) तेजस् और वायु त्रस क्यों ?, (2069) तेरसया, (2070) तेरसि, (2071) ठाकुरसी, (2072) ठाकुरसिंह, (2073) ठकुरसी [दिगम्बर श्रावक कवि], (2074) थेरसंभूतविजय, (2075) थिरसत्त, (2076) थिरसीस, (2077) थिरसंघयण, (2078) थंभणो पारसनाथ, सेरीसो पार्श्वनाथ, संखेसरो पार्श्वनाथ स्तवन , (2079) तिक्त रस, (2080) तिरसीयउ, (2081) तिरषा, (2082) तिरस्कतिणी, (2083) त्रस, (2084) त्रस (त्रस जीव), (2085) त्रस और स्थावरों के भेदों का प्ररूपण, (2086) त्रस दशक, (2087) त्रस जीव, (2088) त्रस का निर्वचन, परिभाषा , (2089) त्रस काय, (2090) त्रस के चार प्रकार , (2091) त्रस के प्रकार , (2092) त्रस नाडी, (2093) त्रस नामकर्म, (2094) त्रस प्राणियों को बांधने ओर बन्धन मुक्त करने के प्रायश्चित्त सूत्र , (2095) त्रस-प्राण बीज रहित स्थंडिलभूमि, (2096) त्रस-स्थावर प्राणियों के व्यवच्छेद (विनाश) का अभाव, (2097) त्रसाडिया, (2098) त्रसई, (2099) त्रसजीव, (2100) त्रसकाय, (2101) त्रसकाय का स्वरुप , (2102) त्रसकाय के अनारम्भ की प्रतिज्ञा , (2103) त्रसकाय के भेद-प्रभेद , (2104) त्रसकाय प्रतिष्ठित आहार ग्रहण करने का निषेध , (2105) त्रसकायिकों की

हिंसा का निषेध , (2106) त्रसको त्रोडियो, (2107) त्रसनाडी, (2108) त्रसनाडीनी बहार त्रस जीवोनुं गमनागमन केम नही ?, जिज्ञासा - राजहेमविजय, (2109) त्रसनाडीनी बहार त्रस जीवोनुं गमनागमन केम नही ?, समाधान - श्रमणोदय-कल्पसूत्रविजयजी, (2110) त्रसनादि, (2111) त्रसनाली, (2112) त्रसनाम, (2113) त्रसरी, (2114) त्रसरेणु, (2115) त्रसरेणुः, (2116) त्रसरितन्तु :, (2117) त्रससेणु, (2118) त्रसस्थिति, (2119) त्रसित, (2120) त्रस्त, (2121) त्रस्तप, (2122) त्रीन्द्रिय त्रस के प्रकार , (2123) त्रिलोकाग्रशिखामणि, (2124) त्रिशिरस्, (2125) त्रिस्थानिक रस, (2126) तृतीय ईश्वरकारणिकवादी की श्रद्धा का निरसन , (2127) तुरसम खां, (2128) उच्चार प्रसवण भूमि प्रतिलेखना , (2129) उच्चार प्रस्रवण समिति, (2130) उच्चार, प्रश्रवण, अवकाश...कितने ? , (2131) उच्चार-प्रसवण भूमि के प्रतिलेखन न करने के प्रायश्चित्त सूत्र , (2132) उच्चार-प्रस्रवण भूमि के प्रतिलेखन का विधान , (2133) उच्चार-प्रस्त्रवणभूमि प्रतिलेखन , (2134) उच्चारप्रस्रवणसमिति, (2135) उदार त्रस के प्रकार , (2136) उदकपेढाल पुत्र का प्रति प्रश्न, (2137) उदकपेढाल पुत्र का श्रमणोपासक के प्रत्याख्यान के सम्बन्ध में प्रश्न, (2138) उदराग्निप्रशमन, (2139) उदयसागरसूरि, (2140) उद्धारसागर, (2141) उद्धारसागरोपम, (2142) उद्धारसागरोवम, (2143) उद्धारसमय, (2144) उद्घोषयित्वा प्रयोगनी सिद्धि, लेखक - अनंतचन्द्रसागर, (2145) उद्यमकर्म संवाद प्रस्तावन , (2146) उग्रसेन, (2147) उग्रसेन राजा, (2148) उग्रसेन :, (2149) उग्रसेनतनय :, (2150) उग्रश्री, (2151) उक्किट्ठरस, (2152) उनाळामां सुखडी वगेरेनो काळ केम घटे छे ?, जिज्ञासा - प्रशमरत्नविजय, (2153) उपदेश रसाल , (2154) उपदेश रसाल जीवाभिगमसूत्र बाला. , (2155) उपदेशरसायन, (2156) उपदेशरसायनरास, (2157) उपेन्द्रसेन, (2158) उरसे, (2159) उरश्छद, (2160) उरस्सबल, (2161) उरस्सबलसमन्नागए, (2162) उरस्सबलसमण्णागए, (2163) उरस्सं, (2164) उरस्ताडं, (2165) उत्पातनिपातप्रसक्तसंकुचितप्रसारितरेक्करचितभ्रान्तसम्भ्रान्त :, (2166) उत्तमसागरशिष्य, (2167) उत्तराध्ययन , क्षेत्रसमास बालावबोध , (2168) उत्तरसाढा, (2169) उत्तरसाला, (2170) उत्तरसत्तासुओ, (2171) उत्तरश्रेणी, (2172) उवारस, (2173) वाद करने वालों की परस्पर (एक दूसरे की) निन्दा करते हो l गोशालक का आक्षेप, (2174) वाज करसुं, (2175) वाणारसी, (2176) वाणारसि, (2177) वानप्रस्थ, (2178) वानप्रस्थ तापसो, लेखक - त्रैलोक्यमंडनविजय, (2179) वानप्रस्थाश्रमः, (2180) वाणव्यन्तर देवों के उत्पाद आदि के 49 प्रश्नों का समाधान, (2181) वारसिआ, (2182) वासुपूजयस्वामी-घरदेरासर जिनालय, इन्द्रप्रस्थ कोम्प्लेक्ष, सुरत, (2183) वातरशन, (2184) वातरशना, (2185) वैक्रियमिश्रशरीरकायप्रयोग, (2186) वैक्रियमिश्रशरीरकाययोग, (2187) वैक्रियिकशरीरसंघात, (2188) वैमानिक देवों के उत्पाद आदि के 49 प्रश्नों का समाधान, (2189) वैमानिकों के विमानों में प्रस्तट, (2190) वइरसामी, (2191) वइरसामि, (2192) वइरसामिउप्पत्ति, (2193) वइरसेण, (2194) वइरसेणा, (2195) वैरशृग्ङ, (2196) वइरसिंग, (2197) वैरसिंहकुमार चोपाई, (2198) वइरसिट्ठ, (2199) वैरसृष्ट, (2200) वैरस्वामी, (2201) वैरस्वामिन्, (2202) वैश्रसिकः, (2203) वैस्रसिक बन्ध, (2204) वैस्रसिक बंध, (2205) वैस्रसिक शब्द, (2206) वैस्त्रसिक बन्ध, (2207) वैस्त्रसिक शब्द, (2208) वज्ज (त्रस्), (2209) वज्रसरीरु, (2210) वज्रसेन, (2211) वज्रसेन (आचार्य), (2212) वज्रसेन आचार्य कथा, (2213) वज्रसेन(सूरि) , (2214) वज्रसेना, (2215) वज्रसेना (आर्या), (2216) वज्रसेना कथा, (2217) वज्रसेनसूरि, (2218) वज्रसेनसूरि [राजगच्छीय], (2219) वज्रशृग्ङ, (2220) वज्रशृङ्खला, (2221) वज्रसृष्ट, (2222) वज्रस्वामी, (2223) वज्रस्वामी (आचार्य), (2224) वज्रस्वामी चोपाई, (2225) वज्रस्वामी कथा, (2226) वज्रस्वामी नो रास, (2227) वज्रस्वामीचौपाइ, (2228) वज्रस्वामीनो रास , (2229) वज्रस्वामीरास, (2230) वज्रस्वामिन्, (2231) वज्त्रसेन, (2232) वज्त्रशाल, (2233) वज्त्रशीला, (2234) वज्त्रसंज्ञ, (2235) वज्त्रसूरि, (2236) वज्त्रसुन्दर, (2237) वक्रसमाचार, (2238) वणारसीबाई, (2239) वणारशी, (2240) वणारशीदास, (2241) वन्दना के विशेष प्रसंग , (2242) वप्रश्री, (2243) वरदत्त अणगार ने निषढ के पूर्वभव के सम्बन्ध में प्रश्न पूछा. और भ. अरिष्टनेमि ने पूर्वभव कहा, (2244) वरसाल, (2245) वरसालउ, (2246) वरसाळी, (2247) वरसाळो, (2248) वरसात, (2249) वरसधर, (2250) वरसरक, (2251) वरसत्ति, (2252) वरसवियारणि, (2253) वरसीधू, (2254) वरसीधु, (2255) वरसेन, (2256) वरसेणा, (2257) वरसेना, (2258) वरशात, (2259) वरशोध्य, (2260) वरशोंत, (2261) वरसिंघ, (2262) वरसिंघ ऋषि, (2263) वरसिंह, (2264) वरसिंह कुमार चौपई, (2265) वरसिंह(ऋषि) , (2266) वरसिट्ठ, (2267) वरसिउ, (2268) वरसंति, (2269) वरसोलां, (2270) वरवइरसिंग, (2271) वर्ण-गंध-रस-स्पर्श के प्रकार , (2272) वर्षा बरसने पर एक स्थान में निर्ग्रन्थ निर्ग्रन्थियों के ठहरने की विधि , (2273) वर्षा बरसने पर पूर्व गृहीत भक्त-पान के उपयोग की विधि , (2274) वसति द्रष्टान्त , (2275) वसति-संस्तरशुद्धि, (2276) वस्त्रसीवनादि, (2277) वस्त्रसंकोचना दोष, (2278) ववहारसच्च, (2279) ववहारसच्चा, (2280) वयरसेन, (2281) वयरस्वामी चउपइ, (2282) वयरस्वामी चोपाई , (2283) वयरस्वामी ढाल, (2284) वयरस्वामी ढाल सझाय , (2285) वयरस्वामी रास, (2286) वयरस्वामीचरित्र, (2287) वयरस्वामीगुरुरास, (2288) वेदरस, (2289) वीभत्स रस की उत्पत्ति और लक्षण , (2290) वीर बंकेयरस, (2291) वीर रस की उत्पत्ति और लक्षण , (2292) वीरचन्द्रसूरि [सोरठगच्छीय], (2293) वीरसागर, (2294) वीरसैनिक, (2295) वीरसौभाग्य, (2296) वीरसेन, (2297) वीरसेण, (2298) वीरसेन (आचार्य), (2299) वीरसेन रास, (2300) वीरसेन सज्झाय, (2301) वीरसेन स्वामी (विहरमान तीर्थंकर), (2302) वीरसेन [भट्टारक सोमकीर्ति केशिष्य], (2303) वीरसेना, (2304) वीरसेणि, (2305) वीरसेणिय, (2306) वीरशा, (2307) वीरश्रेणिक, (2308) वीरशृग्ङ, (2309) वीरसिंग, (2310) वीरसिंह, (2311) वीरसिंहशिष्य, (2312) वीरसिट्ठ, (2313) वीरसृष्ट, (2314) वीरस्तवन, (2315) वीरस्तुति, (2316) वीरसुंदर, (2317) वीरसुणिय, (2318) वीसरस्सर, (2319) वेगनुं लक्षण, लेखक - विमलचन्द्रसागर, (2320) वेरसेण, (2321) वेरस्स, (2322) विचारसार प्रकरण, (2323) विचारसार प्रकरण ग्रंथ टबो, (2324) विचारसार प्रकरण टबो , (2325) विचारषट्त्रिंशिका, (2326) विचारषट्त्रिंशिका

बालावबोध, (2327) विचित्रसूत्रता, (2328) विद्याचन्द्रसूरि, (2329) विद्याधरश्रमण, (2330) विद्याधरश्रेणि, (2331) विद्यासागरसूरि रास , (2332) विगतरस, (2333) विहारमान प्रभुना केवली अने श्रमण-श्रमणीनी संख्या, जिज्ञासा - आगमचन्द्रसागर, (2334) विहरमान परमात्मानो विरह होय के केम ?, लेखक - शौर्यचन्द्रसागर, (2335) विहरसि, (2336) विजय जिनेन्द्रसूरि शिष्य, (2337) विजयचन्द्रसूरि, (2338) विजयचन्द्रसूरि [पूर्णिमागच्छीय], (2339) विजयप्रशस्ति, (2340) विजयसागरसूरि, (2341) विज्जाहरसेढि, (2342) विज्जाहरसेढीओ, (2343) विकल्पसिद्ध धर्मीनी प्रसिद्धि, लेखक - त्रैलोक्यमंडनविजय, (2344) विमानप्रस्तार, (2345) विमलचरित्रसूरि, (2346) विमलसागरसूरि, (2347) विमरसइ, (2348) विनयचन्द्र [माथुरसंघीयभट्टारक], (2349) विनयचन्द्रसूरि, (2350) विराधक वानप्रस्थ , (2351) विरस, (2352) विरसाहार, (2353) विरसमेह, (2354) विरसमुह, (2355) विरसिंग, (2356) विशालराज [तपागच्छीय मुनिसुन्दरसूरि के शिष्य], (2357) विशालसुंदरशिष्य, (2358) विषयारसि, (2359) विशेषावश्यकमहाभाष्यनी केटलीक रसप्रद वातो, लेखक - सिद्धसेनविजय, (2360) विश्रसा, (2361) विष्टरश्रवा, (2362) विश्वनाथप्रसाद मिश्र, (2363) विस्रसा, (2364) विस्रसा बंध, (2365) विस्रसाकरण , (2366) विस्रसोपचय, (2367) विस्तारसम्यक्त्व, (2368) विस्त्रसा बन्ध, (2369) वित्रस्त, (2370) विविध वाद निरसन , (2371) वंणारशी, (2372) वोज्ज (त्रस्), (2373) व्रीडा रस की उत्पत्ति और लक्षण , (2374) वृद्धिसागरसूरि रास, (2375) वृष्यरसत्याग, (2376) वृष्येष्ट रस, (2377) वृष्येष्टरस, (2378) वृत्रसूदन, (2379) वुज्ज (त्रस्), (2380) व्याधि ग्रस्त दीक्षा के अयोग्य पुरुष, (2381) व्याघ्रसिंह, (2382) व्यवहारसम्यग्दर्शन, (2383) व्यवहारसम्यग्दर्शनाराधना, (2384) व्यवहारसम्यग्ज्ञान, (2385) व्यवहारसम्यक्त्व, (2386) व्यवहारसत्य, (2387) व्युत्सर्ग का उदाहरण : प्रसन्नचन्द्र राजर्षि , (2388) यक्ष ने हरिकेशी की प्रशंसा की, (2389) यशोभद्रसूरि, (2390) यशोभद्रसूरिगच्छ का संक्षिप्त इतिहास , (2391) यथाख्यातविहारशुद्धिसंयत, (2392) योगबिंदु - सटीक (शुद्धिपत्रक), प्रकाशक - अरिहंत आराधक ट्रस्ट, शुद्धिकार - शीलचन्द्रविजय, (2393) योगबिंदु - सटीक (शुद्धिपत्रक), प्रकाशक - जिनशासन आराधना ट्रस्ट, शुद्धिकार - शीलचन्द्रविजय, (2394) योगविंशिका (हारिभद्रयोगभारती अंतर्गत) (शुद्धिपत्रक), प्रकाशक - दिव्यदर्शन ट्रस्ट, शुद्धिकार - त्रैलोक्यमंडनविजय, (2395) युग्मप्रदेशं धनचतुररस्त्रं, (2396) युग्मप्रदेशं प्रतरचतुररस्त्रं, (2397) " संग्राम में मरने वाला देवता होता है " इस सम्बन्ध में गौतम का प्रश्न, (2398) आभोगिनी, प्रश्न आदि विद्याएं , (2399) आभ्यन्तरशौचम्, (2400) आचारश्रुताध्ययन, (2401) आदर्शप्रश्न, (2402) आहार की प्रशंसा और निन्दा का निषेध , (2403) आहारशरीर, (2404) आहारशरीरबन्धननाम, (2405) आहारशरीरनाम, (2406) आहारशरीरसंघातनाम, (2407) आहारशुद्धि, (2408) आकारशुद्धि, (2409) आलोचनाकाल में प्रशस्त-अप्रशस्त द्रव्य... , (2410) आम्रशालवन, (2411) आनन्द के प्रव्रज्या ग्रहण करने के सम्बन्ध में गौतम का प्रश्न और भगवान का समाधान , (2412) आन्तरशब्दानुविद्धसमाधिः, (2413) आर्द्रकप्रश्न, (2414) आठयोग द्रष्टिविचार सज्झाय नो बालावबोध, (2415) आत्म प्रशंसा, (2416) आत्म सम द्रष्टि , (2417) आत्मप्रशंसा, (2418) अभयकुमारश्रेणिकरास, (2419) अभियोगी भावना : प्रश्न, प्रश्नाप्रश्न आदि , (2420) अभ्यन्तरशम्बूका, (2421) अचेलत्व का प्रशस्त परिणाम , (2422) अधर्म प्रशंसाकरण प्रायश्चित्त , (2423) अध्यात्म प्रश्नोत्तर , (2424) अग्निमित्रा का प्रश्न, (2425) अग्रशिर :, (2426) अग्रश्रुतस्कन्ध :, (2427) अकलेवरश्रेणि, (2428) अक्षर-अनक्षरश्रुत की पूर्वता , (2429) अक्षरश्रुत, (2430) अक्षरश्रुत के भेद, (2431) अक्षरश्रुत के प्रकार , (2432) अक्षरश्रुत की परिभाषा , (2433) अक्षरश्रुतज्ञान, (2434) अक्षरश्रुतम्, (2435) अमरशतक बालावबोध, (2436) अनाचारश्रुतम्, (2437) अणगार स्वरूप की प्रशंसा, (2438) अनगारश्रुत, (2439) अनक्षरश्रुत, (2440) अनशन के लिए अप्रशस्त-प्रशस्त स्थान , (2441) अनेक लोगों ने नन्द की प्रशंसा की और वह हर्षित हुआ , (2442) अंगारशकटिका, (2443) अङ्गुष्ठप्रश्न, (2444) अंजू के पूर्वभव के सम्बन्ध में प्रश्न, (2445) अनंतना 9 प्रकार, जिज्ञासा - प्रशमरत्नविजय, (2446) अन्तरशौचम्, (2447) अनुभ्रष्ट, (2448) अन्यदृष्टिप्रशंसा, (2449) अन्यदृष्टिप्रशंसा अतिचार, (2450) अन्यतीर्थिक प्रशंसा, (2451) अन्यतीर्थिकों की प्रशंसा करने का प्रायश्चित्त सूत्र , (2452) अप्रशस्त, (2453) अप्रशस्त अवग्रह, (2454) अप्रशस्त भाषा 6, (2455) अप्रशस्त भावना : हिंसा आदि , (2456) अप्रशस्त भावशीति, (2457) अप्रशस्त भावसंयोग, (2458) अप्रशस्त ध्यान, (2459) अप्रशस्त नक्षत्र : संध्यागत आदि , (2460) अप्रशस्त निःसरणात्मक तैजस, (2461) अप्रशस्त निदान, (2462) अप्रशस्त प्रभावना, (2463) अप्रशस्त प्रवृत्ति, (2464) अप्रशस्त राग, (2465) अप्रशस्त शकुन , (2466) अप्रशस्त वात्सल्य, (2467) अप्रशस्त विहायोगति, (2468) अप्रशस्त-इच्छा, (2469) अप्रशस्त-नोआगम-भावोपक्रम, (2470) अप्रशस्त-प्रशस्त लेश्या , (2471) अप्रशस्त-प्रतिसेवना, (2472) अप्रशस्तबृंहण, (2473) अप्रशस्तध्यान, (2474) अप्रशस्तोपशामना, (2475) अप्रश्न विद्या, (2476) अर्बुदालंकारश्रीयुगादिदेवस्तवन, (2477) अर्हत (नगरशेठ), (2478) अश्ववरश्रुत, (2479) अष्टादशसहस्रशीलाङ्ग, (2480) अष्टोतरशत पार्श्वस्तवन, (2481) अत्तरशाह, (2482) औगारिकमिश्रशरीर कायप्रयोग, (2483) औगारिकमिश्रशरीरकायप्रयोग, (2484) अविरतसम्यगद्रष्टि, (2485) बाहुप्रश्न, (2486) बाहुप्रश्न, (2487) बालमरण की प्रशंसा के प्रायश्चित्त सूत्र , (2488) बहादुरशाह, (2489) बहुला का प्रश्न, (2490) भ. महावीर के समवसरण में गौतम का जन्मान्ध पुरुष के सम्बन्ध में प्रश्न, (2491) भ. महावीर के समवसरण में काली रानी का प्रश्न , (2492) भ. महावीर के समवसरण में शिव के विभंगज्ञान के सम्बन्ध में प्रश्नोत्तर, (2493) भ. महावीर ने देवता द्वारा की गई प्रशंसा का निरूपण किया, (2494) भ. महावीर ने एक आसन पर बैठे हुए चौपन प्रश्नों के समाधान कहे, (2495) भ. महावीर ने कुण्डकोलिक की प्रशंसा की, (2496) भ. महावीर ने मद्दुक की प्रशंसा की, (2497) भ. मल्ली के रूप की प्रशंसा, (2498) भ. मल्ली के रूप की प्रशंसा. शंख राजा के दूत का मिथिला में आगमन, (2499) भ. मल्ली के श्री दामगण्ड (पुष्पहार)

की प्रशंसा, (2500) भ. मल्ली के स्नान की प्रशंसा, (2501) भानुमंदिरशिष्य, (2502) भास्करश्रवण, (2503) भास्वरशुक्लम्, (2504) भद्र का प्रश्न, (2505) भद्रा (राजकुमारी) ने उनको रोका और मुनि की प्रशंसा की, (2506) भद्रा ने मुनि की पुन : प्रशंसा की, (2507) भद्रशाल, (2508) भद्रशाल वन का प्रमाण, (2509) भद्रशाल वन के सिद्धायतन का प्रमाण, (2510) भद्रशाल वन में सोलह पुष्करिणियाँ , (2511) भद्रशालवन, (2512) भद्रशालवन अंतर्गत मेरु पर्वतादि, (2513) भद्रशालवन में आठ दिशा हस्तिकूट, (2514) भद्रशालवननुं विहंगम दृश्य , (2515) भगवान के कहने से गौशालक से प्रश्न किये, (2516) भगवान ने कामदेव की प्रशंसा की, (2517) भवनवासी देवों के उत्पाद आदि के 49 प्रश्नों का समाधान, (2518) भूतकाळ करतां भविष्यकाळ अनंतगणो, जिज्ञासा - प्रशमरत्नविजय, (2519) भ्रष्ट, (2520) भ्रष्टतेजाः, (2521) भुरशी, (2522) बुद्धिसागरशिष्य, (2523) चन्द्रधरशर्मा \'गुलेरी\', (2524) चन्द्रधरशर्मा \'गुलेरी\', (2525) चन्द्रधरशर्मा \'गुलेरी\', (2526) चन्द्ररश्मि, (2527) चन्द्रशेखर, (2528) चन्द्रशेखर रास , (2529) चन्द्रश्री, (2530) चन्द्रशृङ्ग, (2531) चरित्रशील, (2532) चतुरशरीरी जीव, (2533) चतुरशीति समर्जितादि विशिष्ट चौबीसदंडकों और सिद्धों का अल्पबहुत्व, (2534) चौबीसदंडकों और सिद्धों में चतुरशीति समर्जितादि का प्ररूपण, (2535) चित्रशाळी, (2536) चित्रशाली, (2537) चित्रषेणा, (2538) चित्रश्रेणी, (2539) चंद्रशतक, (2540) चंद्रशेखर रास , (2541) चोरशास्त्र, (2542) दरशवुं, (2543) दरशंन, (2544) देशविषय मिथ्यादृष्टिप्रशंसा, (2545) देव ने स्वाभाविक रूप धारण करके कामदेव की प्रशंसा की और क्षमायाचना की, (2546) देवानन्दा का यह रूप देखकर गौतमस्वामी ने प्रश्न किया और भ. महावीर ने समाधान किया, (2547) देवद्युति के प्रवेश के सम्बन्ध में प्रश्न और समाधान, (2548) देवताओं के मन से किये गये प्रश्नों का भ. महावीर ने मन से ही उत्तर दिया, (2549) धन्ना भार्या का प्रश्न, (2550) धर्म प्रश्नोत्तर श्रावकाचार भाषा , (2551) धर्मसागरशिष्य, (2552) धूम्रशिखाचारण, (2553) दिवा - भोजन निन्दा और रात्रि - भोजन प्रशंशा के प्रायश्चित्त सूत्र , (2554) दूरश्रवणत्व, (2555) द्रष्ट, (2556) द्रष्टा, (2557) द्रष्टान्त, (2558) द्रष्टांत शतक (सं०), (2559) द्रष्टान्तो के दार्ष्टान्तिक की योजना , (2560) द्रष्टांतों द्वारा कषायों के स्वरूप का प्ररूपण, (2561) द्रष्टये पडचुं, (2562) द्रष्टि, (2563) द्रष्टि-अविष, (2564) द्रष्टिनिविष, (2565) द्रष्टचमुष्टय, (2566) द्रश्यमान द्रव्य, (2567) द्रव्य द्रष्टि, (2568) एकाकी भिक्षु की अप्रशस्त विहार चर्या , (2569) एकाकी भिक्षु की प्रशस्त विहार चर्या , (2570) एकान्त - द्रष्टि निषेध , (2571) गम्भीरशासन, (2572) गौतम का प्रश्न. भगवान का उत्तर, (2573) गौतम के समीप प्रश्न के लिए प्राश्र्वापत्यश्रमण उदकपेढाल पुत्र का आना, (2574) गौतम प्रश्नोत्तर स्तवन, (2575) गौतमपृच्छा बालावबोध, राजप्रश्नीय बालावबोध, (2576) ज्ञानसागरशिष्य, (2577) गंगदत्त देव के पूर्वभव के सम्बन्ध में प्रश्न, (2578) गोडी पार्श्वनाथ जिनालय, नगरशेठनी पोळ, सुरत, (2579) गोडी पार्श्वनाथ जिनालय, जमालपुर-टोकरशानी पोळ(प्रेरणा तीर्थ), अमदावाद, (2580) ग्रशामांहि, (2581) गृहस्थलिंगसिद्ध अने अन्यलिंगसिद्ध, जिज्ञासा - प्रशमरत्नविजय, (2582) हरषचंद साधु, (2583) हरषजी, (2584) हीरप्रश्न (शुद्धिपत्रक), प्रकाशक - जिनशासन आराधना ट्रस्ट, शुद्धिकार - श्रुतांगचन्द्रविजय, (2585) ह्रषीकेश, (2586) ह्रष्यका, (2587) ह्रष्यकान्ता, (2588) इन्द्रशाह, (2589) इन्द्रशर्मा, (2590) इन्द्रशर्मन्, (2591) इन्द्रश्री, (2592) जहाँदारशाह, (2593) जमाली और उसके शिष्यों का शय्या करने में - " कृत-कार्यमाण " के विषयों में प्रश्नोत्तर, (2594) जयन्ती के प्रश्न और समाधान., (2595) जीवविचार, विचारषट्त्रिंशिका, नवतत्त्व बालावबोध , (2596) जीवविषया द्रशिक्रिया, (2597) जितशत्रु का प्रश्न, (2598) जितशत्रु ने पान-भोजन की प्रशंसा की, (2599) जितशत्रु ने उदगरत्न की प्रशंसा की, (2600) ज्योतीरश्मिचारण, (2601) ज्योतिरश्मि चारण, (2602) ज्योतिष्क देवों के उत्पाद आदि के 49 प्रश्नों का समाधान, (2603) कालविचारशतक-स्वाध्याय, लेखक - त्रैलोक्यमंडनविजय, (2604) काली रानी के प्रश्न के उत्तर में भगवान् ने कालीरानी के पुत्र कालकुमार का मरण कहा और कालीरानी स्वस्थान गई, (2605) कालोदाई के अचित्त पुदगलों के प्रकाश उद्योतादि संबंधी प्रश्नों का (भ. महावीर) ने समाधान किया, (2606) कालोदाई के अग्निकाय जलाने और बुझाने से होने वाले कर्मबन्ध संबन्धी प्रश्नों का भ. महावीर ने समाधान किया, (2607) कालोदाई के पापकर्म फलविपाक संबंधी और कल्याणकर्म (धर्म) फल विपाक संबंधी प्रश्नों का महावीर ने समाधान किया, (2608) कालोदायी के पंचास्तिकाय संबंधी-विविध प्रश्नों के ज्ञातपुत्र-भ. महावीर कृत समाधान, (2609) कल्याण कर्मो के सम्बन्ध में प्रश्नोत्तर, (2610) कपूरशेखर, (2611) करशण, (2612) करशंणी, (2613) करशंपुट करी, (2614) कर्पूरशेखर, (2615) कौणिक ने धर्मदेशना की प्रशंसा की और अपने भवन को गया, (2616) खण्ड प्रशस्ति सुबोधिनी टीका, (2617) खिमबलिभद्रशोभद्रारास, (2618) कोमलप्रश्न, (2619) कूणिक सहोदर वेहल्ल ने सेचनक गंध हस्ति-क्रीड़ा की प्रशंसा की , (2620) कूपदर्दुर का दृष्टान्त कहकर नारद ने द्रौपदी के रूप की प्रशंसा की, (2621) कूर्म द्रष्टान्त , (2622) कूटागारशाला के दृष्टांत द्वारा स्त्रियों के चतुर्भंगों का प्ररूपण, (2623) क्रश्न, (2624) क्षायिक सम्यग्द्रष्टि, (2625) क्षपकश्रेणि : अकलेवरश्रेणी , (2626) क्षत्रियमुनि के प्रश्न, (2627) क्षौमकप्रश्न, (2628) क्षयिकी द्रष्टि, (2629) कुबेरश्री, (2630) कुद्रष्टि, (2631) कुमारश्रमण, (2632) लखमसीकृत प्रश्नोना उत्तर , (2633) लौकिक द्रष्टि, (2634) लोक और जीव के विषय में गौतम के प्रश्न करने पर जमाली का चुप रहना, (2635) लोक, अलोक और अवकाशान्तर आदि में पूर्वापर कौन ? (रोहा अणगार के प्रश्न और समाधान), (2636) लोक-स्प्रष्ट, (2637) लोकोत्तरशब्दलिंगज श्रुतज्ञान, (2638) लोकोत्तरशुचित्व, (2639) महाप्रश्नविद्या, (2640) मनःप्रश्नविद्या, (2641) मन्दरशैल, (2642) मन्त्रशक्ति, (2643) मनुषोत्तरशैल, (2644) मरषा, (2645) मेधावी पुरुषों के प्रश्नों के भय से महावीर आरामगृह में नहीं ठहरता है l गोशालक का आक्षेप, (2646) मिथ्याद्रष्टिः, (2647) मिथ्यादृष्टिप्रशंसा, (2648) मित्रश्री, (2649) मित्रश्री कथा, (2650) म्रश्रित, (2651) नादिरशाह, (2652) नरभव दशद्रष्टान्त स्वाध्याय, (2653) नरभव दशद्रष्टांत स्वाध्याय , (2654) नरशेखर, (2655) नरशेखर (पिप्पलकगच्छीय), (2656) नयसुंदरशिष्य, (2657) निंदाने

कया अभिप्रायथी मृषावाद गणी छे ?, जिज्ञासा - प्रशमरत्नविजय, (2658) निर्ग्रन्थों के प्रशस्त लक्षण , (2659) नियतानियतप्रश्नोत्तरदीपिका, (2660) न्यायसागरशिष्य, (2661) पारशैल, (2662) पारशर, (2663) पारशरी, (2664) पारशी, (2665) पारशी-भेद, (2666) पारशीकर, (2667) पारश्ववर्ती, (2668) पाश्वस्थादि वन्दन - प्रशंसन प्रायश्चित्त , (2669) पक्खी प्रतिक्रमणनी विधि, जिज्ञासा - प्रशमरत्नविजय, (2670) पर प्रशंसा, (2671) परदृष्टिप्रशंसा, (2672) परपाषाण्डानां प्रशंसा, (2673) परपाषण्डप्रशंसा, (2674) परप्रशंसा, (2675) परषद, (2676) परशरीरानवकांक्षाप्रत्यया क्रिया, (2677) परशरीरसंवेजनी कथा, (2678) परशीनि, (2679) परशेवी, (2680) परशुमुद्रा, (2681) परशुराम, (2682) परिभ्रष्ट :, (2683) पर्याय द्रष्टि, (2684) पथिको के सावद्य प्रश्नो के उत्तर देने का निषेध , (2685) फरशुराम, (2686) पिंगल निर्ग्रन्थ ने लोकादि के सम्बन्ध में प्रश्न किये, (2687) पूर्व शय्या उत्तरशय्या से बाधित , (2688) प्रभु महावीरदेवनो गर्भकाळ..., जिज्ञासा - प्रशमरत्नविजय, (2689) प्रदेश द्रष्टान्त , (2690) प्रकीर्णप्रश्न-प्रकीर्णविद्य , (2691) प्रमाण से मोक्ष की सिद्धि प्रश्न, (2692) प्रशान्त, (2693) प्रशान्तारि, (2694) प्रशान्तात्मा, (2695) प्रशान्तमदन, (2696) प्रशान्तरस, (2697) प्रशान्तरसशैलूष, (2698) प्रशान्ति, (2699) प्रशान्तिक्रिया, (2700) प्रशास्ता, (2701) प्रशास्तृदोष, (2702) प्रशम, (2703) प्रशमारक, (2704) प्रशमात्मा, (2705) प्रशमः, (2706) प्रशस्त अवग्रह, (2707) प्रशस्त भाव : उच्च स्थानगत ग्रह , (2708) प्रशस्त भावना : आदि , (2709) प्रशस्त भावसंयोग, (2710) प्रशस्त भावयोग, (2711) प्रशस्त करनोपशामना, (2712) प्रशस्त मरण , (2713) प्रशस्त निदान, (2714) प्रशस्त निस्सरणतैजस, (2715) प्रशस्त नोआगमभावोपक्रम, (2716) प्रशस्त प्रवृत्ति, (2717) प्रशस्त राग, (2718) प्रशस्त स्थिरीकरण, (2719) प्रशस्त वात्सल्य, (2720) प्रशस्त विहायोगति, (2721) प्रशस्त-अप्रशस्त क्षेत्र , (2722) प्रशस्त-इच्छा, (2723) प्रशस्ता भावशीति, (2724) प्रशस्तध्यान, (2725) प्रशस्तरागः, (2726) प्रशस्तवंक, (2727) प्रशस्तेन्द्रियप्रणिधि, (2728) प्रशस्ति, (2729) प्रशस्ति वचनिका , (2730) प्रशस्तोपबृंहण, (2731) प्रशस्य आचार्य : आगाढप्रज्ञ आदि , (2732) प्रश्न, (2733) प्रश्ण, (2734) प्रश्न करने की विधि , (2735) प्रश्न करवुं, (2736) प्रश्न कर्ता, अकर्ता , (2737) प्रश्न के भेद, (2738) प्रश्न पूछने की विधि , (2739) प्रश्न व्याकरण, (2740) प्रश्नादि कहने का प्रायश्चित्त सूत्र , (2741) प्रश्नाप्रश्न, (2742) प्रश्नाप्रश्न चारित्रकुशील, (2743) प्रश्नः, (2744) प्रश्नकीर्ति, (2745) प्रश्नकुशल, (2746) प्रश्नमाला अने उत्तरमाला , (2747) प्रश्नप्रश्न : घण्टिकयक्ष , (2748) प्रश्नवाहन, (2749) प्रश्नवण, (2750) प्रश्नव्याकरण, (2751) प्रश्नव्याकरण सूत्र स्तबक, (2752) प्रश्नव्याकरणदशाधर, (2753) प्रश्नव्याकरणम्, (2754) प्रश्नव्याकरणसूत्र बालावबोध , (2755) प्रश्नेणि, (2756) प्रश्निका, (2757) प्रश्नोत्तर चिंतामणि , (2758) प्रश्नोत्तर चोपाई, (2759) प्रश्नोत्तर ग्रंथ , (2760) प्रश्नोत्तर काव्य वृत्ति, (2761) प्रश्नोत्तर मालिका अथवा पार्श्व-चन्द्र मत दलन चौपई, (2762) प्रश्नोत्तर रूप संवाद, (2763) प्रश्नोत्तर सार्ध शतक , (2764) प्रश्नोत्तर सार्धशतक भाषा, (2765) प्रश्नोत्तर श्रावकाचार, (2766) प्रश्नोत्तर तत्वबोध , (2767) प्रश्नोत्तरमाला बालावबोध, (2768) प्रश्नोत्तरमालिका , (2769) प्रश्नोत्तररत्नमालावबोध, (2770) प्रश्नोत्तरविधि, (2771) प्रश्नोत्तरीश्रावकाचार, (2772) प्रशंस, (2773) प्रशंसा, (2774) प्रशंसाकृत परत्व अपरत्व, (2775) प्रश्नवाहनकुलाम्बुनिधिः, (2776) प्रश्नः, (2777) प्रश्नवाहनक, (2778) प्रश्नव्याकरण, (2779) प्रश्नव्याकरणदशा, (2780) प्रष्ठ, (2781) प्रष्ठक, (2782) प्रश्वास, (2783) प्रश्वासः, (2784) प्रस्थक द्रष्टान्त , (2785) प्रतिप्रश्न, (2786) प्रतिप्रश्न का फल , (2787) पृथक्त्ववितर्कवीचारशुक्लध्यान, (2788) पुण्य प्रशसा रास, (2789) पुरषोत्तमपांचपाण्डवफाग, (2790) पुरषोत्तमपंचपाण्डवरास, (2791) पुरश्चरणम्, (2792) राज प्रश्नीयसूत्र स्तबक , (2793) राजप्रश्नीय, (2794) राजप्रश्नीय उपांग बालावबोध, (2795) राजप्रश्नीयसूत्र बालावबोध, (2796) राजप्रश्नकृत, (2797) राजप्रश्नीय, (2798) रशी, (2799) रश्म, (2800) रश्मिकलाप, (2801) रश्मिवेग, (2802) रत्नप्रभापृथ्वी के असंख्यात विस्तृत नरकावासों में उत्पाद आदि के प्रश्नों का समाधान, (2803) रत्नप्रभापृथ्वी के संख्यात विस्तृत नरकावासों में नैरयिकों के संख्यात विषयक 49 प्रश्नों का समाधान, (2804) रत्नप्रभापृथ्वी के संख्यात विस्तृत नरकावासों में उद्वर्तन करने वाले नारकों के 39 प्रश्नों का समाधान, (2805) रत्नप्रभापृथ्वी के संख्यात विस्तृत नरकावासों में उत्पन्न होने वाले नारकों के 39 प्रश्नों का समाधान, (2806) रुचिरशिष्ट, (2807) रुचिरशृंङ, (2808) ऋषिभद्रपुत्र सम्बन्धित गौतम का प्रश्न और भ. महावीर का उत्तर, (2809) सागरश्रेष्ठी कथा , (2810) सागठरसेठ चौपई या सागरश्रेष्ठि कथा, (2811) सामान्यद्रष्ट, (2812) सारशिखामण रास, (2813) सारशिखामणरास, (2814) सद्दालपुत्र के सामने देवता ने भ. महावीर की प्रशंसा की, (2815) सहस्त्ररश्मि, (2816) सहस्त्रशीर्ष, (2817) समग्रश्रुतधारी, (2818) समरचंद्रशिष्य, (2819) सम्यक् द्रष्टि, (2820) सम्यक्त्व पराक्रम के प्रश्नोत्तर , (2821) सरल और वक्र, सरल द्रष्टि और वक्र द्रष्टि आदि , (2822) सरशी, (2823) सरशिखामण रास, (2824) सर्वविषयमिथ्यादृष्टिप्रशंसन, (2825) सौभाग्यसागरशिष्य, (2826) सीरष, (2827) सेन प्रश्न नो संग्रह, (2828) शांतिमंदिरशिष्य, (2829) षडावश्यक-बालावबोधनी प्रशस्ति, लेखक - त्रैलोक्यमंडनविजय, (2830) षडावश्यकसूत्रश्रावकप्रतिक्रमण-बालावबोध, (2831) शक्र का पूर्व-भव के सम्बन्ध में प्रश्न, (2832) शक्रादि की गति के विषय में गौतम के प्रश्न और भगवान के समाधान, (2833) शरशति, (2834) शर्कराप्रभापृथ्वी से अधःसप्तम पृथ्वी-पर्यन्त नरक पृथ्वियों में उत्पाद आदि के प्रश्नों का समाधान, (2835) शीलरहित और शीलसहित श्रमणोपासक के प्रशस्त-अप्रशस्त , (2836) शेर खां, शेरशाहसूरि, (2837) शिष्य के प्रश्न पर गुरु द्वारा उत्तर , (2838) श्रावक सम्यक द्रष्टि, (2839) श्रशना, (2840) श्रष्ट, (2841) श्रष्टी, (2842) श्रेणिक ने स्वप्न-प्रशंसा की , (2843) शृंगारशत, (2844) श्रुतसागरशिष्य, (2845) सिद्ध होने वाले के संहनन के सम्बन्ध में गौतम के प्रश्न, (2846) सिद्धचक्रश्रीपालरास, (2847) सिरशव, (2848) संद्रष्टि, (2849) सोमा की वंध्यत्व-प्रशंसा, (2850) सोमिल के यात्रादि प्रश्नों का भगवान ने समाधान किया, (2851) स्थापना द्वीपंचाशिका, अमरसत्तरी,

नियतानियत प्रश्नोत्तर प्रदीपिका , (2852) स्वष्टा, (2853) सुबाहुकुमार के पूर्वभव के सम्बन्ध में प्रश्न, (2854) सुभद्रादि कौणिक की भार्याओं ने धर्मदेशना की प्रशंसा की और अपने निवास (अन्त :पुर) को गयी, (2855) सुदर्शन सेठ ने काल के सम्बन्ध में प्रश्न पूछे, (2856) सुदर्शन सेठ ने पल्योपमादि के क्षय और अपचय आदि के सम्बन्ध में प्रश्न पूछे, (2857) सुंदरशृंगार , (2858) सुरशशी, (2859) सुरश्रेष्ठ, (2860) सुवर्णकूलाद्वीप और रष्यकूलाद्वीप के प्रमाणादि , (2861) स्व-स्व-प्रवाद-प्रशंसा एवं सिद्धि लाभ का दावा , (2862) स्वच्छन्दाचारी की प्रशंसा एवं वंदना करने के प्रायश्चित्त सूत्र , (2863) स्वक चरित्र भ्रष्ट, (2864) स्वरुपभ्रष्टतेज, (2865) तद्व्यतिरिक्त नोआगमद्रव्यद्रष्टिवाद, (2866) तैरश्चिक, (2867) तीव्रश्रद्धा, (2868) तिरषा, (2869) त्रिलोकाग्रशिखामणि, (2870) उच्चार, प्रश्रवण, अवकाश...कितने ? , (2871) उदकपेढाल पुत्र का प्रति प्रश्न, (2872) उदकपेढाल पुत्र का श्रमणोपासक के प्रत्याख्यान के सम्बन्ध में प्रश्न, (2873) उदराग्निप्रशमन, (2874) उग्रश्री, (2875) उनाळामां सुखडी वगेरेनो काळ केम घटे छे ?, जिज्ञासा - प्रशमरत्नविजय, (2876) उरश्छद, (2877) उत्तमसागरशिष्य, (2878) उत्तरश्रेणी, (2879) वाणव्यन्तर देवों के उत्पाद आदि के 49 प्रश्नों का समाधान, (2880) वातरशन, (2881) वातरशना, (2882) वैक्रियमिश्रशरीरकायप्रयोग, (2883) वैक्रियमिश्रशरीरकाययोग, (2884) वैमानिक देवों के उत्पाद आदि के 49 प्रश्नों का समाधान, (2885) वैरशृग्ङ, (2886) वज्रशृग्ङ, (2887) वज्रशृङ्खला, (2888) वज्त्रशाल, (2889) वज्त्रशीला, (2890) वणारशी, (2891) वणारशीदास, (2892) वप्रश्री, (2893) वरदत्त अणगार ने निषढ के पूर्वभव के सम्बन्ध में प्रश्न पूछा. और भ. अरिष्टनेमि ने पूर्वभव कहा, (2894) वरशात, (2895) वरशोध्य, (2896) वरशोंत, (2897) वसति द्रष्टान्त , (2898) वसति-संस्तरशुद्धि, (2899) वीरशा, (2900) वीरश्रेणिक, (2901) वीरशृग्ङ, (2902) विचारषट्त्रिंशिका, (2903) विचारषट्त्रिंशिका बालावबोध, (2904) विद्याधरश्रमण, (2905) विद्याधरश्रेणि, (2906) विजयप्रशस्ति, (2907) विशालसुंदरशिष्य, (2908) विष्टरश्रवा, (2909) वंणारशी, (2910) यक्ष ने हरिकेशी की प्रशंसा की, (2911) यथाख्यातविहारशुद्धिसंयत, (2912) आउरस्सरण, (2913) अणगारस्सभिक्खू, (2914) चमरस्स-अग्गमहिसी, (2915) ईसरस्स, (2916) खरस्सर, (2917) महुरस्सरा, (2918) निरस्साविणी, (2919) ओरस्स, (2920) ओरस्सबली, (2921) पच्छातुरस्स, (2922) परस्सलोभाविल, (2923) परस्सर, (2924) रस्सी, (2925) रस्सीमंडल, (2926) सारस्सय, (2927) समचउरस्स, (2928) सरस्सई, (2929) सरस्सर, (2930) सरस्सती, (2931) सूरस्सअग्गमहिसी, (2932) उरस्सबल, (2933) उरस्सबलसमन्नागए, (2934) उरस्सबलसमण्णागए, (2935) उरस्सं, (2936) वीसरस्सर, (2937) वेरस्स, (2938) (ऋषि) भीम, (2939) (ऋषि) चौथमल, (2940) (ऋषि) जेमल, (2941) 63 शलाकापुरुषो तेमज अन्य महापुरुषोनो क्रमादि , (2942) आअच्छ (कृष्), (2943) आअंछ (कृष्), (2944) आभीरी का दृष्टांत , (2945) आचार्य : दीप का दृष्टांत , (2946) आचार्य सुलक्षण हो : सलक्षण कुमार दृष्टांत , (2947) आचार्यचिकित्साविधिज्ञ : संयोगदृष्टपाठी , (2948) आद पुरुष, (2949) आधाकर्मिक और स्त्रीप्रतिबद्ध शय्या : सापेक्ष दृष्टि , (2950) आदिपुरुष, (2951) आगाढ-परुष-वचन-निषेध , (2952) आगामी उत्सर्पिणी में श्रीकृष्ण का अमम भव में तीर्थंकर पद, (2953) आगमभावदृष्टिवाद, (2954) आगमद्रव्यदृष्टिवाद, (2955) आगमन की विवक्षा से पुरुषों के सुमनस्कादि त्रिविधत्व का प्ररूपण, (2956) आज्ञाभंग का परिणाम : चन्द्रगुप्त-चाणक्य दृष्टांत , (2957) आहारक--उत्कृष्ट-जघन्य स्थिति , (2958) आहोपुरुषिका, (2959) आइंछ (कृष्), (2960) आकीर्ण और खलुंक अश्व के दृष्टांत द्वारा पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (2961) आखंच (आ+कृष्), (2962) आख्यायक की विवक्षा से पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (2963) आकृष्टिविकृष्ट्वा, (2964) आकृष्टिविकृष्टि, (2965) आकुसिउ, (2966) आलभिका नगरी में ऋषिभद्रपुत्रादिक श्रमणोपासक, (2967) आलिह (स्पृश्), (2968) आलोचनार्ह का व्यवहार : व्याध और गौ दृष्टांत , (2969) आलुक्ख (स्पृश्), (2970) आलुंघ (स्पृश्), (2971) आलुंख (स्पृश्), (2972) आणच्छ (कृष्), (2973) आनन्द ऋषि जी महाराज (आचार्य), (2974) आपात-संवास भद्र की विवक्षा से पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (2975) आरोपणा छह मास की क्यों ? धान्यपटिक दृष्टांत , (2976) आरुसिय, (2977) आर्य-अनार्य की विवक्षा से पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (2978) आर्यकृष्ण, (2979) आस्वाद की विवक्षा से पुरुषों के सुमनस्कादि त्रिविधत्व का प्ररूपण, (2980) आठ दृष्टांत , (2981) आठ कर्मो के उत्कृष्ट स्थिति बंधको का प्ररूपण, (2982) आठ कृष्णराजियों के अवकाशान्तरों में लोकान्तिक विमान और देवों की प्ररूपणा, (2983) आठ योगदृष्टि स. बालावबोध , (2984) आठ योगदृष्टि सझाय , (2985) आठ योगदृष्टि सझाय बालावबोध, (2986) आठदृष्टि सज्झाय, (2987) आत्म-पर के अंतकरादि की विवक्षा से पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (2988) आत्मा की अदृश्यता के हेतु , (2989) आत्मांगुल और पुरुष की ऊंचाई , (2990) आत्मानुकंप-परानुकंप के भेद से पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (2991) आत्माश्रय तर्क (ज्ञप्ति दृष्टि से), (2992) आत्माश्रय तर्क (उत्पत्ति दृष्टि से), (2993) आत्मंभर-परंभर की अपेक्षा से पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (2994) आवृष्ट, (2995) आयुष्य कर्म की उत्कृष्ट स्थिति, (2996) आयुष्य कर्मनी उत्कृष्टस्थिति, जिज्ञासा - निर्ग्रन्थचन्द्रविजय, (2997) अबद्धिकदृष्टि, (2998) अबहुश्रुत-अगीतार्थ आचार्य : सर्पशीर्ष दृष्टांत , (2999) अभिगृहीत दृष्टि-, (3000) अच्छ (कृष्), (3001) अदर्शन दीक्षा के अयोग्य पुरुष, (3002) अधर्म पक्ष में पुरुषों की प्रवृत्ति और परिणाम, (3003) अधर्मपक्षीय पुरुषों का परीक्षण, (3004) अदृष्ट, (3005) अदृष्ट स्थान में जाने का निषेध , (3006) अदृष्टायका, (3007) अदृष्टदोष, (3008) अगड ऋषि नी चौपइ, (3009) अगडदत्तऋषिनी चोपाई, (3010) अगस्त ऋषि, (3011) अग्नि का दृष्टांत , (3012) अग्निशिखा के दृष्टांत द्वारा स्त्रियों के चतुर्विधत्व का प्ररूपण, (3013) अइमत्ता ऋषि संज्झाय , (3014) अजघन्य-अनुत्कृष्ट युक्त-असंख्येय , (3015) अजघन्य-अनुत्कृष्ट अनन्त-अनन्त , (3016) अजघन्य-अनुत्कृष्ट असंख्येय-असंख्येय , (3017) अजघन्य-अनुत्कृष्ट परीत-अनन्त , (3018) अजघन्य-अनुत्कृष्ट परीत-असंख्येय , (3019) अजघन्य-अनुत्कृष्ट युक्त-अनन्त , (3020) अजीवदृष्टिजा क्रिया, (3021) अजीवनैसृष्टिकी, (3022) अजीवनैसृष्टिकी

क्रिया, (3023) अजीवस्पृष्टिजा क्रिया, (3024) अकर्मभूमि के स्त्री-पुरुषों की भोगासक्ति, (3025) अक्खोड (कृष्), (3026) अक्रियावादी-कृष्णपक्षी , (3027) अकृष्ट पच्य, (3028) अक्षर-अनक्षर की दृष्टि से , (3029) अक्षरपृष्ठिका, (3030) अल्प महावृष्टि के हेतुओं का प्ररूपण, (3031) अल्प मृषावाद का प्रायश्चित्त सूत्र , (3032) अमायिसम्यग्दृष्टि, (3033) अमरुशतक, (3034) अमरुशतक बालावबोध, (3035) अमोलक ऋषि, (3036) अमोलक ऋषि जी (आचार्य), (3037) अमोलक(ऋषि), (3038) अमूददृष्टि, (3039) अमूढ़ दृष्टि, (3040) अमूढ दृष्टि, (3041) अमूढदृष्टि, (3042) अमृष्ट, (3043) अमृस्वर, (3044) अनादि मिथ्यादृष्टि जीव सर्वप्रथमवार कयुं सम्यक्त्व प्राप्त करे ?, लेखक - कुमुदचन्द्र-गोयमचन्द्रविजय, (3045) अनादृष्ट, (3046) अनादृष्टि, (3047) अनाघृष्टि, (3048) अनाथी ऋषि चोपाई, (3049) अनाथी ऋषि संधि, (3050) अनाथी ऋषि स्वाध्याय, (3051) अनाथीऋषिचौपाइ, (3052) अनावृष्णि, (3053) अनावृष्टि, (3054) अनभिगृहीता दृष्टि, (3055) अनन्तरावगाढ़ादि कृष्णलेश्यी एकेन्द्रिय जीवों के भेद-प्रभेदों का प्ररुपण, (3056) अनन्तरोपपन्नक कृष्णलेश्यी एकेन्द्रियों के भेद-प्रभेदों का प्ररूपण, (3057) अनन्तरोपपन्नकादि कृष्णलेश्यी भवसिद्धिक एकेन्द्रियों के भेद-प्रभेदों का प्ररुपण, (3058) अनशन दुराराध्यं : राधावेध दृष्टांत , (3059) अनवस्था तर्क (ज्ञप्ति दृष्टि से), (3060) अनवस्था तर्क (उत्पत्ति दृष्टि से), (3061) अनव्य दृष्टान्त, (3062) अनव्यदृष्टान्ताभास, (3063) अनव्यदृष्टान्ताभास के भेद, (3064) अंब ऋषि, (3065) अंच (कृष्), (3066) अंछ (कृष्), (3067) अंछाव (कृष्), (3068) अंध और पंगु का दृष्टान्त , (3069) अंधकवृष्णि, (3070) अन्धकवृष्णि, (3071) अंधकवृष्णि राजा का पुत्र गौतम कुमार, (3072) अन्धकवृष्णिदशा, (3073) अन्धकवृष्टि, (3074) अंगडदत्त ऋषि चौपइ, (3075) अनिसृष्ट, (3076) अनिसृष्ट आहार ग्रहण करने का विधि-निषेध , (3077) अनिसृष्ट दोष , (3078) अनिसृष्टि, (3079) अंतर-बाह्य व्रण के दृष्टांत द्वारा पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (3080) अन्तराय कर्म की उत्कृष्ट स्थिति, (3081) अंतर्धानपिंड : क्षुल्लक-चाणक्य दृष्टांत , (3082) अनुदयबन्धोत्कृष्टा, (3083) अनुदयसंक्रमोत्कृष्ट, (3084) अनुदयसंक्रमोत्कृष्टा, (3085) अनुकृष्टि, (3086) अनुमान के प्रकार - सादृश्य आदि , (3087) अनुत्कृष्ट, (3088) अनुत्कृष्ट द्रव्यवेदना, (3089) अनुत्कृष्ट वेदना, (3090) अनुयोग की परिपाटी : कुंभजल दृष्टांत , (3091) अनुयोग की प्रवृत्ति : गौ दृष्टांत , (3092) अन्वयदृष्टान्त, (3093) अन्वयी दृष्टान्त, (3094) अन्वयी दृष्टान्तभास के भेद, (3095) अन्यदृष्टि, (3096) अन्यदृष्टि संस्तव, (3097) अन्यदृष्टिसंस्तव, (3098) अन्यदृष्टिसंस्तव अतिचार, (3099) अन्यव्यतिरेकी (दृष्टान्त), (3100) अपरिकर्मित अयोग्य : शावक दृष्टांत , (3101) अपरिक्षणीय श्रीकृष्ण की पाण्डवों ने परीक्षा की , (3102) अपरिस्रावी : दृढ़मित्र दृष्टांत , (3103) अपौरुषेयत्वम्, (3104) अपोरुसियं, (3105) अप्रार्थित वैयावृत्त्य : महर्द्धिक दृष्टान्त , (3106) अप्रदर्शितव्यतिरेक दृष्ठान्ताभास, (3107) अपृष्टलाभिक, (3108) अपृष्टव्याकरण, (3109) अपुरुषाकारपराक्रम, (3110) अपुरुषेय, (3111) अर्बुद ऋषभ स्तव, (3112) अर्धस्वर्गोत्कृष्ट, (3113) अर्हत् पार्श्व-अरिष्टनेमि-ऋषभ के अंतकृतभूमि , (3114) अर्हत् ऋषभ का तीर्थ-चतुष्टय --, (3115) अर्हत् ऋषभ की शिष्य सम्पदा , (3116) अर्हत् वचन से कल्याण : रोहिणेय दृष्टांत , (3117) अर्हत ऋषभ के कल्याणक नक्षत्र , (3118) अर्थ और मानकरण की अपेक्षा पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (3119) अर्थसंदृष्टि, (3120) असावद्य असत्यामृषा भाषा बोलना चाहिए , (3121) असद्भाववादक मृषावादी, (3122) असदृश अनुभाग, (3123) असदृशवेषग्रहण, (3124) असत्य-मृषा मनोयोग , (3125) असत्यामृषा भाषा, (3126) असत्यामृषा वचन, (3127) असत्यामृषः शब्दनो समासविग्रह, जिज्ञासा - निर्ग्रन्थचन्द्रविजय, (3128) असत्यमृषा वचनयोग, (3129) अशकटपिता दृष्टांत , (3130) अष्टकृष्णराजी वर्णन , (3131) अशुक्लाकृष्णकर्म, (3132) अश्व के दृष्टांत द्वारा युक्तायुक्त पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (3133) असिद्ध-उभयव्यतिरेक दृष्टान्ताभास, (3134) असिद्धसाधनव्यतिरेक दृष्टान्ताभास, (3135) असिद्धसाध्यव्यतिरेक दृष्टान्ताभास, (3136) असंक्लेशकर आचार्य : प्रासाद दृष्टांत , (3137) असंसृष्ट, (3138) असंसृष्ट ग्रहणैषणा, (3139) असंयतसम्यग्दृष्टि, (3140) अस्पृशद्गति, (3141) अस्पृशद्रति, (3142) अस्पृष्टा, (3143) अस्पृश्य, (3144) अस्पृश्यस्पर्शथी भक्तिनो व्याघात, जिज्ञासा - हेमनिलयविजय, (3145) अति आहार से हानि : कटाह दृष्टांत , (3146) अतिनिसृष्ट, (3147) अतिपुरुष :, (3148) अतिशयों की उपजीविता : आर्यसमुद्र-मंगु दृष्टांत , (3149) अट्टरुसग, (3150) अवआस (दृश्), (3151) अवबद्धक दीक्षा के अयोग्य पुरुष, (3152) अवडाह (उत्+क्रुश्), (3153) अवधिज्ञान का जघन्य क्षेत्र : पनक का दृष्टांत , (3154) अवज्झ (दृश्), (3155) अवक्ख (दृश्), (3156) अवयच्छ (दृश्), (3157) अवयज्झ (दृश्), (3158) अविचारितभाषी मृषावादी, (3159) अविकृष्ट क्षपक, (3160) अविकृष्ठ, (3161) अविरत सम्यग्दृष्टि , (3162) अविरत सम्यग्दृष्टि गुणस्थानक, (3163) अविरतसम्यग्दृष्टि, (3164) अविरतसम्यग्दृष्टि जीवस्थान, (3165) अव्यक्त मुनि : अक्षिप्रत्यारोपण दृष्टांत , (3166) अव्यतिरेक दृष्टान्ताभास, (3167) अव्यवहर्त्तव्य : कुंभकार दृष्टांत , (3168) अयंछ (कृष्), (3169) अयोग्य से योग्य : अग्नि आदि दृष्टान्त , (3170) बाल दीक्षा के अयोग्य पुरुष, (3171) बाल कृष्ण, (3172) बद्धस्पर्शस्पृष्ट, (3173) बैठने की विवक्षा से पुरुषों के सुमनस्कादि त्रिविधत्व का प्ररूपण, (3174) बलादृष्टिः, (3175) बन्धोत्कृष्ट, (3176) बत्रीशघटा पुरुषो, (3177) बीकानेर ऋषभ स्तवन, (3178) भ. अरिष्टनेमि तीर्थकर का आगमन और श्रीकृष्ण की पर्युपासना, (3179) भ. महावीर का आगमन-वृतान्त जानने के लिए श्रेणिक का कोटुम्बिक पुरुष को आदेश , (3180) भ. महावीर के तीर्थ में ऋषभदत्त और देवानन्दा का चरित्र, (3181) भ. महावीर के तीर्थ में शिवराज ऋषि, (3182) भ. महावीर की प्रवृत्ति के निवेदक पुरुष की कूणिक ने स्थायी नियुक्ति की, (3183) भ. महावीर ने ऋषभदत्त को प्रव्रज्या दी, (3184) भ. ऋषभदेव का अचेलकत्व और उपसर्ग-सहन, (3185) भ. ऋषभदेव का अनगार-स्वरूप, (3186) भ. ऋषभदेव का तीर्थ-प्रवर्तन, (3187) भ. ऋषभदेव का विहार, (3188) भ. ऋषभदेव के अणगारों का वर्णक, (3189) भ. ऋषभदेव के काल में होने वाले सिद्ध, (3190) भ. ऋषभदेव के प्रतिबन्ध का अभाव, (3191) भ.

ऋषभदेव के संघयणादि, कुमारवासादि और निर्वाण, (3192) भ. ऋषभदेव की गणधरादि संपदा, (3193) भ. ऋषभदेव की प्रव्रज्या, (3194) भ. ऋषभदेव को केवलज्ञान, (3195) भ. ऋषभद्वारा लेखनादि कलाओं का उपदेश., (3196) भ.ऋषभ कथा, (3197) भारवाही पुरुष, (3198) भाषाजड्ड दीक्षा के अयोग्य पुरुष, (3199) भाषण की विवक्षा से पुरुषों के सुमनस्कादि त्रिविधत्व का प्ररूपण, (3200) भाव पुरुष, (3201) भाव उपक्रम : गणिका आदि दृष्टांत , (3202) भावपुरुष, (3203) भावी तीर्थंकर श्रीकृष्ण, लेखक - श्रुतांगचन्द्रविजय, (3204) भायखला ऋषभ चैत्य स्तवन, (3205) भायखला ऋषभ चैत्यस्तवन , (3206) भद्रादि चार प्रकार के हाथियों के दृष्टांत द्वारा पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (3207) भगवान की प्रवृत्ति के निवेदक पुरुष ने कोणिक के समक्ष भगवान के आगमन का निवेदन, (3208) भगवान की प्रवृत्ति के निवेदक पुरुष ने कूणिक के समक्ष चम्पा में आगमन का निवेदन किया, (3209) भक्ति-बहुमान ज्ञानाचार : मरुक-पुलिंद दृष्टांत , (3210) भरत चक्रवर्ती ने काकिणी रत्न से ऋषभकूट पर्वत के पूर्वी किनारे पर अपना नाम लिखा, (3211) भवनपति देव-देवियों की उत्कृष्ट-जघन्य स्थिति (कोष्टक), (3212) भवनपति निकाय में दक्षिणार्ध के इन्द्रों की उत्कृष्ट स्थिति, (3213) भवनपति निकाय में उत्तरार्ध के इन्द्रों की उत्कृष्ट स्थिति, (3214) भेद-विभाग की दृष्टि से , (3215) भीमजी (ऋषि), (3216) भेरी का दृष्टांत, (3217) भोगपुरुष, (3218) भोज(ऋषि), (3219) भोजकवृष्णि, (3220) भोजकवृष्णि-अन्धकवृष्णि, (3221) भोजकवृष्टि, (3222) भोजन की विवक्षा से पुरुषों के सुमनस्कादि त्रिविधत्व का प्ररूपण, (3223) भूधरमिश्र ऋषि, (3224) भूमिराजिदृश क्रोध, (3225) भृष्ट, (3226) भृत्य दीक्षा के अयोग्य पुरुष, (3227) बिना दोष प्रतिकमण क्यों ? वैद्यत्रयी दृष्टांत , (3228) बोलने की विवक्षा से पुरुषों के सुमनस्कादि त्रिविधत्व का प्ररूपण, (3229) ब्राह्मण कुण्ड ग्राम में ऋषभदत्त ब्राह्मण, (3230) ब्रह्मचर्य तेजस्विता : यक्ष दृष्टांत , (3231) ब्रह्मचर्य का विध्न : दृष्टिराग , (3232) ब्रह्मकृष्णदास, (3233) ब्रह्मऋषी, (3234) ब्रह्मसृष्ट, (3235) बृषाण, (3236) चालनी और तापसपात्र का दृष्टांत , (3237) चार - चार प्रकार के धार्मिक और अधार्मिक पुरुष , (3238) चार दृष्टियां , (3239) चार प्रकार के देवों में सम्यग्दृष्टियों आदि की उत्पत्ति का प्ररूपण, (3240) चारुकृष्ण, (3241) चारुषेण, (3242) चावा ऋषि, (3243) चज्ज (दृश्), (3244) चक्रकाश्रय तर्क (ज्ञप्ति दृष्टि से), (3245) चक्रकाश्रय तर्क (उत्पत्ति दृष्टि से), (3246) चलदृष्टि दोष, (3247) चन्द्र के पृष्ठ भाग पर गति करने वाले नौ नक्षत्र है, (3248) चन्द्रसृष्ट, (3249) चटाई के दृष्टांत द्वारा पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (3250) चतुर्थ पौरुषी समाचारी , (3251) चौबीसदंडकों में दृष्टान्तपूर्वक गति आदि की अपेक्षा उत्पत्ति का प्ररूपण , (3252) चौबीसदंडकों में दृष्टिजा आदि पाँच क्रियाएँ, (3253) चौबीसदंडकों में नैसृष्टिकी आदि पाँच क्रियाएँ, (3254) चौबीसदंडकों में सम्यग्दृष्टियों के आरंभिकी आदि क्रियाओं का प्ररूपण, (3255) छेदन की विवक्षा से पुरुषों के सुमनस्कादि त्रिविधत्व का प्ररूपण, (3256) छेदत्पृष्ट, (3257) छिह (स्पृश), (3258) छिप्प (स्पृश), (3259) छिव (स्पृश), (3260) छोटी त्रुटि की उपेक्षा : सारणि आदि दृष्टांत , (3261) चिकित्सा की कालावधि : आचार्य, वृषभ... , (3262) चितिकर्म में क्षुल्लक का दृष्टान्त, (3263) चंद्रभाण(ऋषि) , (3264) चोखा परिव्राजिका कथित कूपमण्डूक का दृष्टान्त, (3265) चोल्लक अनिसृष्ट, (3266) चोरों का दृष्टांत , (3267) चोथमल(ऋषि) , (3268) चुलनी पिता को देवता के कहे हुए अपनी माता को मारने के वचन श्रवण का उपसर्ग सहन न होने पर कोलाहल करना. और मायावी देव का आकाश में अदृश्य हो जाना, (3269) दानशील तप भावना अे हरेक अधिकार पर दृष्टांत कथारस, (3270) दारुसंकम, (3271) दास दीक्षा के अयोग्य पुरुष, (3272) दाव (दृश्), (3273) दच्छ (दृश्), (3274) दक्षिणार्ध - भरत के अनुपृष्ठ का आयाम, (3275) दमदंत ऋषि, (3276) दण्डपारुष्य, (3277) दरिद्रता का निदान : रत्नविक्रय दृष्टांत , (3278) दर्शनावरणीय कर्म की उत्कृष्ट स्थिति, (3279) दशदृष्टांत स्वाध्याय, (3280) दशदृष्टान्तचरित्र, (3281) दशदृष्टान्तकथानकबालावबोध, (3282) दृष्टिसृष्टिः, (3283) दीक्षा के अयोग्य पुरुष, (3284) दीक्षा-अयोग्य पुरुष (प्रवचन सारोद्धार द्वार 107), (3285) दीन-अदीन परिणति आदि की विवक्षा से पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (3286) दीप(ऋषि) , (3287) दीपक का दृष्टान्त , (3288) दीप्रादृष्टिः, (3289) दीर्घपृष्ट :, (3290) दीर्घपृष्ठ, (3291) दीस (दृश्), (3292) देह (दृश्), (3293) देखने की विवक्षा से पुरुषों के सुमनस्कादि त्रिविधत्व का प्ररूपण, (3294) देने की विवक्षा से पुरुषों के सुमनस्कादि त्रिविधत्व का प्ररूपण, (3295) देशविप्रकृष्ट :, (3296) देव कथित रोगांतक सहन न होने पर सुरादेव का कोलाहल करना और मायावी देव का आकाश में अदृश्य हो जाना , (3297) देव ऋषि, (3298) देवकथित अपनी स्वर्ण-राशि को बिखरने रूप उपसर्ग सहन न होने पर चुल्लशतक का कोलाहल करना और मायावी देव का आकाश में अदृश्य हो जाना , (3299) देवियों के दृष्टांत , (3300) देवों द्वारा वृष्टि करने की विधि और कारणों का प्ररूपण, (3301) धन्ना ऋषि चौपई, (3302) धन्नाऋषि चोपाई , (3303) धर्म में पराक्रम के लिए एलक का दृष्टांत , (3304) धर्म में पराक्रम के लिए काकिणी और आम्र का दृष्टांत , (3305) धर्म में पराक्रम के लिए वणिक का दृष्टांत , (3306) धर्मास्तिकाय : परिणमन की सदृशता , (3307) धर्मदत्त ऋषि रास, (3308) धर्मदत्तऋषि रास, (3309) धर्मपक्षीय पुरुष का वैशिस्ट्य, (3310) धर्मपक्षीय पुरुषों की प्रवृत्ति एवं परिणाम, (3311) धीर पुरुष धर्म को जानते है , (3312) धूलिदृष्टांत , (3313) धूमशिखा के दृष्टांत द्वारा स्त्रियों के चतुर्विधत्व का प्ररूपण, (3314) धृष्टाः, (3315) धृष्टार्जुन, (3316) धृष्टार्जुन :, (3317) धृष्टद्युम्न, (3318) धृतिदृष्टि, (3319) डिक्क (वृषकर्तुक गर्ज्), (3320) दिन और रात्रि की समान पौरुषी, (3321) दक्ख (दृश्), (3322) दंडफरुस, (3323) दो पौरुषी प्रत्याख्यान सूत्र, (3324) दो वसति क्यों ? वृषभ संस्थान, (3325) दूरापकृष्टि, (3326) दूत का श्रीकृष्ण के समीप आना, (3327) द्रौणिक पुरुष , (3328) द्रौपदी सहित पाण्डव और श्रीकृष्ण का आगमन, (3329) द्रव्य-भाव भावना : स्वरवेध आदि दृष्टांत , (3330) द्रव्यपुरुष, (3331) द्रव्यपुरुषवेद, (3332) दृष्ट, (3333) दृष्ट दोष, (3334) दृष्टादृष्टवन्दनक, (3335) दृष्टान्त, (3336) दृष्टांत : दुरूतक और द्रमक , (3337) दृष्टांत द्वारा आराधक-विराधक का स्वरूप , (3338) दृष्टांत से वेदत्रिक का स्वरूप, (3339) दृष्टांत--सूक्ष्म अध्व पल्योपम,

(3340) दृष्टांत--सूक्ष्म क्षेत्र पल्योपम, (3341) दृष्टांत--सूक्ष्म उद्धार पल्योपम, (3342) दृष्टांत--व्यावहारिक अध्व पल्योपम, (3343) दृष्टांत--व्यावहारिक क्षेत्र पल्योपम, (3344) दृष्टांत--व्यावहारिक उद्धार पल्योपम, (3345) दृष्टान्ताभास, (3346) दृष्टान्तपरिणामक, (3347) दृष्टांतशतक बालावबोध, (3348) दृष्टांतों से क्रोधादि कषाय का स्वरूप, (3349) दृष्टः, (3350) दृष्टसाधर्म्यवत् अनुमान, (3351) दृष्टसाधर्म्यवत् अनुमान के प्रकार , (3352) दृष्ठान्त, (3353) दृष्ठान्त के भेद, (3354) दृष्ठान्ताभास, (3355) दृष्ठान्ताभास के भेद, (3356) दृष्टि, (3357) दृष्टि न खंचइ धार, (3358) दृष्टि पदारथ, (3359) दृष्टि रक्षा, (3360) दृष्टि त्रेडवी, (3361) दृष्टि-रक्षण, (3362) दृष्टिः, (3363) दृष्टिजा क्रिया, (3364) दृष्टिक्लीब दीक्षा अयोग्य नपुंसक, (3365) दृष्टिमोह, (3366) दृष्टिमृष्टि, (3367) दृष्टिपात, (3368) दृष्टिराग, (3369) दृष्टिरागः, (3370) दृष्टिसंमोह, (3371) दृष्टिवाद, (3372) दृष्टिवाद और ध्यान , (3373) दृष्टिवाद औरर छेदसूत्र : उत्तम श्रुत , (3374) दृष्टिवाद का निर्वचन, (3375) दृष्टिवाद का स्वरूप , (3376) दृष्टिवाद का उत्सारण क्यों ?, (3377) दृष्टिवाद के अनर्ह , (3378) दृष्टिवाद के पांच प्रस्थान , (3379) दृष्टिवाद के प्रकार , (3380) दृष्टिवाद की सूक्ष्मता , (3381) दृष्टिवाद में विद्यातिशय , (3382) दृष्टिवादभेद, (3383) दृष्टिवादः, (3384) दृष्टिवादसंज्ञा, (3385) दृष्टिवादोपदेश , (3386) दृष्टिवादोपदेश संज्ञा, (3387) दृष्टिवादोपदेशिकी, (3388) दृष्टिवादोपदेशिकी संज्ञा, (3389) दृष्टिवेध, (3390) दृष्टिविपर्यासिका दण्ड, (3391) दृष्टिविषा, (3392) दृष्टिविषभावना, (3393) दृष्टियुद्ध, (3394) दृष्टयनुरागः, (3395) दुःप्रमृष्ट, (3396) दुर्वृष्टि, (3397) दुष्प्रमृष्ट, (3398) दुष्प्रमृष्टदोष, (3399) दुष्प्रमृष्टनिक्षेपाधिकरण, (3400) दुष्ट दीक्षा के अयोग्य पुरुष, (3401) दुष्ट पारांचिक : सर्षपनाल आदि दृष्टांत , (3402) द्वादशांग और श्रुतपुरुष , (3403) द्वादशांग की पौरुषेयता , (3404) द्वारिका में श्रीकृष्ण वासुदेव, (3405) द्वैपायन ऋषि, (3406) द्वैपायन ऋषि कथा, (3407) द्विपृष्ट, (3408) द्विपृष्ठ, (3409) द्विपृष्ठ वासुदेव, (3410) ईशानेन्द्र की कृष्णा आदि अग्रमहिषियों के कथानक, (3411) एक क्षेत्र में उत्कृष्ट वास, (3412) एकमूलक दीक्षा के अयोग्य पुरुष, (3413) एकवसति में जिनकल्पियों की उत्कृष्ट संख्या, (3414) एकोरुक द्वीप के पुरुषों के आकर-प्रकारादि का प्ररूपण, (3415) गज का दृष्टांत , (3416) गजसुकुमाल ऋषि रास , (3417) गजसुकुमालऋषि रास, (3418) गजसुकुमार के प्रति श्रीकृष्ण का राज्य ग्रहण प्रस्ताव., (3419) गजसुकुमार ऋषि रास, (3420) गमन की विवक्षा से पुरुषों के सुमनस्कादि त्रिविधत्व का प्ररूपण, (3421) गण प्रमाण, पुरुष प्रमाण , (3422) गणधारक के आभाव्य पुरुषयुग , (3423) गौ का दृष्टांत , (3424) गौशालक का आनन्द स्थविर के समक्ष अर्थलुब्धवणिक का दृष्टांत कहकर आक्रोश दिखाना, (3425) गीतार्थ-अगीतार्थ-चिकित्सा : गंत्री-नौका दृष्टांत , (3426) घातकी खण्ड के कपिल वासुदेव और भरत क्षेत्र के श्रीकृष्ण वासुदेव का शंख-शब्द से मिलना, (3427) घातकी खण्ड में उत्तम पुरुष, (3428) घट का दृष्टांत , (3429) ज्ञान और आचार भेद से पुरुषो के प्रकार , (3430) ज्ञानावरणीय कर्म की उत्कृष्ट स्थिति, (3431) गोपीकृष्ण, (3432) गोरसभावित क्षेत्र उत्कृष्ट क्यों ?, (3433) गोवृषमुद्रा, (3434) ग्रामवध का दृष्टांत , (3435) ग्रहों की उत्कृष्ट स्थिति, (3436) गृद्धपृष्ठ और वैहायसमरण, (3437) गृधपृष्ठ, (3438) गृद्रघ्रपृष्ठमरण, (3439) गृहस्थ का संसृष्ट आगार का विशेष स्वरूप, (3440) गृद्धपृष्ठमरण, (3441) गुणमेरुसूरि (पौर्णमिकगच्छीय), (3442) गुणपुरुष, (3443) गुणवंत(ऋषि) , (3444) गुफासिंह और महिलाद्वय दृष्टांत , (3445) गुप्त ऋषि, (3446) गुरुदास ऋषि, (3447) गुरुनिह्नवी : परिव्राजक दृष्टांत , (3448) गुरुसम्बन्धी आशातना 33, (3449) गुरुशिष्य - संवाद, (3450) गुरुशिष्य छतीसी, (3451) गुरुस्थानाभ्युपगमक्रिया, (3452) गुरुस्तुति-गुरुवाणी, (3453) हाथी का दृष्टांत , (3454) हाथी के दृष्टांत द्वारा युक्तायुक्त पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (3455) हनन की विवक्षा से पुरुषों के सुमनस्कादि त्रिविधत्व का प्ररूपण, (3456) हरिकृष्ण, (3457) हेमजी (ऋषि) , (3458) हेमपुरुष, (3459) हेमराज(ऋषि), (3460) हेतु-फल के दृष्टि से , (3461) इहार्थ-परार्थ की अपेक्षा से पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (3462) इन्द्रजी(ऋषि), (3463) इन्द्रिय-विभाग की दृष्टि से , (3464) इतरेतराश्रय तर्क (ज्ञप्ति दृष्टि से), (3465) इतरेतराश्रय तर्क (उत्पत्ति दृष्टि से), (3466) जारेकृष्ण, (3467) जाति आदि के वृषभ के दृष्टांत द्वारा युक्त-अयुक्त पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (3468) जाति-कुल-बल-रूप और जय संपन्न अश्व के दृष्टांत द्वारा पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (3469) जाति-कुल-बल-रूप-श्रुत और शील की विवक्षा से पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (3470) जातिजुङ्गित दीक्षा के अयोग्य पुरुष, (3471) जड्ड दीक्षा के अयोग्य पुरुष, (3472) जड्डुअनिसृष्ट, (3473) जधन्य और उत्कृष्ट पौरुषी, (3474) जधन्य-उत्कृष्ट आराधना , (3475) जग(ऋषि) , (3476) जगा(ऋषि), (3477) जगाऋषि, (3478) जघन्य-मध्यम-उत्कृष्ट वर्षाक्षेत्र , (3479) जज्ञ-पुरुष, (3480) जैकृष्ण, (3481) जैन शास्त्र और वैज्ञानिकों की दृष्टि से पृथ्वी संबंधी भेद (कोष्टक), (3482) जलमूक दीक्षा के अयोग्य पुरुष, (3483) जमदग्नि ऋषि, (3484) जम्बूद्वीप के भरत-ऐरवत क्षेत्रों में उत्तम पुरुष, (3485) जम्बूद्वीप के तीर्थकरों की उत्कृष्ट संख्या, (3486) जम्बूद्वीप में ऋषभकूट पर्वत, (3487) जय की विवक्षा से पुरुषों के सुमनस्कादि त्रिविधत्व का प्ररूपण, (3488) जयकृष्ण, (3489) जयमल(ऋषि) , (3490) जयमल्ल (ऋषि) , (3491) जयसिंहसूरि (कृष्णर्षिगच्छीय), (3492) जीवा(ऋषि) , (3493) जीवाजी(ऋषि) , (3494) जीवदृष्टिजा क्रिया, (3495) जीवनैसृष्टिकी, (3496) जीवनैसृष्टिकी क्रिया, (3497) जीवराज ऋषि, (3498) जीवस्पृष्टिजा क्रिया, (3499) जीवों की उत्कृष्ट कायस्थिति (कोष्टक), (3500) जीवों में कायिकी आदि क्रियाओं के स्पृष्टास्पृष्टभाव का प्ररूपण, (3501) जेकृष्ण, (3502) जेकृष्णदास, (3503) जेमल (ऋषि) , (3504) जेठा (ऋषि) , (3505) जेठा(ऋषि) , (3506) झंझपुरुष, (3507) जिन : घृतकुट दृष्टांत , (3508) जिनदत्त(ऋषि) , (3509) जिस आत्मा का दर्शनमोहत्रिक क्षय हो चुका है वह सम्यग्दृष्टि है यै असम्यग्दृष्टि ?, (3510) जंबूखावक का दृष्टांत , (3511) जंबुद्वीप की जगती का ऊपरी दृश्य (चित्र), (3512) जो (दृश्), (3513) जोबन पचीसी, ऋषभ चरित्र , (3514) जोव (दृश्), (3515) जोय (दृश्), (3516) जुंङ्गित दीक्षा के अयोग्य पुरुष, (3517) ज्योतिष्क देवों की उत्कृष्ट स्थिति, (3518) काल की दृष्टि से , (3519)

कालपुरुष, (3520) कालविप्रकृष्ट, (3521) कालिकश्रुत और दृष्टिवाद की रचनाशैली , (3522) कामासकत पुरुषो, (3523) कामदृष्टि, (3524) कान्तादृष्टिः, (3525) कारण-कार्य की दृष्टि से , (3526) कार्तिकार्य ऋषि, (3527) कायगुप्त मुनि दृष्टांत , (3528) कायगुप्ति : कूर्म दृष्टांत , (3529) कच्चे पक्के फल के दृष्टांत द्वारा पुरुषों के चतुर्भँगों का प्ररूपण, (3530) कड्ढ (कृष्), (3531) कलह-उपेक्षा से सर्वनाश : गिरगिट हाथी दृष्टांत , (3532) कनीराम ऋषि, (3533) कणेरुसेना, (3534) कणेरुसेणा, (3535) करणजड्ड दीक्षा के अयोग्य पुरुष, (3536) कर्मबंध में मोदक का दृष्टांत, (3537) कर्मचंद्र(ऋषि), (3538) कर्मजुङ्गित दीक्षा के अयोग्य पुरुष, (3539) कर्मपुरुष, (3540) कर्णऋषि, (3541) कषाय और दृष्टांत , (3542) कषाय से चारित्रनाश : कनकरस दृष्टांत , (3543) कषायदुष्ट दीक्षा के अयोग्य पुरुष, (3544) कषायो को कृश करने का पराक्रम , (3545) कथापुरुष, (3546) कयवन्ना ऋषि सज्झाय, (3547) कीदृशो नीलवर्णः ?, लेखक - मुक्तिलिलकविजय, (3548) कीदृशो नीलवर्णः ?, पत्रचर्चा - नयज्ञविजय, (3549) कीदृशो नीलवर्णः ?, पत्रचर्चा - शीलचन्द्र-निर्ग्रन्थचन्द्रविजय, (3550) कीदृशो नीलवर्णः ?, पत्रचर्चा - शीलचन्द्रविजय, (3551) केशरियाजी लावनी अथवा ऋषभदेव स्तव , (3552) केशव (ऋषि), (3553) केशव ऋषि (श्रीधर), (3554) केशिकुमार निर्दिष्ट " जीव की अदृश्यता ", (3555) केशिकुमार श्रमण के वक्तव्य में - " काष्ठगत अग्नि के दृष्टान्त से जीव का अदर्शन ", (3556) केशिकुमार श्रमण के वक्तव्य में - " लोह (धातु) धारक का दृष्टान्त पश्चात्ताप के निषेध का प्ररूपण, (3557) केवलान्वयी दृष्टान्त, (3558) खेचर जीवनी उत्कृष्टथी धनुष्पृथकत्वनी अवगाहना, जिज्ञासा - राजहेमविजय, (3559) खेचर जीवनी उत्कृष्टथी धनुष्पृथकत्वनी अवगाहना, समाधान - श्रुतांगचन्द्रविजय, (3560) खिमऋषि, (3561) खिमऋषि पारणा, (3562) खिमऋषि पारणां , (3563) खंच (कृष्), (3564) खंड कृष्टि, (3565) खंधक ऋषि चौपई , (3566) किम्पुरुष, (3567) किं पुरुष, (3568) किंपुरुष, (3569) किस गति से निकले हुए जीव एक समय में उत्कृष्टः कितने सिद्ध होते है ?, (3570) कंचुकी पुरुष द्वारा निवेदन, (3571) कोद्रव का दृष्टांत , (3572) कूर्म का दृष्टान्त , (3573) कूटागार के दृष्टांत द्वारा पुरुषों के चतुर्भँगों का प्ररूपण, (3574) कोरक के दृष्टांत द्वारा पुरुषों के चतुर्भँगों का प्ररूपण, (3575) क्रमसृष्टिः, (3576) क्रियादृष्टि, (3577) क्रोध : मरुक दृष्टांत , (3578) कृश और दृढ़ की विवक्षा से पुरुषों के चतुर्भँगों का प्ररूपण, (3579) कृषक का उदाहरण , (3580) कृशतणुं, (3581) कृषि, (3582) कृशि-कटी, (3583) कृषिकर्म, (3584) कृषिकर्मार्य, (3585) कृषिपाराशर, (3586) कृष्ण, (3587) कृष्ण (चौलुक्य नृपति), (3588) कृष्ण + श्रेणिक, (3589) कृष्ण आचार्य कथा, (3590) कृष्ण बारमास , (3591) कृष्ण लेश्या, (3592) कृष्ण लेश्या के परिणाम , (3593) कृष्ण महाराजाए सातमी नरकनी त्रीजी नरक क्यारे अने कारणथी करी ?, लेखक - तीर्थतिलकविजय, (3594) कृष्ण रूक्मिणी मंगल , (3595) कृष्ण रूक्मिणी विवाहलो , (3596) कृष्ण रुक्मिणी बेलि बाल, (3597) कृष्ण रुक्मिणी बेलि टव्वा, (3598) कृष्ण रुक्मिणी बेलि टीका, (3599) कृष्ण रुक्मिणि बेलि भाषा टीका, (3600) कृष्ण वासुदेव, (3601) कृष्ण वर्ण, (3602) कृष्ण वेली , (3603) कृष्ण विरहना महिना , (3604) कृष्ण-भगां, (3605) कृष्ण-नील-कापोतलेश्यी अभवसिद्धिक एकेन्द्रियों के भेद-प्रभेदों का प्ररूपण, (3606) कृष्ण-नील-कापोतलेश्यी पृथ्वी-अप्-वनस्पति-कायिकों में अन्त :क्रिया का प्ररूपण, (3607) कृष्ण-शुक्लपाक्षिक की अपेक्षा, (3608) कृष्णा, (3609) कृष्णा (आर्या), (3610) कृष्णा का महासिंहनिष्क्रीडित तप और सिद्धगति, (3611) कृष्णा कथा, (3612) कृष्णाबाई, (3613) कृष्णाभ, (3614) कृष्णाचार्य, (3615) कृष्णादि भावी तीर्थकर चातुर्यामधर्म के उपदेशक होंगे, (3616) कृष्णादि लेश्या विशिष्ट चौबीसदंडकों में समाहारादि सात द्वार, (3617) कृष्णागर, (3618) कृष्णागुरु, (3619) कृष्णानंद, (3620) कृष्णाराणी, (3621) कृष्णावतंसक, (3622) कृष्णचरित्र, (3623) कृष्णदास, (3624) कृष्णदासी, (3625) कृष्णगिरि, (3626) कृष्णगोपी विरहमेलापक भ्रमरगीता , (3627) कृष्णगोपीविरहमेलापकफागु, (3628) कृष्णगुलिका, (3629) कृष्णजी, (3630) कृष्णकर्म, (3631) कृष्णक्रीडा, (3632) कृष्णक्रीडित, (3633) कृष्णकुळ, (3634) कृष्णकुमार, (3635) कृष्णलेश्या, (3636) कृष्णलेश्या (द्रव्य), (3637) कृष्णलेश्यारस, (3638) कृष्णलेश्यी भवसिद्धिक एकेन्द्रिय जीवों के भेद-प्रभेदों का प्ररुपण, (3639) कृष्णलेश्यी एकेन्द्रियों के भेद-प्रभेदों का प्ररूपण, (3640) कृष्णमिश्र, (3641) कृष्णमुनि, (3642) कृष्णना त्रीजा भवनी घटना, जिज्ञासा - तीर्थतिलकविजय, (3643) कृष्णपाक्षिक, (3644) कृष्णपक्ष, (3645) कृष्णपरिव्राजक, (3646) कृष्णराज, (3647) कृष्णराजी, (3648) कृष्णराजि, (3649) कृष्णराजि (आर्या), (3650) कृष्णराजि कथा, (3651) कृष्णराजि-तमस्काय , (3652) कृष्णराजियों देवकृत मेघ आदि का अस्तित्व, (3653) कृष्णराजियों के आयाम-विष्कम्भ का प्ररूपण, (3654) कृष्णराजियों के नाम, (3655) कृष्णराजियों के परिणामत्व का प्ररूपण, (3656) कृष्णराजियों के वर्ण का प्ररूपण, (3657) कृष्णराजियों की संख्या और स्थानों का प्ररूपण, (3658) कृष्णराजियों में " गृह " आदि के अभाव का प्ररूपण, (3659) कृष्णराजियों में अप्कायिकों के अभाव का प्ररूपण, (3660) कृष्णराजियों में चन्द्र आदि के अभाव का प्ररूपण, (3661) कृष्णराजियों में सभी प्राणियों की पूर्वोत्पत्ति का प्ररूपण, (3662) कृष्णराम , (3663) कृष्णराम(महाराज), (3664) कृष्णर्षिगच्छ, (3665) कृष्णर्षिगच्छ का संक्षिप्त इतिहास , (3666) कृष्णऋकिमणि वेल , (3667) कृष्णऋक्मिणी चोपाई , (3668) कृष्णरुक्मिणी वेल , (3669) कृष्णसह, (3670) कृष्णसर्प, (3671) कृष्णश्री, (3672) कृष्णतृण - मणियों का इष्टतर कृष्णवर्ण, (3673) कृष्णवासुदेव, (3674) कृष्णवर्णनाम, (3675) कृष्णवेली बालावबोध , (3676) कृष्णवेणा, (3677) कृष्णवेन्ना, (3678) कृष्णविजय, (3679) कृष्णविजय शिष्य, (3680) कृष्णविजयशिष्य, (3681) कृष्णो, (3682) कृष्णोदास, (3683) क्रुष्ट, (3684) कृष्ट, (3685) कृष्टयुत्तरावतंसक, (3686) कृष्टि, (3687) कृष्टिधोष, (3688) कृष्टिध्वज, (3689) कृष्टिकावर्त, (3690) कृष्टिकरण, (3691) कृष्टिकरणाद्धा, (3692) कृष्टिलेश्य, (3693) कृष्टिप्रभ, (3694) कृष्टिशिष्ट, (3695) कृष्टिशृङ्ग, (3696) कृष्टिवर्ण, (3697) कृष्टिवेदगद्धा, (3698) कृष्टियुक्त, (3699) कृति कर्म में कृष्ण और वीरक शालवी का दृष्टान्त, (3700) क्षेत्र-प्रवेश-विधि : पौरुषी निषेध , (3701) क्षेत्रपुरुष, (3702) क्षुल्लक ऋषि चौपई, (3703) कुदृष्टि, (3704)

कुदृष्टिः, (3705) कुरगडु ऋषि रास , (3706) कुसुमवृष्टिः, (3707) लाइआ(ऋषि) शिष्य, (3708) लालचंद (ऋषि), (3709) लालकृष्ण, (3710) लइया ऋषि शिष्य, (3711) लक्षण की दृष्टि से , (3712) ललितघटा पुरुषो, (3713) लङ्घनस्येवे\'ति दृष्टान्तस्य निरसनत्रयम्, लेखक - त्रैलोक्यमंडनविजय, (3714) लव जी ऋषि (आचार्य), (3715) लवणादि समुद्रों में वृष्टि और बाह्य समुद्रों में अनावृष्टि, (3716) लेप के प्रकार : उत्कृष्ट-मध्यम-जघन्य , (3717) लेश्याओं की जघन्य-उत्कृष्ट स्थिति, (3718) लेटकर ली जाने वाली आतापना उत्कृष्ट , (3719) लिंगधारक श्रेणिबाह्य : शर्कराघट दृष्टांत , (3720) लोभ : आर्य मंगु दृष्टांत , (3721) लोकसृष्ट, (3722) लोकोत्तर विनय बलवान् : गंगा दृष्टांत , (3723) माधव (ऋषि) , (3724) माकंदी-पुत्रों का शैलक यक्ष के पृष्ठ पर आरोहण करना, (3725) मालवी ऋषिनी सज्झाय, (3726) मालवीऋषि सझाय , (3727) मालवीऋषिनी सझाय , (3728) मान : अत्वंकारी भट्टा दृष्टांत , (3729) मान-उन्मान-प्रमाण पुरुष , (3730) मारते हुए पुरुष के वैर स्पर्शन का प्ररूपण, (3731) मार्ग के दृष्टांत द्वारा पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (3732) मार्गज्ञ, नर्तकी और तैराक का दृष्टान्त , (3733) मार्जारी और जाहक का दृष्टांत , (3734) मातापितृसमान, (3735) मातृस्थानतः, (3736) मातृस्थानं, (3737) माया : पांडुरा आर्या दृष्टांत , (3738) मायामृषा, (3739) मायामृषा पाप, (3740) मायामृषा पापस्थान, (3741) मायामृषावाद, (3742) मायिमिथ्यादृष्टि, (3743) मधु-विष कुंभ के दृष्टांत द्वारा पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (3744) मधुसिक्थादि गोलों के दृष्टांत द्वारा पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (3745) महाज्वर का दृष्टांत , (3746) महाकृष्ण, (3747) महाकृष्णा, (3748) महाकृष्णा कथा, (3749) महाकृष्णा की लघु सर्वतोभद्रप्रतिमा और सिद्धगति, (3750) महाकृष्णकुमार कथा, (3751) महामिथ्यादृष्टिः, (3752) महापुरुष, (3753) महापुरुषाः, (3754) महापुरुषदत्ता, (3755) महासेन कृष्णाकुमारी, (3756) महासेनकृष्ण, (3757) महासेनकृष्ण कथा, (3758) महासेनकृष्णा, (3759) महासेनकृष्णा का आयम्बिल वर्धमान तप. और सिद्धगति, (3760) महासेनकृष्णा कथा, (3761) महऋषि, (3762) महत्तर (नियुक्त कोटुम्बिक) पुरुषों ने श्रेणिक के समक्ष भगवान् के आगमन का निवेदन किया, (3763) महेन्द्रसूरि [कृष्णर्षिगच्छीय], (3764) महिष और मेष का दृष्टांत , (3765) मैत्राणा मंडन ऋषभदेव जिन (उत्पत्तिनुं) स्तव , (3766) मल्लक का दृष्टांत , (3767) मनजी (ऋषि) , (3768) मनजी ऋषि अथवा मानेकचन्द्र, (3769) मन्मनमूक दीक्षा के अयोग्य पुरुष, (3770) मनोगुप्ति : श्रेष्ठिपुत्र मुनि दृष्टांत , (3771) मनुष्य भव की दुर्लभता : दस दृष्टांत , (3772) मरह (मृष्), (3773) मरुद्वृषभकल्पा, (3774) मशक और जलौका का दृष्टांत , (3775) मेधाऋषि, (3776) मेघ के दृष्टांत द्वारा माता-पिता के चतुभँगों का प्ररूपण, (3777) मेघ के दृष्टांत द्वारा पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (3778) मेघ के दृष्टांत द्वारा राजा के चतुभँगों का प्ररूपण, (3779) मेघजी ऋषि, (3780) मेरुषेणा, (3781) मेरुसुन्दर, (3782) मेरुसुंदर (गणि) , (3783) मेरुसुन्दर उपाध्याय [खरतरगच्छीय], (3784) मेरुसुन्दर [खरतरगच्छीय वाचनाचार्य रत्नमूर्ति के शिष्य], (3785) मेरुसुंदर(उपाध्याय) , (3786) मेतारी ऋषि चौपइ, (3787) मेतार्य ऋषि चोपाई , (3788) मेत्राणामंडन ऋषभ स्तवन , (3789) मेयभक्तऋषि, (3790) मिशदृष्टि, (3791) मिथ्या दृष्टि, (3792) मिथ्यादृष्टि, (3793) मिथ्यादृष्टि चौबीसदंडकों में आरंभिकी आदि क्रियाओं का प्ररूपण, (3794) मिथ्यादृष्टि गुणस्थान, (3795) मिथ्यादृष्टि का ज्ञान अज्ञान स्वरूप, (3796) मिथ्यादृष्टि-सम्यग्दृष्टि की श्रद्धा में अन्तर , (3797) मिथ्यादृष्टिः, (3798) मिथ्यादृष्टिसेवा, (3799) मिथ्यादृष्टिसंस्तव, (3800) मिथ्याज्ञादृष्टि, (3801) मिथ्यात्वपराप्ति का हेतु और दृष्टांत , (3802) मिथ्यदृष्टि, (3803) मित्र-अमित्र के दृष्टांत द्वारा पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (3804) मित्रादृष्टिः, (3805) मंगल का प्रयोजन : नृप आदि दृष्टांत , (3806) मोहक्षय : तल, सेनापति आदि दृष्टांत , (3807) मोहनीय कर्म की उत्कृष्ट स्थिति, (3808) मूढ़ दीक्षा के अयोग्य पुरुष, (3809) मूक-अमुख की दृष्टि से , (3810) मूल कर्मप्रकृतियों की जधन्योत्कृष्ट बंध स्थिति आदि का प्ररूपण, (3811) मूल(ऋषि) , (3812) मूलचंद ऋषि, (3813) मूळचंदजी(ऋषि) , (3814) मूढ़दृष्टि, (3815) मृषा, (3816) मृषा आदि भाषाओं का निषेध , (3817) मृषा उपदेश, (3818) मृषा विरति, (3819) मृषाभाषा, (3820) मृषाभाषा के प्रकार , (3821) मृषाक्रिया, (3822) मृषामनयोग, (3823) मृषानन्द, (3824) मृषानन्दरौद्रध्यान, (3825) मृषानंदी रौद्रध्यान, (3826) मृषानुबन्धी, (3827) मृषाप्रत्यय, (3828) मृषारौद्रध्यान, (3829) मृषावाद, (3830) मृषावाद - विरमण या सत्य महाव्रत की पाँच भावना , (3831) मृषावाद आश्रव, (3832) मृषावाद का फल, (3833) मृषावाद का स्वरूप, (3834) मृषावाद के छह कारण , (3835) मृषावाद के पर्यायवाची नाम, (3836) मृषावाद पाप, (3837) मृषावाद पापस्थान, (3838) मृषावाद वर्णन का उपसंहार, (3839) मृषावाद विरमण महाव्रत की पाँच भावना , (3840) मृषावादविंरमण, (3841) मृषावादविरमण, (3842) मृषावादविरमण व्रत, (3843) मृषावादी, (3844) मृषावाक्, (3845) मृषावचन, (3846) मृषोपदेश, (3847) मृष्टा, (3848) मृष्टान्नार्थो, (3849) मुद्गशैल और घन का दृष्टांत , (3850) मुक्त-अमुक्त के दृष्टांत द्वारा पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (3851) मुनिचन्द्रगुरुस्तुति, (3852) मुनिपतिराजऋषिचरित, (3853) नालीधमक दृष्टांत , (3854) नाम गोत्र कर्म की उत्कृष्ट स्थिति, (3855) नामपुरुष, (3856) नानजी(ऋषि) , (3857) नारकों के आयुष्य की उत्कृष्ट स्थिति, (3858) नासाग्रन्यस्तदृष्टिः एटले शुं ?, लेखक - हेमनिलयविजय, (3859) नगर्षि गणि (नगा ऋषि), (3860) नैपुणिक पुरुषों के प्रकार, (3861) नैसृष्टिकी क्रिया, (3862) नक्षत्रों की उत्कृष्ट स्थिति, (3863) नमिराज ऋषि संधि , (3864) नन्दसृष्ट, (3865) नपुंसक दीक्षा के अयोग्य पुरुष, (3866) नरक में तृषा वेदना, (3867) नरवृषभ, (3868) नरवृष्टि, (3869) नौ ग्रैवेयक, विजयादि चार और सर्वार्थसिद्ध विमान की उत्कृष्ट स्थिति, (3870) नवल ऋषि, (3871) नय : विभिन्न वृष्टांत , (3872) नेमि स्तवन , ऋषभ स्तवन , (3873) नि :सृष्टार्थ, (3874) निअ (दृश्), (3875) णिअ (दृश्), (3876) णिअच्छ (दृश्), (3877) निअच्छ (दृश्), (3878) णिअड्ढ (नि + कृष्), (3879) णिअक्क (दृश्), (3880) णिहा (दृश्), (3881) निक्षेप दृष्टि, (3882) निरपेक्ष राजा की मृत्यु : मूलदेव दृष्टांत , (3883) निरवशेष असंसृष्ट ग्रहणैषणा, (3884) निर्ग्रन्थी का पुरुषत्व के लिए निदान करना , (3885)

निरंतर प्रतिसेवी और कृतिकर्म : दृष्टांत , (3886) निषद्या की अनिवार्यता : राजा-नापित दृष्टांत , (3887) निश्चयनयनी दृष्टिए अदत्तादाननुं स्वरूप, जिज्ञासा - हेमनिलयविजय, (3888) निश्चयनयनी दृष्टिए अदत्तादाननुं स्वरूप, समाधान - शीलचन्द्रविजय, (3889) निशीथविस्मृति के हेतु : वैद्य दृष्टांत , (3890) निषिद्ध के हेतु : स्कन्दक दृष्टांत , (3891) निष्कृष्ट-अनिष्कृष्ट के भेद से पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (3892) निसृष्ट, (3893) निसृष्टार्थ, (3894) निसृष्टः, (3895) नोआगमभावदृष्टिवाद, (3896) नोआगमभावी दृष्टिवाद, (3897) नृशंसत्व, (3898) न्यूनाधिक प्रायश्चित्त : रत्नवणिक् दृष्टांत , (3899) ओअक्ख (दृश्), (3900) ऊसुरुसुंभ, (3901) ऊसुरुसुंभिअ, (3902) पाँच उत्कृष्ट , (3903) पादोनपौरुषी-छायाप्रमाण , (3904) पादोनपौरुषो, (3905) पालक और शाम्ब का दृष्टान्त, (3906) पाण्डव सहित श्रीकृष्ण का द्रौपदी को लाने के लिये घातकी खण्ड की ओर प्रयाण, (3907) पांडुक वन का ऊपरी दृश्य (चित्र), (3908) पाप का परामर्श देने वाले मृषावादी, (3909) पारंचिक की जिनकल्पी सदृश चर्या , (3910) पार्श्व स्तवन , ऋषभ स्तवन, (3911) पार्श्व स्तवन, नेमि स्तवन, ऋषभ स्तवन, (3912) पात्रलेप क्यों ? सती का दृष्टांत , (3913) पदार्थ : आध्यात्मिक दृष्टिकोण , (3914) पदेक्ख (प्र + दृश्), (3915) पद्मनाभ का श्रीकृष्ण का शरण स्वीकार करना, (3916) पद्मनाभ के समीप श्रीकृष्ण ने दूत भेजा, (3917) पहले उपस्थापना किसकी ? दण्डिक दृष्टांत , (3918) पक्षी के दृष्टांत द्वारा स्वर और रूप की विवक्षा से पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (3919) पक्ष्मसृष्ट, (3920) पण्डुराजा ने कुन्ती को श्रीकृष्ण के पास भेजा और द्रौपदी अन्वेषण के लिए कहा, (3921) परादृष्टिः, (3922) पराजय की विवक्षा से पुरुषों के सुमनस्कादि त्रिविधत्व का प्ररूपण, (3923) परधनापहारक मृषावादी, (3924) परमपुरुष, (3925) परम्परादृष्टान्त, (3926) परम्परोपपन्नक कृष्णलेश्यी एकेन्द्रियों के भेद-प्रभेदों का प्ररूपण, (3927) परतुलना (शिष्य-परीक्षा) स्नुषा दृष्टांत , (3928) परिभोगैषणा-विवेक : आर्य मांगू-समुद्र दृष्टांत , (3929) परिज्ञात-अपरिज्ञात की अपेक्षा पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (3930) परिग्रह के निकृष्टता , (3931) परिहारविशुद्धि चारित्र उत्कृष्टथी 1000 पुरुष स्वीकारे, जिज्ञासा - निर्ग्रन्थचन्द्रविजय, (3932) परिनिय (परि + दृश्), (3933) परिपूणक और हंस का दृष्टांत , (3934) परिवादादिदोषत्रयास्पृष्ट, (3935) परोक्षदृष्टि, (3936) परुष, (3937) परुषदोष, (3938) पर्वतराजिसदृश क्रोध, (3939) पर्युषणाकाल : जघन्य-उत्कृष्ट ज्येष्ठावग्रह , (3940) पत्र के दृष्टांत द्वारा पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (3941) पत्तों आदि से युक्त वृक्ष के दृष्टांत द्वारा पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (3942) पौरुष, (3943) पौरुषघ्नी, (3944) पौरुषघ्नी भिक्षा, (3945) पौरुषी, (3946) पौरुषी का अर्थ, (3947) पौरुषी का कालमान , (3948) पौरुषी का प्रमाणकाल , (3949) पौरुषी पच्चक्खाण, (3950) पौरुषी प्रत्याख्यान सूत्र, (3951) पौरुषी विज्ञान , (3952) पौरुषी-छाया का निष्पादन, (3953) पौरुषी-छाया का निवर्तन, (3954) पौरुषी-छाया का प्रमाण, (3955) पौरुषी-छाया उत्पत्ति, (3956) पौरुषीमण्डल, (3957) पौरुषेय, (3958) पौरुषेयत्वम्, (3959) पौरुषोमण्डल , (3960) पवित्र-अपवित्र मन संकल्पादि की विवक्षा से पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (3961) पवित्र-अपवित्र वस्त्रों के दृष्टांत द्वारा पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (3962) पयापान दृष्टांत , (3963) पेच्छ (दृश्), (3964) पीने की विवक्षा से पुरुषों के सुमनस्कादि त्रिविधत्व का प्ररूपण, (3965) फास (स्पृश्), (3966) फरिस (स्पृश्), (3967) फरुस, (3968) फरुसा, (3969) फरुसासी, (3970) फरुसग, (3971) फरुससाला, (3972) फरुसवयण, (3973) फरुसय, (3974) फंस (स्पृश्), (3975) पितृसेनकृष्ण, (3976) पितृसेनकृष्ण कथा, (3977) पितृसेनकृष्णा, (3978) पितृसेनकृष्णा का मुक्तावली तप और सिद्धगति, (3979) पितृसेनकृष्णा कथा, (3980) पंचरत्नवृष्टि, (3981) पंजर शब्द के अर्थ : शकुनि दृष्टांत , (3982) पूजा कर्म पर दो राजसेवकों का दृष्टान्त, (3983) पूज्य पुरुषों के आहार के ग्रहण करने की विधि-निषेध , (3984) पूंजा (ऋषि) , (3985) पूंजाऋषि रास , (3986) पूर्ण-तुच्छ कुंभ के दृष्टांत द्वारा पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (3987) पूर्व पुरुषों के दृष्टांत से संयम शिथिल मुनि , (3988) पूर्वधर : दृष्टि और श्रुत , (3989) पूर्वधर : नालिका दृष्टांत , (3990) पोरुस, (3991) पोरुसा, (3992) पोरुसादा, (3993) पोरुसी, (3994) पोरुष, (3995) पोरुषी, (3996) पोरुसं, (3997) प्रामृष्य, (3998) प्राप्ति-अप्राप्ति की विवक्षा से पुरुषों के सुमनस्कादि त्रिविधत्व का प्ररूपण, (3999) प्रासारिकपुरुष, (4000) प्रातराश और सूत्रपौरुषी , (4001) प्रायश्चित्त में नानात्व और विशोधि : घट-पट दृष्टांत , (4002) प्रायोपगमन अनशन : पादप-मेरु दृष्टांत , (4003) प्रभादृष्टिः, (4004) प्रभावक पुरुष, (4005) प्रदेश का दृष्टान्त , (4006) प्रदेशी राजा का गृहस्थ धर्म स्वीकार करना और रमणीय-अरमणीय होने के सम्बन्ध में वन खण्ड आदि के दृष्टान्त., (4007) प्रजननपुरुष, (4008) प्रकृष्ट, (4009) प्रमृशा, (4010) प्रस्थक का दृष्टान्त , (4011) प्रस्थक, वसति और प्रदेश का दृष्टान्त , (4012) प्रथम पौरुषी की समाचारी , (4013) प्रतिबद्ध शय्या-निषेध : पूपलिकाखाद दृष्टांत , (4014) प्रतिदृष्टान्तसमा जाति, (4015) प्रतिमाधारी को स्त्री-पुरुष का उपसर्ग , (4016) प्रतिरूप विनय : श्वेत काक आदि दृष्टांत , (4017) प्रतिवृषभग्राम :, (4018) प्रवचन आदि का विच्छेद : घंटाश्रृंगाल दृष्टांत , (4019) प्रव्रज्या को कृषि की उपमा , (4020) प्रयोजनवश वैहायस-गृध्रपृष्ठमरण सम्मत , (4021) प्रीति और अप्रीति की विवक्षा से पुरुषों के चतुर्विधत्व का प्ररूपण, (4022) पृष्ठ, (4023) पृष्ठचंपा, (4024) पृष्ठमांसकत्व, (4025) पृष्ठत : अन्तगत अवधि, (4026) पृष्ठतः अंतगत , (4027) पृष्ठतः अन्तगत अलधिज्ञान, (4028) पृष्ठवंश, (4029) पृष्ठिमातृक, (4030) पृष्टिमातृक कथा, (4031) पृथकत्वनी उत्कृष्टथी 9 नी संख्या ज आपी दे तो शुं वांधो ?, जिज्ञासा - राजहेमविजय, (4032) पृथकत्वनी उत्कृष्टथी 9 नी संख्या ज आपी दे तो शुं वांधो ?, समाधान - मलयगिरि-प्रेमहंसविजय, (4033) पृथिवीराजिसदृश क्रोध, (4034) पृथ्वी आदि की दृश्यता , (4035) पृथ्वीराज कृष्णवेली बालावबोध , (4036) पुज्ज ऋषि चौपइ, (4037) पुल (दृश्), (4038) पुलअ (दृश्), (4039) पुलोअ (दृश्), (4040) पुम्म (दृश्), (4041) पुणअ (दृश्), (4042) पुंजा ऋषि, (4043) पुण्यबंध से मुक्ति कैसे ? धान्यपल्य दृष्टांत , (4044) पुराणपुरुष, (4045) पुराणपुरुषोत्तम, (4046) पुरुस, (4047) पुरुसादाणिज्ज, (4048) पुरुसलउ, (4049) पुरुसवेय, (4050) पुरुष,

(4051) पुरुष आपात स्थंडिलभूमि, (4052) पुरुष अश्व हस्ति आदि कों मारते हुए अन्य जीवों के भी हनन का प्ररूपण, (4053) पुरुष ज्येषेठ धर्म कल्प, (4054) पुरुष को मारने वाले की क्रियाओं का प्ररूपण, (4055) पुरुष पुण्डरीक, (4056) पुरुष पुंडरिक, (4057) पुरुषा, (4058) पुरुषादानीय, (4059) पुरुषादानीय पार्श्व के कल्याणक नक्षत्र , (4060) पुरुषादानिय, (4061) पुरुषाद्वैत, (4062) पुरुषाक्रम, (4063) पुरुषाकृति रुपे 14 राजलोक , (4064) पुरुषाकृति रुपे रहेल 14 राजलोक , (4065) पुरुषान्तकरभूमि, (4066) पुरुषान्तरकृत, (4067) पुरुषांतरकृत परिकर्मित शय्या कल्पनीय , (4068) पुरुषार्थ, (4069) पुरुषार्थः, (4070) पुरुषार्थसिद्धयुपाय, (4071) पुरुषभेद से प्रायश्चित्त में भेद , (4072) पुरुषच्छाया, (4073) पुरुषज्ञान, (4074) पुरुषः, (4075) पुरुषकार, (4076) पुरुषकारः, (4077) पुरुषक्लीव दीक्षा के अयोग्य पुरुष, (4078) पुरुषलिंग, (4079) पुरुषलिंग सिद्ध, (4080) पुरुषलिंगसिद्ध, (4081) पुरुषलिङ्गसिद्धकेवलज्ञान, (4082) पुरुषपण, (4083) पुरुषपपुण्डरीक (वासुदेव), (4084) पुरुषपुण्डरीक, (4085) पुरुषपुंडरीक वासुदेव, (4086) पुरुषपुर, (4087) पुरुषरयण, (4088) पुरुषर्षभ, (4089) पुरुषसेन, (4090) पुरुषसेन-1 कथा, (4091) पुरुषसेन-2 कथा, (4092) पुरुषसिंह, (4093) पुरुषसिंह (वासुदेव), (4094) पुरुषसिंह वासुदेव, (4095) पुरुषवेद, (4096) पुरुषवेद में श्रेणि आरम्भ करनें वाले की प्रक्रिया, (4097) पुरुषवेदोत्कृष्टप्रदेशसत्कर्मस्वामी, (4098) पुरुषविद्या, (4099) पुरुषविज्ञान, (4100) पुरुषविलय :, (4101) पुरुषवृक्षभा, (4102) पुरुषयुग, (4103) पुरुषों का अल्पबहुत्व, (4104) पुरुषों के चार प्रकारों का प्ररूपण, (4105) पुरुषोत्तम, (4106) पुरुषोत्तम (वासुदेव), (4107) पुरुषोत्तम वासुदेव, (4108) पुरुषोत्तमा, (4109) पुरुषोत्तमाः, (4110) पुष्करवर द्वीपार्ध में उत्तम पुरुष, (4111) पुष्प के दृष्टांत द्वारा पुरुषों के रूप शील संपन्नता के चतुभँगों का प्ररूपण, (4112) पुष्पचूल दृष्टांत , (4113) पुष्पसृष्ट, (4114) पुष्पवृष्टि, (4115) राधाकृष्ण बारमास, (4116) राधाकृष्ण नो रास , (4117) राजापकारी दीक्षा के अयोग्य पुरुष, (4118) राजु(ऋषि) , (4119) रामदास ऋषि, (4120) रामकृष्ण, (4121) रामकृष्ण चौपइ, (4122) रामकृष्ण चोपाई , (4123) रामकृष्णा, (4124) रामकृष्णा कथा, (4125) रामकृष्णा की भद्रोत्तर प्रतिमा और सिद्धगति, (4126) रामकृष्णकुमार कथा, (4127) रात्निक पुरुषों के प्रकार, (4128) रात्रिपौरुषी विज्ञान , (4129) रायचंद (ऋषि), (4130) रतन ऋषि, (4131) रतनसी ऋषि नी भास, (4132) रत्नावलि का दृष्टान्त , (4133) रत्नद्वीप की देवी का माकंदी पुत्रों को दृष्टिविष सर्प के समीप जाने का निषेध, (4134) रत्नवृष्टि, (4135) रविकृष्ण, (4136) रंगमंडन ऋषि, (4137) रोग की उपेक्षा से हानि : वृक्ष और ऋण दृष्टांत , (4138) रूघनाथ (ऋषि) , (4139) रूप ऋषि, (4140) रूपचंद ऋषिरास, (4141) रूपचंदऋषिनो रास , (4142) रूपऋषि, (4143) रूपसेन ऋषि रास, (4144) रूपसेनऋषि रास , (4145) ऋजु वक्र मन संकल्पादि की विवक्षा से पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (4146) ऋजु वक्र वृक्षों के दृष्टांत द्वारा पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (4147) ऋजुजड़ शिष्य : नाटचप्रेक्षण दृष्टांत , (4148) ऋणार्त्त दीक्षा के अयोग्य पुरुष, (4149) रुपसेन ऋषि रास, (4150) रुस, (4151) रुसल्य, (4152) रुसी, (4153) ऋषभ, (4154) ऋषभ चरित्र , (4155) ऋषभ जन्म, (4156) ऋषभ जिन स्तवन , (4157) ऋषभ जिन-चरित्र, (4158) ऋषभ जिनस्तव, (4159) ऋषभ का अभिनिष्क्रमण , (4160) ऋषभ का जन्म , (4161) ऋषभ का प्रमाद काल , (4162) ऋषभ के पूर्वभव , (4163) ऋषभ की प्रथमता , (4164) ऋषभ कुलकर, (4165) ऋषभ नामकरण , (4166) ऋषभ पंचाशिका बालावबोध, (4167) ऋषभ प्रतिष्ठा स्तवन , (4168) ऋषभ समता सरलता स्तवन, (4169) ऋषभ स्तवन , (4170) ऋषभ स्वर , (4171) ऋषभ विवाहलो, (4172) ऋषभ(कवि), (4173) ऋषभ :, (4174) ऋषभा, (4175) ऋषभादि तीर्थंकरों से पर्युषण-कल्प-स्थापन-समय-निरूपण, (4176) ऋषभानन स्वामी (विहरमान तीर्थंकर), (4177) ऋषभदास, (4178) ऋषभदास (कवि), (4179) ऋषभदास निगोता, (4180) ऋषभदासगीत, (4181) ऋषभदत्त, (4182) ऋषभदत्त (गाथापति), (4183) ऋषभदत्त और देवानन्दा का दर्शनार्थ आगमन, (4184) ऋषभदत्त और देवानंदा की महावीर-दर्शनाभिलाषा, (4185) ऋषभदत्त ब्राह्मण, (4186) ऋषभदत्त चौपई, (4187) ऋषभदत्त चोपाई, (4188) ऋषभदत्त कथा, (4189) ऋषभदत्त की भार्या देवानन्दा, (4190) ऋषभदत्त की प्रव्रज्याभिलाषा, (4191) ऋषभदत्त की सिद्धगति, (4192) ऋषभदत्त रूपवती चौपाई, (4193) ऋषभदत्त रूपवती चोपाई, (4194) ऋषभदत्तः, (4195) ऋषभदेव, (4196) ऋषभदेव (तीर्थंकर), (4197) ऋषभदेव (१७ वी शताब्दी के कवि), (4198) ऋषभदेव भगवान, (4199) ऋषभदेव नमस्कार , (4200) ऋषभदेव रास, (4201) ऋषभदेव स्तवन, (4202) ऋषभदेव विवाहलु, (4203) ऋषभदेव विवाहलु धवल , (4204) ऋषभदेवनो रास , (4205) ऋषभदेवस्तवन, (4206) ऋषभदेवविवाहलुघवलबंध, (4207) ऋषभकूट, (4208) ऋषभकूट पर्वत की अवस्थिति और प्रमाण, (4209) ऋषभमण्डलप्रविभक्ति :, (4210) ऋषभनाराच , (4211) ऋषभनाराच संहनन, (4212) ऋषभनाराचसंहनन, (4213) ऋषभनाथ, (4214) ऋषभनाथ की धूलि, (4215) ऋषभपंचाशिका बालावबोध, (4216) ऋषभपुर, (4217) ऋषभरास, (4218) ऋषभसागर, (4219) ऋषभसेन, (4220) ऋषभसेन गणधर, (4221) ऋषभस्तव, (4222) ऋषभस्वामी, (4223) ऋषभस्वामिन्, (4224) ऋषभविजय, (4225) ऋषि, (4226) ऋषि आत्रेय , (4227) ऋषि गजसुकुमाल अंगे, लेखक - शीलचन्द्रविजय, (4228) ऋषि रायचंद, (4229) ऋषिः, (4230) ऋषिभाषित, (4231) ऋषिभाषितानि, (4232) ऋषिभद्रपुत्र, (4233) ऋषिभद्रपुत्र कथा, (4234) ऋषिभद्रपुत्रादिक श्रमणोपासक, (4235) ऋषिभजिन स्तवन , (4236) ऋषिदास, (4237) ऋषिदास आदि की कथानकों का निर्देश, (4238) ऋषिदास कथा, (4239) ऋषिदत्त, (4240) ऋषिदत्ता, (4241) ऋषिदत्ता चौपई, (4242) ऋषिदत्ता चोपाई, (4243) ऋषिदत्ता ढाल , (4244) ऋषिदत्ता गीतम्, (4245) ऋषिदत्ता रास, (4246) ऋषिदत्ता-रास, (4247) ऋषिदत्ताचौपाइ, (4248) ऋषिदत्तानो रास , (4249) ऋषिदत्तारास, (4250) ऋषिदत्तीय, (4251) ऋषिद्वीप, (4252) ऋषिगिरि, (4253) ऋषिगुप्त, (4254) ऋषिगुप्तीय, (4255) ऋषिमण्डलपूजा, (4256) ऋषिमण्डलस्तव, (4257) ऋषिमन्त्र, (4258) ऋषिमती, (4259) ऋषिमंडल बालावबोध , (4260) ऋषिमंडल पूजा , (4261) ऋषिमंडल पूजा अथवा चतुर्विंशति जिन पूजा , (4262)

ऋषिमंडन बाला, (4263) ऋषिपाल, (4264) ऋषिपालित, (4265) ऋषिपालिता, (4266) ऋषिपरंपरा , (4267) ऋषिसेषा, (4268) ऋषिशाप, (4269) रुषित, (4270) ऋषित :, (4271) ऋषितडाग, (4272) ऋषिवाद, (4273) ऋषिवादिक, (4274) ऋषिवादिका :, (4275) ऋषिवर्धन(सूरि), (4276) ऋषिवर्धनसूरि (अंचलगच्छीय), (4277) ऋषिविजय, (4278) ऋषिविजय (वाचक), (4279) ऋषिवंश, (4280) ऋषिवृद्धि, (4281) रुष्ट, (4282) रुष्टवन्दन, (4283) ऋष्यमूक, (4284) रुस्तम, (4285) साअड्ड (कृष्), (4286) साधारण अनिसृष्ट, (4287) साधनधर्मविकल दृष्टान्ताभास, (4288) साधर्म्य दृष्टान्त, (4289) साधर्म्य दृष्टांत, (4290) साधर्म्य दृष्ठान्त, (4291) साधर्म्य दृष्ठान्ताभास के भेद, (4292) साध्वी-क्षेत्र और कुलस्थविर : भोजिक दृष्टांत , (4293) साध्यधर्मविकल दृष्टान्ताभास, (4294) सादृश्य, (4295) सादृश्य प्रत्यभिज्ञान, (4296) सादृश्यास्तित्व, (4297) सालिग(ऋषि) शिष्य, (4298) सामान्यदृष्ट अनुमान , (4299) सांख्य परिव्राजकों के अव्यक्त पुरुष-सम्बन्धि मन्तव्य, (4300) सारणा-वारणा : दो दृष्टांत , (4301) सारथि के दृष्टांत द्वारा योजक-वियोजक पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (4302) सास्वादन सम्यग्दृष्टि , (4303) सास्वादन सम्यग्दृष्टि जीवस्थान, (4304) सास्वादनसम्यग्दृष्टि, (4305) सात नरक पृथ्वियों में सम्यग्दृष्टियों आदि का उत्पाद-उद्वर्तन और अविरहितत्व का प्ररूपण, (4306) सातिशय मिथ्यादृष्टि, (4307) सावशेष असंसृष्ट ग्रहणैषणा, (4308) सावंत (ऋषि) , (4309) सावंत (सावंतराम ऋषि), (4310) सावंतराम(ऋषि) , (4311) सचवीर(ऋषि) , (4312) सच्चव (दृश्), (4313) सच्छर (दृश्), (4314) सद् दृष्टि, (4315) सदोष वसति : यंत्र प्रतिमा दृष्टांत , (4316) सदृश, (4317) सदृश आचारवान को स्थान न देने के प्रायश्चित्त सूत्र , (4318) सदृश अपराध में विसदृश दंड : कुमार दृष्टांत , (4319) सदृश पुद्गलों का बंध नहीं होता, (4320) सदृश पुद्गलों में द्विगुण स्पर्श अधिक हो तो परस्पर बंध होता है, (4321) सदृशकल्पी, (4322) सदृशकल्पी ही सांभोजिक , (4323) सदृशकृष्टि, (4324) सदृशयुति, (4325) सहज shtruशत्रु, (4326) सज्झ्क्तायपोरुसि, (4327) सकोसल महाऋषि सझाय , (4328) सकोसल ऋषि ढाल , (4329) सकोसलऋषि ढाल , (4330) सकोशल महाऋषि सझाय , (4331) समाकृष्टि, (4332) समावृष्टि, (4333) समदृष्ट, (4334) समदृष्टि, (4335) समीचीनदृष्टिवर्णजनन, (4336) समुद्र के दृष्टांत द्वारा पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (4337) सम्यग् दृष्टि, (4338) सम्यग-मिथ्यादृष्टि , (4339) सम्यग्दर्शनी अने सम्यग्दृष्टिमां शुं फरक ?, लेखक - वंदनरुचिविजय, (4340) सम्यग्दृष्टि, (4341) सम्यग्दृष्टि आदि की अपेक्षा, (4342) सम्यग्दृष्टि को आध्यात्मिक विषय में भी संशय या विपरीत बोध, (4343) सम्यग्दृष्टि को संशय या विपरीत बोध, (4344) सम्यग्दृष्टि-मिथ्यादृष्टि चौबीसदंडकों में उत्पातादि का प्ररूपण, (4345) सम्यग्दृष्टि:, (4346) सम्यग्मिथ्यादृष्टि, (4347) सम्यक् दृष्टान्त की उपनय गाथायें, (4348) सम्यक् दृष्टि, (4349) सम्यक् मिथ्या दृष्टि, (4350) सम्यक्दृष्टि, (4351) सम्यमिथ्यादृष्टि, (4352) सर्प का दृष्टांत , (4353) सश्रुषा, (4354) सत्पुरुष, (4355) सत्पुरुषा, (4356) सत्व की विवक्षा से पुरुषों के पाँच भंगों का प्ररूपण, (4357) सत्य-असत्य परिणतादि की विवक्षा से पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (4358) सत्यामृषा (मिश्र) भाषा आदि भाषाओं का निषेध , (4359) सत्यामृषा भाषा, (4360) सौधर्मादि 12 देवलोक के देवों की उत्कृष्ट स्थिति, (4361) सव्वव (दृश्), (4362) सेना के दृष्टांत द्वारा पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (4363) शालिभद्र धन्नाऋषि सज्झाय, (4364) शातवाहन दृष्टांत , (4365) शबल दोष से विराधना : घट दृष्टांत , (4366) शैक्षनिस्फेटिका दीक्षा के अयोग्य पुरुष, (4367) शक्तिसंपन्न आचार्य : कुमार दृष्टांत , (4368) शलाका पुरुष, (4369) शलाकापुरुष, (4370) शरीर जुङ्गित दीक्षा के अयोग्य पुरुष, (4371) शरीरजड्ड दीक्षा के अयोग्य पुरुष, (4372) शशवजी (ऋषि) , (4373) शत सहस्त्र पृषक्त्व, (4374) शतऋषभ, (4375) शतवृषभ, (4376) शत्रुसह, (4377) शत्रुसेन, (4378) शत्रुसेन कथा, (4379) शय्यातर के असंसृष्ट पिंड के संसृष्ट कराने का निषेध व प्रायश्चित्त , (4380) शील फाग अथवा शील त्रिषये कृष्ण रुक्मिणी चौपई, (4381) शीतकारके सवैया, कृष्णदास बावनी , (4382) शेष कर्मों का मंद अनुभाव : नैरयिक दृष्टांत , (4383) शेषवत् अनुमान के प्रकार और दृष्टांत , (4384) शिवजी (ऋषि), (4385) शिवजी ऋषि, (4386) शिवलाल (ऋषि) , (4387) शिवराज ऋषि, (4388) शंख के दृष्टांत द्वारा पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (4389) श्रद्धावान घरों में अदृष्ट पदार्थ मांगने का निषेध , (4390) श्रमण का दृष्टान्त, (4391) श्रमण की पृष्ठभूमि , (4392) श्रमणी-रक्षक वृषभ की अर्हता , (4393) श्रवण की विवक्षा से पुरुषों के सुमनस्कादि त्रिविधत्व का प्ररूपण, (4394) श्रवण ऋषि, (4395) श्री ऋषभदेवाधिदेव जिनराज स्तवन, (4396) श्रीगृह की उपमा : तोसलिक दृष्टांत , (4397) श्रीकृष्ण, (4398) श्रीकृष्ण और थावच्चापुत्र का परिसंवाद, (4399) श्रीकृष्ण द्वारा देवाराधन और देव ने लघुभ्राता होने के लिये कहा, (4400) श्रीकृष्ण का अनन्तर भव में पातल लोक में निवास, (4401) श्रीकृष्ण का देव आराधन, (4402) श्रीकृष्ण का द्रौपदी की गवेषणा के लिये आदेश, (4403) श्रीकृष्ण का नृसिंह रूप बनाना, (4404) श्रीकृष्ण का प्रस्थान, (4405) श्रीकृष्ण की आज्ञा से सुस्थित देव ने लवण समुद्र के मध्य में मार्ग बनाया, (4406) श्रीकृष्ण की गजसुकुमार-दर्शनाभिलाषा., (4407) श्रीकृष्ण की पर्युपासना, (4408) श्रीकृष्ण की योगक्षेम-घोषणा, (4409) श्रीकृष्ण को द्वारिका के विनाश से चिन्ता, (4410) श्रीकृष्ण ने अन्य के प्रव्रज्या ग्रहण में सहाय की घोषणा, (4411) श्रीकृष्ण ने चिन्ता का कारण पूछा, (4412) श्रीकृष्ण ने देवकी को अश्वासन दिया, (4413) श्रीकृष्ण ने द्वारिका के विनाश का कारण पूछा, (4414) श्रीकृष्ण ने पाण्डवों को निर्वासित कर दिया, (4415) श्रीकृष्ण ने पराजय कारण कहा और युद्ध किया, (4416) श्रीकृष्ण ने वृद्ध की सहायता की., (4417) श्रीकृष्ण वासुदेव की देवी पद्मावती, (4418) श्रीपाल ऋषि, (4419) श्रीपाल(ऋषि) , (4420) श्रीपति ऋषि, (4421) श्रेष्ठ पुण्डरीक को पाने में असफल चार पुरुष , (4422) श्रृष्ट, (4423) श्रुत से पूर्ण और अपूर्ण, पूर्ण सदृश या अपूर्ण सदृश , (4424) श्रुतपुरुष, (4425) शुद्ध-अशुद्ध मन संकल्पादि की विवक्षा से पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (4426) शुद्ध-अशुद्ध वस्त्रों के दृष्टांत द्वारा पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (4427) सिद्धचक्र ऋषभ स्तवन , (4428) सिद्धों की उत्कृष्ट अवगाहना,

(4429) सिद्धों की उत्कृष्ट अवगाहना 58, (4430) सिंह-वृषभ-मृग-परिषद्, (4431) स्कंदकऋषिना- शिष्यो, (4432) स्कंध-देश-प्रदेश-परमाणु को समझने हेतु मोदक का दृष्टांत, (4433) स्मारणा आपातकटु : गुटिकांजन दृष्टांत , (4434) संभवनाथ जिनालय, रामकृष्ण सोसायटी, सुरत, (4435) संभोज-असंभोजविधि-परीक्षा : कूप दृष्टांत , (4436) संदिग्धसाध्यधर्म दृष्टान्ताभास, (4437) संदिग्धसाध्यव्यतिरेक दृष्टान्ताभास, (4438) संदिग्ध उभयधर्म दृष्टान्ताभास, (4439) संदिग्ध उभयव्यतिरेक दृष्टान्ताभास, (4440) संदिग्धसाधनधर्म दृष्टान्ताभास, (4441) संदिग्धसाधनव्यतिरेक दृष्टान्ताभास, (4442) संदृष्टि, (4443) संघजी(ऋषि) , (4444) संजोअ (सं + दृश्), (4445) संशयमिथ्यादृष्टि, (4446) संसृष्ट, (4447) संसृष्ट असंसृष्ट शय्यातर पिंड के ग्रहण का विधि-निषेध , (4448) संसृष्ट ग्रहणैषणा, (4449) संसृष्ट हाथ आदि आहार ग्रहण के विधि-निषेध , (4450) संसृष्ट के अठारह प्रकार : पुराकर्म आदि , (4451) संसृष्टा, (4452) संसृष्टोपहूतं, (4453) संसृष्टोपहृत, (4454) संस्तृश, (4455) संत्रुष्ट, (4456) सोम जी ऋषि, (4457) सोना-पुरुसु, (4458) सोने की विवक्षा से पुरुषों के सुमनस्कादि त्रिविधत्व का प्ररूपण, (4459) सूँघने की विवक्षा से पुरुषों के सुमनस्कादि त्रिविधत्व का प्ररूपण, (4460) सूक्ष्मदृष्टि से बंध के 2 ही कारण हैं, (4461) सूक्ष्मसाम्परायकृष्टि, (4462) सूपपुरुषः, (4463) सूर्य सदृश्य महर्षि , (4464) सूर्यसृष्ट, (4465) सूत्र और नयदृष्टि , (4466) सूत्र-अर्थ...कल्पिक : आर्यवज्र दृष्टांत , (4467) सूत्र-अर्थपौरुषी का निषेध क्यों ?, (4468) सूत्रग्रहण-प्रतिबोध : गज-श्लीपदी दृष्टांत , (4469) सोपक्रम कर्म के दृष्टांत , (4470) स्पर्श की विवक्षा से पुरुषों के सुमनस्कादि त्रिविधत्व का प्ररूपण, (4471) स्पृशद्गति, (4472) स्पृशति, (4473) स्पृष्ट, (4474) स्पृष्ट और बद्ध , (4475) स्पृष्ट बंध, (4476) स्पृष्टमात्रं, (4477) स्पृष्टश्रेणिका परिकर्म , (4478) स्पृष्टं, (4479) स्त्रीलिंगसिद्ध, पुरुषलिंगसिद्ध , (4480) सृष्टि शतक ना दोहा , (4481) सृष्टि विना, (4482) सृष्टिः, (4483) सृष्टिद्वयम्, (4484) सृष्टयविकारिता, (4485) स्तनदृष्टिदोष, (4486) स्तेन दीक्षा के अयोग्य पुरुष, (4487) स्थापनापुरुष, (4488) स्थिरादृष्टिः, (4489) स्थूल मृषावाद विरमण व्रत के अतिचार, (4490) स्थूल-मृषावाद-विरमण-व्रत का स्वरूप और अतिचार , (4491) स्थूलग्राही से सूक्ष्मग्राही : सिद्धार्थ आदि दृष्टांत , (4492) स्थूलमृषावाद विरमण व्रत के 5 अतिचार, (4493) स्थूलमृषावादविरमण, (4494) स्थूलमृषावादविरमण व्रत, (4495) स्थुलारुष्क, (4496) स्त्री आदिकों में काष्ठादि के दृष्टांत द्वारा अन्तर के चतुर्विधत्व का प्ररूपण, (4497) स्त्री पुरुष नपुंसकलिंग में सिद्ध संख्या, (4498) स्त्री-नपुंसक वेद करतां पुरुषवेदनो उदयकाळ, लेखक - श्रुतांगचन्द्रविजय, (4499) स्त्री-पुरुष का अजीबजत्व काल, (4500) स्त्री-पुरुष-नपुंसक वेद का स्वरूप , (4501) स्त्री-पुरुष-नपुंसकों का अल्पबहुत्व, (4502) स्त्री-पुरुष-नपुसंकों की कायस्थिति का प्ररूपण, (4503) सुबोधमंजरी, कृष्ण रुक्मिणी री बेलि की संस्कृत टीका, (4504) सुदृष्टि, (4505) सुगत-दुर्गत की अपेक्षा पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (4506) सुकोशल ऋषि, (4507) सुकोशल ऋषि ढाल, (4508) सुकृष्ण, (4509) सुकृष्णा, (4510) सुकृष्णा कथा, (4511) सुकृष्णा की भिक्षु प्रतिमा और सिद्धगति, (4512) सुकृष्णाकुमार कथा, (4513) सुकृष्टि, (4514) सुरप्रिय ऋषि रास , (4515) सुव्रत(ऋषि) , (4516) स्व-पर का निग्रह करने की विवक्षा से पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (4517) स्वभावविप्रकृष्ट, (4518) स्वप्नसृष्टि में मन की भूमिका, जिज्ञासा - गोयमचन्द्रविजय, (4519) स्वगुरुस्थानसंक्रान्ति, (4520) ताड़फल गिराने वाले पुरुष की क्रियाओं का प्ररूपण, (4521) तारादृष्टिः, (4522) तारों की उत्कृष्ट स्थिति, (4523) तमस्काय में दृश्य पृथ्वीकाय और तेजस्काय के अभाव का प्ररूपण, (4524) तपे हुए लोहे को उलट-पुलट करने वाले पुरुष की क्रियाओं का प्ररूपण, (4525) तपोभावना से इन्द्रिययोगाचार्य : सिंह दृष्टांत , (4526) तत्पुरुष, (4527) तत्त्वदृशः, (4528) तीन करण : चींटी का दृष्टांत , (4529) थावच्चा सुत्त ऋषि चौपइ, (4530) ठहरने की विवक्षा से पुरुषों के सुमनस्कादि त्रिविधत्व का प्ररूपण, (4531) तिर्यंच : उत्कृष्ट-जघन्य अवधि , (4532) तिर्यंच में मैथुन संज्ञा : सिंहनी दृष्टांत , (4533) त्रेडवी दृष्टि, (4534) त्रेशठ शलाका पुरुष स्तोत्र , (4535) त्रेशठ शलाका पुरुष विचार गर्भित स्तोत्र, (4536) त्रिकालविषयार्थदृश्, (4537) त्रिपृष्ट वासुदेव, (4538) त्रिपृष्ठ, (4539) त्रिपृष्ठ (वासुदेव), (4540) त्रिपृष्ठ वासुदेव, (4541) त्रिषष्टि शलाका पुरुष विचार स्तवन, (4542) त्रिषष्टिपुरुष, (4543) त्रिशष्टिशलाकापुरुषचरित, (4544) तृस, (4545) तृष्, (4546) तृषा, (4547) तृषा परीषह, (4548) तृषा-परीषह, (4549) तृषापरीषहजय, (4550) तृषला माता, (4551) तृषलानंदन, (4552) तृष्णा, (4553) तृष्णा को लता की उपमा , (4554) तृष्णाः, (4555) तृशूल, (4556) तृसिउ, (4557) तृतीय पौरुषी समाचारी , (4558) तुम्ब के दृष्टांत से जीवों के गुरुत्व-लघुत्व के कारणों का प्ररूपण, (4559) तुरुष्क, (4560) उभयधर्मविकल दृष्टान्ताभास, (4561) उच्च-नीच विचारों की विवक्षा से पुरुषों के चतुर्विधत्व का प्ररूपण, (4562) उदकराजिसदृश क्रोध, (4563) उदय ऋषि, (4564) उदय(ऋषि), (4565) उदय-अस्त की विवक्षा से पुरुषों के चतुर्विधत्व का प्ररूपण, (4566) उदयबन्धोत्कृष्टा, (4567) उदयसंक्रमोत्कृष्ट, (4568) उदयसंक्रमोत्कृष्टा, (4569) उदयवन्धोत्कृष्ट, (4570) उड्डरुस्स, (4571) उड्डरुस्से, (4572) उद्घाटा पौरुषी में अंगपठन निषिद्ध क्यों ?, (4573) उदो(ऋषि), (4574) उदुरुसेज्जा, (4575) उन्मत्त दीक्षा के अयोग्य पुरुष, (4576) उन्नत-प्रणत मन संकल्पादि की विवक्षा से पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (4577) उन्नत-प्रणत वृक्षों के दृष्टांत द्वारा पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (4578) उपाध्याय (अभिषेक) : सूत्रवाचक, वृषभ , (4579) उपक्रम से मृत्यु के दृष्टांत, (4580) उपसर्ग करने वाले को कृष्ण ने जाना., (4581) उपसर्ग श्रवण से श्रीकृष्ण का क्रुद्ध होना., (4582) उपशम सम्यक् दृष्टि, (4583) उपशमसम्यग्दृष्टि, (4584) उपस्पृशति, (4585) उपतृष्णा, (4586) उपतृष्टयो, (4587) उप्फुस (उत्+स्पृश्), (4588) उरुसोल्ल, (4589) उत्कृष्ट, (4590) उत्कृष्ट युक्त-असंख्येय , (4591) उत्कृष्ट 170 विहरमान जिन, (4592) उत्कृष्ट आतापना, (4593) उत्कृष्ट आयुस्थिति में सम्यक्त्व-प्राप्ति , (4594) उत्कृष्ट अनन्त-अनन्त , (4595) उत्कृष्ट अनन्त-अनन्त : एक विमर्श , (4596) उत्कृष्ट अन्तरात्मा, (4597) उत्कृष्ट असंख्यात-असंख्यात , (4598) उत्कृष्ट असंख्येय-असंख्येय , (4599) उत्कृष्ट बहुश्रुत, (4600)

उत्कृष्ट चैत्यवंदन, (4601) उत्कृष्ट चिरप्रव्रजित, (4602) उत्कृष्ट दाह, (4603) उत्कृष्ट गीतार्थ, (4604) उत्कृष्ट ज्ञान, (4605) उत्कृष्ट गुण पुद्गल, (4606) उत्कृष्ट काल , (4607) उत्कृष्ट मंगल, (4608) उत्कृष्ट नैरयिकों की विवक्षा से, (4609) उत्कृष्ट निक्षेप, (4610) उत्कृष्ट पद, (4611) उत्कृष्ट पदमीमांसा, (4612) उत्कृष्ट परीत-अनन्त , (4613) उत्कृष्ट परीत-असंख्येय , (4614) उत्कृष्ट परीतानन्त, (4615) उत्कृष्ट प्रायश्चित्त : जीत व्यवहार , (4616) उत्कृष्ट रूप सम्पदा , (4617) उत्कृष्ट सान्तरअवक्रमणकाल, (4618) उत्कृष्ट शातकुम्भ, (4619) उत्कृष्ट श्रावक, (4620) उत्कृष्ट सिंहनिष्क्रीडित, (4621) उत्कृष्ट संख्यात : पल्य का दृष्टांत , (4622) उत्कृष्ट स्थितिप्राप्तक, (4623) उत्कृष्ट स्थितिसंक्लेश, (4624) उत्कृष्ट युक्त-अनन्त , (4625) उत्कृष्ट-मध्यम-जघन्य उपधि , (4626) उत्कृष्टाराधकः, (4627) उत्कृष्टासंख्येयायंख्येय, (4628) उत्कृष्टमंगल , (4629) उत्कृष्टमोक्षः, (4630) उत्कृष्टपदाल्पबहुत्व, (4631) उत्कृष्टतः 48 निर्यामक, (4632) उत्कृष्टि, (4633) उत्कृष्टोपासकस्थान, (4634) उत्सारकल्प धूमकेतु सदृश , (4635) उत्सारकल्प के हेतु : ढंढणमुनि आदि दृष्टांत , (4636) उत्सारण के दोष : उत्सारवाचक दृष्टांत , (4637) उत्सृष्टम्, (4638) उत्तान और गंभीर उदक के दृष्टांत द्वारा पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (4639) उत्तम पुरुष, (4640) उत्तम(ऋषि), (4641) उत्तमचरित ऋषिराजचरित चौपई, (4642) उत्तमपुरुष, (4643) उत्तर कर्मप्रकृतियों की जघन्य-उत्कृष्ट स्थिति और अबाधा का प्ररूपण, (4644) उत्तर प्रकृतियों की उत्कृष्ट स्थिति , (4645) उत्तराध्ययन ऋषि मण्डन टीका, (4646) उत्तरार्ध कच्छविजय में ऋषभकूटपर्वत की अवस्थिति और प्रमाण, (4647) वाद के अनर्ह : चाणक्य-नलदाम दृष्टांत , (4648) वाक्पारुष्य, (4649) वानरऋषि, (4650) वार्तिक (भाष्यकार) : मांखफलक दृष्टांत , (4651) वासुदेव श्रीकृष्णनी महाराणी पद्मावतीनी बे वार प्रव्रज्या, लेखक- शीलचन्द्रविजय, (4652) वातमंडलिका के दृष्टांत द्वारा स्त्रियों के चतुर्विधत्व का प्ररूपण, (4653) वातपृष्ठ, (4654) वातसृष्ट, (4655) वचनगुप्ति : साधु-ज्ञातिजन दृष्टांत , (4656) वचनपुरुषताव्यसन, (4657) वध्य पुरुष के दर्शन से वैराग्य और प्रव्रज्या, (4658) वैधर्म्य दृष्टांत, (4659) वैधर्म्य दृष्टान्त, (4660) वैधर्म्य दृष्टान्ताभास के भेद, (4661) वैद्यपुत्र का दृष्टांत , (4662) वैमानिक देवियों की उत्कृष्ट स्थिति (कोष्टक), (4663) वैमानिक देवों की उत्कृष्ट-जघन्य स्थिति (कोष्टक), (4664) वैनयिकमिथ्यादृस्टी, (4665) वैरसृष्ट, (4666) वैयावृत्य करने की विवक्षा से पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (4667) वज्ज (दृश्), (4668) वज्र ऋषभनाराच संहनन, (4669) वज्र वृषभ नाराच संहनन, (4670) वज्रऋषभनाराच , (4671) वज्रऋषभनाराच संहनन, (4672) वज्रसृष्ट, (4673) वज्रवृषभनाराच, (4674) वन खण्ड के दृष्टांत द्वारा पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (4675) वनखण्ड में देवी द्वारा सूलीपर आरोपित पुरुष के दर्शन, (4676) वन्दन कर्म में शीतलाचार्य का दृष्टान्त, (4677) वन्दन के 5 प्रकार में 5 दृष्टान्त, (4678) वणिक्-मरुक और निधि दृष्टांत , (4679) वरसिंघ ऋषि, (4680) वरसिंह(ऋषि) , (4681) वरवृषभा, (4682) वर्धकिरत्न और धनिक दृष्टांत , (4683) वर्धमान अवधि (परमावधि) का उत्कृष्ट क्षेत्र : अग्नि जीवों का दृष्टांत , (4684) वर्गणा के भेदों का प्रयोजन : कुविकर्ण दृष्टांत , (4685) वर्ज्य के दर्शन उपशमन और उदीरण की विवक्षा से पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (4686) वर्षा की परीक्षा करने वाले पुरुष की क्रियाओं का प्ररूपण, (4687) वर्षकृष्ण, (4688) वरुण के मरने पर देवकृत वृष्टि, (4689) वसति का दृष्टान्त , (4690) वस्त्र में पुद्गलोपचय के दृष्टान्त द्वारा जीव-चौबीसदंडकों में कर्मोपचय का प्ररूपण, (4691) वेदनीय कर्म की उत्कृष्ट स्थिति, (4692) वेदउपघात-उपकरणउपघात-दृष्टांत , (4693) वीर पुरुष का पराक्रम , (4694) वीर-गौतम दृष्टांत , (4695) वीर-गौतम-कपिलसुत दृष्टांत , (4696) वीरकृष्ण, (4697) वीरकृष्णा, (4698) वीरकृष्णा कथा, (4699) वीरकृष्णा की महासर्वतोभद्रप्रतिमा और सिद्धगति, (4700) वीरकृष्णकुमार कथा, (4701) वीरकृष्णमित्र, (4702) वीरसृष्ट, (4703) वीतरागी को भी मृषावाद कैसे ?, लेखक - गोयमचन्द्रविजय, (4704) वीतरागी को भी मृषावाद कैसे ?, पत्रचर्चा - गोयमचन्द्रविजय, (4705) वीतरागी को भी मृषावाद कैसे ?, पत्रचर्चा - हेमनिलयविजय, (4706) वीतरागी को भी मृषावाद कैसे ?, पत्रचर्चा - त्रैलोक्यमंडनविजय, (4707) वेश : व्यावहारिक-नैश्चयिक दृष्टिकोण , (4708) वेश के प्रति दृष्टिकोण , (4709) विभाषा : अश्व दृष्टांत , (4710) विच्छिप्प (वि + स्पृश्), (4711) विच्छिव (वि + स्पृश्), (4712) विजय ऋषि, (4713) विजय सेठ विजया सेठानी रास अथवा कृष्णपक्षीय शुक्ल-पक्षीय रास, (4714) विजयादि चार विमानों में उत्कृष्ट स्थिति, जिज्ञासा - गोयमचन्द्रविजय, (4715) विजयादि चार विमानों में उत्कृष्ट स्थिति, समाधान - परमयशविजय, (4716) विजयादि चार विमानों में उत्कृष्ट स्थिति, समाधान - सौम्यचन्द्रविजय, (4717) विकृष्ट क्षपक, (4718) विकृष्ट तप, (4719) विमलाचलऋषिजिनस्तवन, (4720) विमृश्यकारी, (4721) विनय ज्ञानाचार : हरिकेश-श्रेणिक दृष्टांत , (4722) विनय प्रतिपन्न पुरुष , (4723) विपरीतान्वय दृष्टान्ताभास, (4724) विपरीतव्यतिरेक दृष्टान्ताभास, (4725) विपुलतृष, (4726) विरतसम्यग्दृष्टि, (4727) विरतसम्यग्दृष्टि, (4728) विसदृश, (4729) विषयदुष्ट दीक्षा के अयोग्य पुरुष, (4730) विशेषदृष्ट अनुमान , (4731) विश्वदृष्टा, (4732) विस्तारदृस्टी, (4733) विविध दृष्टांतों द्वारा महावेदना और महानिर्जरा युक्त जीवों का प्ररूपण, (4734) विविध विवक्षा से पुरुषों के त्रिविधत्व का प्ररूपण, (4735) व्रण दृष्टांत के द्वारा पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (4736) व्रण का दृष्टांत , (4737) वृद्ध दीक्षा के अयोग्य पुरुष, (4738) वृक्षमूलादि को गिराने वाले पुरुष की क्रियाओं का प्ररूपण, (4739) वृष, (4740) वृषाधीश, (4741) वृषानन्त, (4742) वृषायुध, (4743) वृषभ, (4744) वृषभ : मंडलीनियोजक, कार्यचिन्तक , (4745) वृषभ क्षेत्र , (4746) वृषभ सम भवाटवी पारकर्ता , (4747) वृषभ संस्थान , (4748) वृषभ संस्थान वाली वसति , (4749) वृषभान-तनया, (4750) वृषभांक, (4751) वृषभांकित ध्वजा, (4752) वृषभानुजात, (4753) वृषभानुतनया, (4754) वृषभदत्त, (4755) वृषभदेव, (4756) वृषभध्वज, (4757) वृषभग्रामः, (4758) वृषभपर्वत, (4759) वृषभसेन, (4760) वृषभवाहण, (4761) वृषध्वज, (4762) वृषकेतु, (4763) वृषपति, (4764) वृषसेन, (4765) वृषसेना, (4766) वृश्चिक आदि विद्याएं , (4767) वृषीमान्,

(4768) वृष्किम, (4769) वृष्णि, (4770) वृष्णिदशा, (4771) वृषोद्भव, (4772) वृश्चिक, (4773) वृष्य, (4774) वृष्यरसत्याग, (4775) वृष्येष्ट रस, (4776) वृष्येष्टरस, (4777) व्याध-दृष्टांत , (4778) व्याधि ग्रस्त दीक्षा के अयोग्य पुरुष, (4779) व्यतिकृष्ट काल (उद्घाटा पौरुषी) : स्वाध्याय विकल्प , (4780) व्यतिकृष्ट काल में निग्रन्थ के लिए स्वाध्याय निषेध , (4781) व्यतिरेक दृष्टान्त, (4782) व्यतिरेक दृष्टान्त, (4783) व्यतिरेक दृष्टान्ताभास के भेद, (4784) व्यवहार दृष्टि, (4785) व्यवहारामूढ़दृष्टि, (4786) व्यंतर देव-देवियों की उत्कृष्ट-जघन्य स्थिति (कोष्टक), (4787) व्यंतर देवों की उत्कृष्ट स्थिति, (4788) व्युतसृष्ट : त्यक्तदेह , (4789) व्युत्सृष्यकाय, (4790) व्युत्तस्रुष्टमरण, (4791) यान के दृष्टांत द्वारा पुरुषों के युक्तायुक्त चतुभँगों का प्ररूपण, (4792) यात्रापथ में वृषभ के कर्त्तव्य , (4793) यद्दृष्ट आलोचना, (4794) यथादृष्ट, (4795) यथाप्रवृत्तिकरण : धान्यपल्य का दृष्टांत , (4796) यतिवृषभ, (4797) योगदृष्टि समुच्चय, (4798) योगदृष्टिसमुच्चय (शुद्धिपत्रक), प्रकाशक - जैन ग्रंथ प्रकाशन समिति, शुद्धिकार - श्रुतांगचन्द्रविजय, (4799) योगकृष्टि, (4800) योग्य-अयोग्य श्रोता : मुद्गशैल आदि दृष्टांत , (4801) युद्ध की विवक्षा से पुरुषों के सुमनस्कादि त्रिविधत्व का प्ररूपण, (4802) युगाविपुरुष, (4803) युगपत्सृष्टिः, (4804) युग्य गमन दृष्टांत द्वारा पथोत्पथगामी पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (4805) युग्य के दृष्टांत द्वारा युक्तायुक्त पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (4806) आचार्य आदि की निश्रा : द्विसंगृहीत-त्रिसंगृहीत , (4807) आधरिसेहिति, (4808) आधरिसितो, (4809) आगमिक गच्छ/प्राचीन त्रिस्तुतिक गच्छ का संक्षिप्त इतिहास, (4810) आगरिस, (4811) आहारक शरीर : संघातपरिशाटकरण , (4812) आमरिसोसहि, (4813) आनन्दविमलसूरिसज्झाय, (4814) आरक्खियपुरिसो, (4815) आवरिसणं, (4816) आयाणपरिसाडे, (4817) आयरिस, (4818) आयरिसो, (4819) अभिलावपुरिसे, (4820) अभिवड्ढियवरिसं, (4821) अदर्शन परिषह, (4822) अद्धाणपरिस्संतो, (4823) अगारिसामाइयंगाइं, (4824) अज्ञा परिषद् , (4825) अज्ञान परिषह, (4826) अज्ञानपरिषह, (4827) अज्ञपरिषद्, (4828) अक्षरकोविदपरिषद्, (4829) अलोभ परिषह, (4830) अमनोज्ञ जल परिष्ठान का प्रायश्चित्त सूत्र , (4831) अमरिसा, (4832) अमरिसणा, (4833) अमरिसिओ, (4834) अमरिसं, (4835) अम्बरिसी, (4836) अंबरिस, (4837) अंबरिस परमाधामी, (4838) अंबरिसे, (4839) अंबरिसी, (4840) अंबरिसि, (4841) अनेरिसिउ, (4842) अंगरिसी, (4843) अंगरिसि, (4844) अंगरिसि भारद्दाय, (4845) अणियदरिसणं, (4846) अपरिसाडी, (4847) अपरिसाडि, (4848) अपरिसाडिं, (4849) अपरिशाटिरूप संस्तारक, (4850) अपरिशेष, (4851) अपरिश्रावी, (4852) अपरिश्रावित्, (4853) अपरिश्रावित्, (4854) अपरिस्रावित, (4855) अपरिस्साइ, (4856) अपरिस्सावी, (4857) अपरिसुद्धं, (4858) अपोरिसियं, (4859) अप्परिसाडियं, (4860) अप्रासुक आहार-परिष्ठापन विधि , (4861) अपुरिस, (4862) अपुरिसागारपरक्कम, (4863) अपुरिसक्कारपरक्कमे, (4864) अपुरिसंतरकडं, (4865) अर्हन्त अरिष्टनेमि ने चारयाम धर्म की देशना दी, (4866) अर्हत् अरिष्टनेमि , (4867) अर्हत् अरिष्टनेमि का अभिनिष्क्रमण , (4868) अर्हत् अरिष्टनेमि का तीर्थ-चतुष्टय , (4869) अर्हत अरिष्टनेमि के कल्याणक नक्षत्र , (4870) अरिस, (4871) अरिसा, (4872) अरिषड्वर्गः, (4873) अरिषड्वर्गन्तिर्गत, (4874) अरिषड्वर्ग, (4875) अरिष्ट, (4876) अरिष्टा, (4877) अरिष्टावती, (4878) अरिष्टनगर, (4879) अरिष्टनगरम्, (4880) अरिष्टनेमि, (4881) अरिष्टनेमि (तीर्थंकर), (4882) अरिष्टनेमि भगवान, (4883) अरिष्टनेमि-नेमनाथ, (4884) अरिष्टपुर, (4885) अरिष्टपुरी, (4886) अरिष्टसेन, (4887) अरिष्ठपुरम्, (4888) अरिष्या, (4889) अरिसिल्ल, (4890) अरिसिंह (कवि), (4891) अरिसंज्वर, (4892) अरिसंत्रास, (4893) अरिसूदन, (4894) असच्चमरिसा, (4895) असम्यकत्व परिषह, (4896) अत्रिसुत, (4897) अत्तसरिसो, (4898) औदारिकशरीर : संघातपरिशाटकरण , (4899) अवद्धपोरिसी, (4900) अवफरिसो, (4901) अविज्जापुरिसा, (4902) बाहिपरिसरो, (4903) बाह्य-आभ्यंतर परिषद्, (4904) बावत्तरिसव्वसुमिण, (4905) बावीस परिषह चोपाई , (4906) बधपरिषह, (4907) बलि की परिषदाएँ, (4908) बलि की तीन प्रकार की परिषदाओं में देव-देवियों की संख्या, (4909) बीभत्थादरिसणिज्जा, (4910) भ. अरिष्ट नेमि-चरित्र, (4911) भ. अरिष्टनेमि का धर्मोपदेश और गौतम की प्रव्रज्या, (4912) भ. अरिष्टनेमि का निर्वाण, (4913) भ. अरिष्टनेमि का समवसरण, (4914) भ. अरिष्टनेमि के समीप अणीयस की प्रव्रज्या और शत्रुंजय पर्वत पर सिद्धी, (4915) भ. अरिष्टनेमि के तीर्थ में अणीयस कुमार और अन्य अणगार, (4916) भ. अरिष्टनेमि के तीर्थ में चित्त संभूति का कथन, (4917) भ. अरिष्टनेमि के तीर्थ में द्रोपदी का कथानक, (4918) भ. अरिष्टनेमि के तीर्थ में गजसुकुमार आदि अणगार, (4919) भ. अरिष्टनेमि के तीर्थ में गौतम आदि अणगार, (4920) भ. अरिष्टनेमि के तीर्थ में निषढादि श्रमण, (4921) भ. अरिष्टनेमि के तीर्थ में पद्मावती आदि श्रर्मणियों के कथानक, (4922) भ. अरिष्टनेमि के तीर्थ में थावच्चापुत्र और अन्य श्रमण, (4923) भ. अरिष्टनेमि ने धर्मदेशना दी., (4924) भ. अरिष्टनेमि ने गजसुकुमार की सिद्धगति कही., (4925) भ. अरिष्टनेमि ने निषढ के महाविदेह में उत्पन्न होकर सिद्ध होने की कही, (4926) भ. अरिष्टनेमि ने सुलसा का चरित्र कहकर शंका का समाधान किया, (4927) भ. अरिष्टनेमि से वरदत्त ने निषढ की गति के सम्बन्ध में पूछा-भगवान् ने सर्वार्थ सिद्ध विमान में उत्पन्न होने का कहा, (4928) भ. अरिष्टनेमि तीर्थ में सुमुख आदि कुमार श्रमण, (4929) भ. वर्धमान की परिषद् में पूर्णभद्र देव ने नृत्य किया, (4930) भ.अरिष्टनेमि कथा, (4931) भावपुरिस, (4932) भावसागरसूरिशिष्य, (4933) भगवान् की धर्मदेशना और बाद में श्रेणिक आदि की परिषद् का लौटना, (4934) भर्तृहरिशतकत्रय बालावबोध, (4935) भर्तृहरिशतक, (4936) भवनपतियों की परिषदाएँ - चमर की परिषदाएँ, (4937) भीमसेन (हरिसेन), (4938) भीतपरिषद्, (4939) भेरिसंठिय, (4940) भोगपुरिस, (4941) भोगपुरिसा, (4942) भोगपुरिसत्ता, (4943) भोइयपुरिसो, (4944) भूरिश्रवा, (4945) भुअपरिसप्पा, (4946) भुजपरिसर्प, (4947) भुजपरिसर्प जीवों का वर्ग, (4948) भुवनेश्वर, ओरिसा, (4949) भुयपरिसप्प, (4950) ब्रह्मविद्वरिष्टः, (4951) बुब्बुयवरिस, (4952) बुद्धिमतीपरिसा, (4953) चमर की तीन परिषदाओं के प्रयोजन, (4954) चण्डा परिषद्, (4955) चर्या

परिषह, (4956) चर्या-परिषह, (4957) चत्तारिसईं, (4958) चतुरिशर : क्रियाकर्म, (4959) छह अणगारों का तप संकल्प भ. अरिष्टनेमि की आज्ञा, (4960) चंपतराय जैन (बैरिस्टर), (4961) दण्डादि के परिष्कार करवाने का प्रायश्चित्त सूत्र , (4962) दण्डादि परिस्कार सम्बन्धी प्रायश्चित्त , (4963) दरिसाओ, (4964) दरिसाव, (4965) दरिसावेउ, (4966) दरिसावं, (4967) दरिसण, (4968) दरिसणावरणिज्ज, (4969) दरिसणपुलाओ, (4970) दरिसणिज्ज, (4971) दरिसणिज्जा, (4972) देउलदरिसणं, (4973) देवकी और गजसुकुमार का परिसंवाद, (4974) देवरत्नसूरिशिष्य, (4975) देवसुन्दरसूरिशिष्य, (4976) देवसुंदरसूरिशिष्य, (4977) देय परिष्ठापनीय आहार , (4978) धारिणी और मेघकुमार का परिसंवाद, (4979) धारिसिंह, (4980) धम्मपुरिसा, (4981) धरिसेहि, (4982) धरिसेइ, (4983) धरिसिया, (4984) धरिसियामो, (4985) धर्ममूर्तिसूरिशिष्य, (4986) धीरपुरिस, (4987) धीरपुरिसा, (4988) धीरपुरिसपन्नत्तं, (4989) दंश मशक परिषह, (4990) दुद्धरिस, (4991) दुद्धरिसतरा, (4992) दुद्धरिसं, (4993) दुमरिस, (4994) दुर्विदग्ध परिषद्, (4995) दुविदग्धा परिषद् , (4996) दुयड्ढपोरिसी, (4997) एरिस, (4998) एरिसु, (4999) गरिष्ठ, (5000) गरिष्ठगी, (5001) घरिसूत्र, (5002) घरिसूत्तु, (5003) गिरिसरिद्ग्रावघोलना न्याय , (5004) गिरिशिखर, (5005) गिरिसंधि, (5006) ज्ञा परिषद् , (5007) गंगा प्रपातकुण्ड त्रिसोपान प्रतिरूपक, (5008) ज्ञपरिषद्, (5009) गृहीत लवण के परिभोग और परिष्ठापन की विधि , (5010) गुणनिधानसूरिस्तुति, (5011) हरिस, (5012) हरिसागओ, (5013) हरिसागर, (5014) हरिसह, (5015) हरिसलिला महानदी का लवणसमुद्र में मिखना, (5016) हरिसलिला महानदी के प्रपातादि का प्रमाण, (5017) हरिसलिला नदी, (5018) हरिसलिला प्रपातकुण्ड के प्रमाणादि , (5019) हरिसवसविसप्पमाणहियए, (5020) हरिसय, (5021) हरिसीय, (5022) हरिसेण, (5023) हरिसेन, (5024) हरिसेन (चक्रवर्ती), (5025) हरिसेन चक्रवर्ती, (5026) हरिशचन्द्र चौपई, (5027) हरिशचन्द्र राजा नो रास, (5028) हरिशचन्द्र रास, (5029) हरिशचन्द्र रास या चौपई, (5030) हरिशचंद्र राजा रास, (5031) हरिशर्मा, (5032) हरिश्चन्द्र, (5033) हरिश्चन्द्र राजा, (5034) हरिश्चन्द्र राजा चौ. , (5035) हरिश्चन्द्रतारालोचनीचरित्र- रास, (5036) हरिश्चंद्र, (5037) हरिश्चंद्र चोपाई , (5038) हरिश्चंद्र रास, (5039) हरिश्चंद्रराजानो रास , (5040) हरिषेण, (5041) हरिषेण चक्रवर्ती, (5042) हरिषेण चक्रवर्ती मुक्त हुआ, (5043) हरिषेण श्रीषेण रास, (5044) हरिषेणा, (5045) हरिषेणचक्री कथा, (5046) हरिश्मश्रु, (5047) हरिशंकर, (5048) हरिश्र्वन्द्रप्रबन्ध, (5049) हरिश्र्वन्द्ररास, (5050) हरिसिंग, (5051) हरिसिंह, (5052) हरिसोल्लिय, (5053) हरिस्सह, (5054) हरिस्सह कूट के नाम का हेतु, (5055) हरिस्सह कूट की अवस्थिति और प्रमाण, (5056) हरिस्सहा, (5057) हरिस्सहकूड, (5058) हरिस्सहकूट, (5059) हरिस्सहकुड, (5060) हरिवरिस, (5061) हेमपुरिस, (5062) हेमतिलकसूरिसंधि, (5063) हेमविमलसूरिस्वाध्याय, (5064) हिरिसत्त, (5065) हिरिसिरि, (5066) जाता परिषद्, (5067) जयतिलकसूरिशिष्य, (5068) जीवप्रयोगकरण : संघातपरिशाटकरण , (5069) जीवविचार , त्रिषष्टि सलाका स्तवन, (5070) जिनदत्तसूरिस्तुति, (5071) जिणदत्तसूरिस्तुति, (5072) जिनेश्वरसूरिसंयमश्रीवर्णनारास, (5073) जिनेश्वरसूरिसंयमश्रीविवाहवर्ण-नारास, (5074) जुद्धकित्तिपुरिसा, (5075) कापुरिस, (5076) कक्कसूरिशिष्य, (5077) कल्याण सागर सूरिशिष्य, (5078) करिष्यति दान, (5079) कसैले पानक के परिष्ठापन निषेध , (5080) केरिसविउव्वणा, (5081) खलयारिस, (5082) खट दरिशण, (5083) ख्रिस्ती धर्म पण पृथ्वीने सपाट माने छे , (5084) किंपुरिस, (5085) कोडिवरिस, (5086) कोडिवरिसिया, (5087) कुमारमहरिसि, (5088) क्या तीर्थंकर भगवंत को भी देशना का परिश्रम होता है ?, लेखक - गोयमचन्द्रविजय, (5089) क्या तीर्थंकर भगवंत को भी देशना का परिश्रम होता है ?, पत्रचर्चा - हेमनिलयविजय, (5090) क्या तीर्थंकर भगवंत को भी देशना का परिश्रम होता है ?, पत्रचर्चा - राजदर्शनविजय, (5091) क्या तीर्थंकर भगवंत को भी देशना का परिश्रम होता है ?, पत्रचर्चा - सौम्यचन्द्रविजय, (5092) क्या तीर्थंकर भगवंत को भी देशना का परिश्रम होता है ?, पत्रचर्चा - शीलचन्द्रविजय, (5093) लौकिक परिषद् के प्रकार , (5094) लयापुरिस, (5095) लोहारबरिसा, (5096) लोकोत्तर परिषद् के प्रकार , (5097) लोमहरिस, (5098) मायामरिसा, (5099) महामोहाद्रिसूदन, (5100) महापुरिस, (5101) महारिसि, (5102) महच्चपरिसा, (5103) महरिसी, (5104) मल्लिनाथ जिनालय (अलग गभारो), त्रिशेरीयुं, पाटण, (5105) मेरुगिरितुंगसरिस, (5106) मिगपरिसा, (5107) मंसवरिसं, (5108) मूलयपत्तसरिसया, (5109) मुद्रिश्वर, (5110) मुरारिसोहन, (5111) नेमिनाथ जिनालय, त्रिशेरीयुं, पाटण, (5112) निदरिसण, (5113) णिग्घरिस, (5114) णिप्फरिस, (5115) निसीहियापरिसहे, (5116) निषढ की भ. अरिष्टनेमि के दर्शन की इच्छा, (5117) निषढ की इच्छा को जानकर भ. अरिष्टनेमि का आगमन, (5118) निषध्यापरिषहविजय, (5119) निषद्यापरिषह, (5120) निषिद्ध परिष्ठापना सम्बन्धी प्रायश्चित्त सूत्र, (5121) निषिद्ध स्थानों पर उच्चार-प्रस्रवण परिष्ठापन के प्रायश्चित्त सूत्र , (5122) नित्थरिस्सामि, (5123) णिव्वेरिस, (5124) ओहरिस, (5125) ऊरिसंकिअ, (5126) पारिसाडणिया, (5127) पारिसाडि, (5128) पारिषद, (5129) पारिषद्य, (5130) पारिषध, (5131) पारिषध्य, (5132) पारिषद्य, (5133) पारिषद्या :, (5134) पारिष्ठापनिका आकार , (5135) पार्श्वचन्द्रसूरिस्तुतिसज्झाय, (5136) पार्श्वनाथ जिनालय (अलग गभारो), त्रिशेरीयुं, पाटण, (5137) पातरिसि, (5138) पात्र का स्वयं परिष्कार करने का प्रायश्चित्त सूत्र , (5139) पात्र के परिष्कार करवाने का प्रायश्चित्त सूत्र , (5140) पाउक्करिस्सामि, (5141) पगारिस, (5142) पमाणवं पुरिसो, (5143) परिसा, (5144) परिसाड, (5145) परिसाडइत्ता, (5146) परिसाडणा, (5147) परिसाडी, (5148) परिसाडि, (5149) परिसाम (शम्), (5150) परिसामियं, (5151) परिसामंत, (5152) परिसाट, (5153) परिसाविय, (5154) परिसडइ, (5155) परिसडिय, (5156) परिसडियकंदाहरा, (5157) परिसडियकंदमूलपंडुपत्तपुप्फफलाहार, (5158) परिसह, (5159) परिसक्किर, (5160) परिसण, (5161) परिसप्प, (5162) परिसर, (5163) परिसरि, (5164) परिसर्प, (5165) परिसर्प्प, (5166) परिसर्प्पण, (5167) परिसीजइ, (5168) परिसीनउ, (5169) परिसेवणापारंची, (5170) परिसेय, (5171) परिषा, (5172) परिशाटकरणं, (5173)

परिशातनाकृति, (5174) परिषद्, (5175) परिषद् के प्रकार , (5176) परिषद् के प्रकार : ज्ञ-अज्ञ-दुर्विदग्ध , (5177) परिषद् के प्रकार : लौकिक-लोकोत्तर , (5178) परिषद् तीन के प्रकार , (5179) परिषद, (5180) परिषदा की धर्माराधना और स्वगृहगमन, (5181) परिषह, (5182) परिषह 22 (प्रवचन सारोद्धार द्वार 86), (5183) परिषह जय, (5184) परिशटितकन्दमूलपाण्डुपत्रपुष्पफलाहार, (5185) परिशेष न्याय, (5186) परिशेषानुमानम्, (5187) परिशेषः, (5188) परिशिल्पमाना, (5189) परिशिष्टम्, (5190) परिशिष्टपर्व, (5191) परिशोध, (5192) परिश्रव, (5193) परिष्ठापन के पश्चात् तप, स्वाध्याय , (5194) परिष्ठापना की निषेध , (5195) परिष्ठापना की विधि , (5196) परिष्ठापना की विधि-निषेध , (5197) परिष्ठापना समिति का स्वरुप , (5198) परिष्ठापना संयम, (5199) परिष्ठापनासंयम, (5200) परिष्ठापनीय आहार और परिष्ठापन विधि , (5201) परिष्ठापनिका समिति, (5202) परिशुद्धाज्ञायोगः, (5203) परिशुद्धः, (5204) परिसिल्ल, (5205) परिसिंच्चेज्जा, (5206) परिसिठ्ठं, (5207) परिसित्तग, (5208) परिसित्तिय, (5209) परिसंकमाण, (5210) परिसंखाय, (5211) परिसंख्याविधिः, (5212) परिसंता, (5213) परिसंठिय, (5214) परिसूअं, (5215) परिसोसिय, (5216) परिस्पंद, (5217) परिस्समं, (5218) परिस्सव, (5219) परिस्सवा, (5220) परिस्सवति, (5221) परिस्संत, (5222) परिस्तरण, (5223) परिस्तर्ण, (5224) परिस्थापन, (5225) परिस्थूरम, (5226) परिस्त्रव, (5227) परिसुक्कमुह, (5228) फरिसइ, (5229) फुसियवरिस, (5230) पितदरिसण, (5231) पियदरिसण, (5232) पूव्वपूरिस, (5233) पोरिसी, (5234) पोरिसीमंडल, (5235) पोरिसि, (5236) पोरिसिअद्धा, (5237) पोरिसिमंडल, (5238) पोरिसिं, (5239) प्राणियों से युक्त आहार के परिभोग और परिष्ठापन की विधि , (5240) प्रत्याख्यान और श्रुतग्रहण योग्य परिषद् , (5241) प्रयोगसम्पदा : परिषद्परिज्ञान आदि , (5242) पुरिस, (5243) पुरिसादानी, (5244) पुरिसादाणीय, (5245) पुरिसादाणिय, (5246) पुरिसच्छाया, (5247) पुरिसगार, (5248) पुरिसजाता, (5249) पुरिसजाया, (5250) पुरिसजुग, (5251) पुरिसजुगा, (5252) पुरिसकार, (5253) पुरिसक्कार, (5254) पुरिसक्कारपरक्कम, (5255) पुरिसलक्खण, (5256) पुरिसनपुंसगी, (5257) पुरिसनिवडण, (5258) पुरिसपंडरीअ, (5259) पुरिसपुंडरिय, (5260) पुरिसपुर, (5261) पुरिससीह, (5262) पुरिससेण, (5263) पुरिससेणे, (5264) पुरिससिंह, (5265) पुरिसवरगंधहत्थी, (5266) पुरिसवरगंधहत्थि, (5267) पुरिसवरपुंडरीय, (5268) पुरिसवेद, (5269) पुरिसवेसिणी, (5270) पुरिसवेय, (5271) पुरिसविचओ, (5272) पुरिसविजय, (5273) पुरिसविज्जा, (5274) पुरिसयार, (5275) पुरिसंतकाड, (5276) पुरिसोत्तम, (5277) पुरिसोवयार, (5278) पुरिसु हेम, (5279) पुरिसुत्तम, (5280) राजीमती-अरिष्टनेमि के पूर्वभव , (5281) रात्रिषेणा, (5282) रात्रिश्री, (5283) रिसावइ, (5284) रिसभ, (5285) रिसभा, (5286) रिसह, (5287) रिसहनाराय, (5288) रिसहेसर, (5289) रिसहेसरो, (5290) रिसओ, (5291) रइषत् प्रागभारा, (5292) रिषि, (5293) रइषित्व ऋद्धि, (5294) रिष्ट, (5295) रिष्टा, (5296) रिष्टाभ, (5297) रिष्टापती, (5298) रिष्टपुरी, (5299) रिष्ठं, (5300) रइश्वरवाद, (5301) रिश्यजिव्ह, (5302) रिसि, (5303) रिसिभासित, (5304) रिसिभासिय, (5305) रिसिदत्ता, (5306) रुधिरवरिस, (5307) रुहिरवरिस, (5308) साधु-साध्वी की आलोचना विधि : चतुष्कर्णा आदि परिषद् , (5309) सारिसुं, (5310) सातिरेगअउणट्ठिपोरिसी, (5311) सहदारदरिसिणो, (5312) सज्झ्क्तगिरिसिद्धओ, (5313) समसरिस, (5314) समिता परिषद्, (5315) सङ्घातपरिशाटकरण, (5316) सप्पुरिस, (5317) सपुरिस, (5318) सरद्रहतडागपरिशोषण, (5319) सरिस, (5320) सरिसाहुल, (5321) सरिसए, (5322) सरिसउ, (5323) सरिसव, (5324) सरिसवा, (5325) सरिसवय, (5326) सरिसवया, (5327) सरिसवों की भक्ष्याभक्ष्य विचारणा, (5328) सरिसव्व, (5329) सरिसव्वया, (5330) सरिसया, (5331) सरिसीय, (5332) सरिष्यति, (5333) सरिसिउ, (5334) सतरिसभ, (5335) सत्तरिसय ठाण बालावबोध , (5336) सत्तरिसयजिनस्तव, (5337) सव्वदरिसणावरणिज्ज, (5338) सव्वदरिसी, (5339) सयरिसह, (5340) सीहपरिसा, (5341) सेरिसा, गुजरात, (5342) शांतिनाथ जिनालय, त्रिशेरीयुं, पाटण, (5343) शार्दूल रिसर्च इन्स्ट्रीटयूट, (5344) शव-परिष्ठापन दिन में या रात में ? , (5345) शव-परिष्ठापन के लिए निर्गमन , (5346) शवपरिष्ठापन हेतु भूमि-प्रतिलेखना , (5347) शवपरिष्ठापन विधि , (5348) शय्या-परिषह, (5349) शय्यापरिषहक्षमा, (5350) शीतपरिषह, (5351) शेष भवनपतियों की परिषदायें, (5352) श्मशानभूमि में परिष्ठापन की विधि , (5353) श्रुतन्द्रिसृता, (5354) सिलावरिस, (5355) सिंहपरिसा, (5356) सिरिस, (5357) सिरिसिरिवालकहा (शुद्धिपत्रक), संपादक - श्रीराजशेखरसूरिजी म., शुद्धिकार - श्रुतांगचन्द्रविजय, (5358) सिरिसंभूआ, (5359) सिरिसंभूता, (5360) सिरिसंभूया, (5361) सिरिसोम, (5362) सिरिसोमणस, (5363) सिरिसोमनस, (5364) संघातन-परिशातनकृति, (5365) संघातितअपरिशाटिरूप एकांगिक संस्तर, (5366) संघरिस, (5367) संघरिससमुट्ठिय, (5368) संज्झ्क्तब्भरागसरिस, (5369) संकरिसण, (5370) संथारापोरिसीनी विधि, लेखक - त्रैलोक्यमंडनविजय, (5371) संथारापोरिसीनी विधि, पत्रचर्चा - हर्षचन्द्रविजय, (5372) संथारापोरिसीनी विधि, पत्रचर्चा - हेमनिलयविजय, (5373) संथारापोरिसीनी विधि, पत्रचर्चा - शीलचन्द्र-निर्ग्रन्थचन्द्रविजय, (5374) संथारापोरिसीनी विधि, पत्रचर्चा - शीलचन्द्रविजय, (5375) संथारापोरिसीनी विधि, पत्रचर्चा - त्रैलोक्यमंडनविजय, (5376) सोना-पोरिस, (5377) सोना-पुरिसु, (5378) सूई आदि के परिष्कार के प्रायश्चित्त सूत्र , (5379) सूवपुरिस, (5380) स्त्री परिषद में रात्रि धर्म कथा करने का प्रायश्चित्त सूत्र , (5381) स्त्री-परिषह-जय, (5382) सुदरिसण, (5383) सुक्यपुग्गलपरिसाड, (5384) सुपरिस, (5385) सुयमुहगुज्झ्क्तद्धरागसरिस, (5386) तज्जातपारिस्थापनिकी, (5387) तीन प्रकार की चमर परिषदाओं में देवियों की संख्या, (5388) तीन प्रकार की चमर परिषदाओं में देवों की संख्या, (5389) तेजरत्नसूरिशिष्य, (5390) तेजरत्नसुरिशिष्य, (5391) थीपुरिससंजोए, (5392) तिमिरिस, (5393) तिरिस, (5394) त्रिकोटिपरिशुद्धम्, (5395) त्रिस, (5396) त्रिसठि, (5397) त्रिसट्ठ, (5398) त्रिसेंथियां, (5399) त्रिशला, (5400) त्रिशला देवी, (5401) त्रिशला के स्वप्न और उनका फलित , (5402) त्रिशलादेवी, (5403) त्रिषष्टिशलाका स्तवन, (5404) त्रिशिखमुद्रा,

(5405) त्रिशिखर, (5406) त्रिशिरस्, (5407) त्रिशूल, (5408) त्रिशूलानि, (5409) त्रिश्रृंग, (5410) त्रिसिउ, (5411) त्रिसियउ, (5412) त्रिसोपान प्रतिरूपकों का वर्णन, (5413) त्रिसोपान प्रतिरूपकों के आगे तोरण, (5414) त्रिसोपान प्रतिरूपकों के तोरण, (5415) त्रिस्थानबन्धक, (5416) त्रिस्थानपतित (त्रिस्थानिक), (5417) त्रिस्थानिक रस, (5418) उदहीसरिसनामाणं, (5419) उदकादि से युक्त आहार के परिभोग और परिष्ठापन की विधि , (5420) उदयगिरि—खंडगिरि, ओरिसा, (5421) उडंकरिसी, (5422) उडुंकरिसि, (5423) उग्घाडाए पोरिसिए, (5424) उग्घाडपोरिसि, (5425) उघरिसा, (5426) उक्करिस, (5427) उक्करिसियखग्गो, (5428) उपाधिपरिशुद्धम्, (5429) उपधि परिष्ठापन की प्राचीन विधि , (5430) उरगपरिसप्पा, (5431) उरपरिसप्प, (5432) उरपरिसप्पा, (5433) उरपरिसर्प जीवों का वर्ग, (5434) उरोपरिसप्प, (5435) उष्णपरिषहसहन, (5436) उत्परिसर्प, (5437) उत्तमपुरिस, (5438) वाचनायोग्य परिषद् , (5439) वालवरिस, (5440) वाणारिस, (5441) वाणव्यन्तरों की परिषदों के देवदेवियों की संख्या, (5442) वारिसेण, (5443) वारिसेणा, (5444) वारिसेणे, (5445) वारिश शाह, (5446) वारिषेण, (5447) वारिषेण कुमार, (5448) वारिषेण-1 कथा, (5449) वारिषेण-2 कथा, (5450) वारिषेणा, (5451) वह्निशिख, (5452) वैमानिक देवेन्द्रों की परिषदाएँ, (5453) वइरिसि, (5454) वैरिसिंह, (5455) वैयावृत्त्यकारिशुद्धि, (5456) वज्जरिसह, (5457) वज्जरिसहनाराय, (5458) वज्जरिसहणाराय, (5459) वज्जरिसहनारायसंघयण, (5460) वज्जरिसहनारायं, (5461) वणारिस, (5462) वरपुरिस, (5463) वरपुरिसवसण, (5464) वरिस, (5465) वरिसाल, (5466) वरिसालय, (5467) वरिसारत्त, (5468) वरिसचडकरक, (5469) वरिसधर, (5470) वरिसकण्ह, (5471) वरिसकण्हा, (5472) वरिसण, (5473) वरिससओवमा, (5474) वरिसवकण्ह, (5475) वरिष्ठ, (5476) वरिष्ठधी, (5477) वरिसियव्वं, (5478) वरिसोलग, (5479) वसभपरिसा, (5480) वेदपुरिसं, (5481) विदरिसण, (5482) विज्जापुरिसा, (5483) व्रतपरिसंख्यान, (5484) व्रिष्टय, (5485) वृतिपरिसंख्यान, (5486) वृत्ति परिसंख्यान, (5487) वृत्तिपरिसंख्यान, (5488) वृत्तिपरिसंख्यानातिचार, (5489) व्यतिरिष्ट, (5490) याचना परिषह, (5491) रत्नचिंतामणि पार्श्वनाथ-घरदेरासर, माणेकचोक, खंभात , (5492) " एक्काइ " नामक राष्ट्कूट का प्रजा-पीड़न, (5493) (विजय विजया कथा गर्भित) शील शिक्षा रास , (5494) आबूरास, (5495) आदेश्वर - घरदेरासर जिनालय, अच्छारी, उमरगाम, वलसाड, (5496) आदेश्वर - घरदेरासर जिनालय, वापी, पारडी, वलसाड, (5497) आदेश्वर-धरदेरासर जिनालय, डुमस, सुरत, (5498) आदेश्वर-घरदेरासर जिनालय, सोनी फळिया , सुरत, (5499) आदेश्वर-घरदेरासर जिनालय, भाईशाजीनी पोळ , सुरत, (5500) आदेश्वर-घरदेरासर जिनालय, कायस्थ महोल्लो, गोपीपुरा , सुरत, (5501) आदेश्वर-घरदेरासर जिनालय, कायस्थ महोल्लो, गोपीपुरा, सुरत, (5502) आदेश्वर-घरदेरासर जिनालय, लखीयारवाडो, पाटण, (5503) आदेश्वर-घरदेरासर जिनालय, मणियाती पाडो, पाटण, (5504) आदिदेव रास, (5505) आदिनाथ जीनो रास, (5506) आदिनाथ जिनालय, देरासरवाळी पोळ-धनासुथारनी पोळ, अमदावाद, (5507) आदिनाथ रास, (5508) आदिनाथदेवरासधवल, (5509) आदिनाथजीनो रास , (5510) आदिनाथरास, (5511) आदित्यब्रत रास, (5512) आनन्दविमलसूरिरास, (5513) आनंदमंदिर-रास, (5514) आनंदविमलसूरि रास, (5515) आराधना 32 द्वारनो रास , (5516) आराधनारास, (5517) आरामशोभा रास, (5518) आरामशोभारास, (5519) आरासणउं, (5520) आराशस्तिकाय, (5521) आर्द्रकुमार रास, (5522) आर्द्रकुमारनो रास , (5523) आषाढभूति रास , (5524) आषाढभूतिमुनिनो रास , (5525) आषाढभूतिरास, (5526) आषाढ़भूति मुनि रास, (5527) आषाढ़भूति रास, (5528) आषाढ़भूतिरास, (5529) आठकर्म रास , (5530) आत्मरागरास, (5531) आत्मराज रास, (5532) आत्मशिक्षा,वस्तुपाल तेजपाल रास , (5533) अभग्नसेन ने राजा की सेना को परास्त कर दी, (5534) अभयकुमार रास , (5535) अभयकुमार रास, शीलवती रास, (5536) अभयकुमार श्रेणिक रास, (5537) अभयकुमारादि पंचसाधु रास, (5538) अभयकुमारादिपंचसाधु रास, (5539) अभिमन्युनो रासडो, (5540) अभिनंदन स्वामी-घरदेरासर जिनालय, जीराळापाडो, खंभात, (5541) अभ्यासराशि, (5542) अढाई नो रास, (5543) अधरास, (5544) अढीद्वीपमां शाश्वत चैत्य अने प्रतिमाओनुं वर्णन अने त्रणे लोकमां रहेल शाश्वत प्रासादादिनुं यंत्र , (5545) अगड़दत्त रास, (5546) अगडदत्त रास, (5547) अगड़दत्तमुनि रास , (5548) अगडदत्तमुनि रास , (5549) अगड़दत्तरास, (5550) अघनकरास, (5551) अहमदनगर, महाराष्ट्र, (5552) ऐतिहासिक रास संग्रह, (5553) अजाकुमार रास , (5554) अजाकुमाररास, (5555) अजापुत्र रास, (5556) अजापुत्रनो रास, (5557) अजापुत्ररास, (5558) अजारा, सौराष्ट्र, (5559) अजीतसेन कनकावती रास, (5560) अजितजिनेसररास, (5561) अजितनाथ-घरदेरासर जिनालय, निशाळफळी, रांदेर , सुरत, (5562) अजितनाथ-घरदेरासर जिनालय, ओसवाल महोल्लो, गोपीपुरा , सुरत, (5563) अजितनाथ-घरदेरासर जिनालय, ३,सीमा रो हाउस, सुरत, (5564) अजितसेन कनकावती रास , (5565) अजितसेन कनकावती रास, (5566) अकलंकयति रास, (5567) अक्खयरासी, (5568) अक्षयराशि, (5569) अमर सुरसुंदरी रास, (5570) अमरदत्त मित्रानन्द रास, (5571) अमरदत्त मित्रानंद रास, (5572) अमरदत्त मित्रानंदनो रास, (5573) अमरदत्तमित्रानंद रास, (5574) अमरकुमार रास, (5575) अमरकुमार सुरसुन्दरी नो रास, (5576) अमरकुमार सुरसुंदरी रास, (5577) अमरकुमार सुरसुंदरीनो रास, (5578) अमरकुमाररास, (5579) अमरसेन रास, (5580) अमरसेन वैरसेन रास, (5581) अमरसेन वयरसेन रास , (5582) अम्बिकादेवीरास, (5583) अनकाई—टनकाईनी गुफाओ, महाराष्ट्र, (5584) अनन्तव्रतरास, (5585) अंबड रास , (5586) अंबडरास, (5587) अंबडविद्याधर-रास, (5588) अंचलगच्छनायक गुरु रास, (5589) अंचलगच्छनायकगुरुरास, (5590) अंद्रासन, (5591) अंजना रास , (5592) अंजनासती रास , (5593) अंजनासतीनो रास , (5594) अंजनासुंदरी रास , (5595) अंजनासुन्दरी रास, (5596) अंजनेरीनी गुफाओ, महाराष्ट्र, (5597) अन्नप्राशन, (5598) अन्तरंग रास, (5599) अंतरंगरास, (5600) अन्तरंगरास, (5601) अनुप्रास, (5602) अन्यतरासिद्ध (हेतु), (5603) अन्यतरासिद्धसमा जाति, (5604) अप्रासुक, (5605) अप्रासुक पानी लेने का

निषेध , (5606) अप्रासुक पात्र-ग्रहण करने के निषेध , (5607) अप्रासुक वस्त्र ग्रहण करने का निषेध , (5608) अरहन्नकरास, (5609) अर्हन्नक रास , (5610) असरासअ, (5611) अषाढ़भूति रास , (5612) अशोकचन्द्र रोहिणी रास, (5613) अशोकचन्द्ररोहिणी-रास, (5614) अशोकचंद्र रोहिणी रास, (5615) अष्टप्रकारी पूजा रास, (5616) अष्टप्रकारी पूजारास, (5617) अष्टप्रकारी रास , (5618) अतरंग रास , (5619) अठावीसमूलगुणरास, (5620) अवद्धजवरासिसंठाणसंठिए, (5621) अव्यवहारराशि, (5622) अव्यवहारराशि-व्यवहारराशि अंगे थोडोक विमर्श, लेखक - त्रैलोक्यमंडनविजय, (5623) अव्यवहारराशि-व्यवहारराशि अंगे थोडोक विमर्श, पत्रचर्चा - सुव्रतचन्द्रविजय, (5624) अयमत्ताकुमार रास , (5625) बादर युग्मराशि, (5626) बार ब्रत रास, (5627) बार व्रत ग्रहण रास, (5628) बार व्रत रास , (5629) बारह व्रत रास, (5630) बारव्रत ग्रहण (टीप) रास, (5631) बारव्रत ग्रहण रास, (5632) बारव्रत रास, (5633) बारव्रतनो रास , (5634) बारव्रतरास, (5635) बलिभद्र यशोभद्रादि रास , (5636) बलिभद्ररास, (5637) बरास, (5638) बरास- कस्तूरी, (5639) बरासकपूर, (5640) बसहिपायरास, (5641) बे लघु रास कृतियों, (5642) बीरभाण उदयभाण रास, (5643) बीरस्वामी रास, (5644) बीस स्थानक रास, (5645) बेताल पज्चवीसी रास, (5646) भासरासी, (5647) भासरासि, (5648) भासरासिवण्णाभ, (5649) भास्करास्त्र, (5650) भावग्रासैषणा, (5651) भावरत्नसूरि पाटवर्णन रास, (5652) भावरत्नसूरि प्रमुख गच्छपरंपरा रास , (5653) भावी नी कर्मरेख रास, (5654) भाविनी कर्मरेख रास , (5655) भद्रासन, (5656) भद्राश्व, (5657) भद्रबाहुरास, (5658) भगवती महावीर रास, (5659) भरडक बत्रीशी रास , (5660) भरडक बत्तीसी रास, (5661) भरडकबत्रीशी रास , (5662) भरत बाहुबली रास , (5663) भरत बाहुबलि रास , (5664) भरत चक्रवर्ती रास , (5665) भरत चक्रवर्तीनो रास , (5666) भरतबाहुबलि - रास, (5667) भरतबाहुबलिरास, (5668) भरतचक्रवर्तीनो रास , (5669) भरतेश्वर बाहुबलि रास, (5670) भरतेश्वरबाहुबलि - रास, (5671) भरतेश्वरबाहुबलिरास, (5672) भस्मराशि, (5673) भविष्यदत्तरास, (5674) भीम के मरने के बाद गोत्रास को कूटग्राह-पद, (5675) भोज चरित्र रास , (5676) भोजचरित्र रास , (5677) भ्राष्ट्रपाक, (5678) भुवनभानु केवली रास अथवा रसलहरी रास, (5679) भुवनभानुकेवलीनो रास, (5680) बंकचूल रास, (5681) बंकचूलरास (पवाडउ), (5682) बूढानो रास, (5683) बूढ़ा चरित्र रास , (5684) बूढ़ा रास , (5685) ब्रह्मदत्त चक्रवर्तीनो रास , (5686) बुद्धि रास , (5687) बुद्धिल विमल सती रास, (5688) बुद्धिल विमलासती रास , (5689) बुद्धिरास, (5690) चांदोडनी गुफाओ, महाराष्ट्र, (5691) चार प्रत्येकबुद्ध रास, (5692) चार प्रत्येकबुद्धनो रास, (5693) चारू श्रेष्ठी रास। , (5694) चारूदत्त प्रबन्ध या रास, (5695) चारूदत्तरास, (5696) चैत्य परिपाटी रास, (5697) चैत्यप्रवादीरास, (5698) चलित रास, (5699) चम्पकमालारास, (5700) चम्पकश्रेष्ठीरास, (5701) चन्दनबालारास, (5702) चन्द्रकेवली रास, (5703) चन्द्रलेखा चौपई अथवा रास, (5704) चन्द्रलेखा रास", (5705) चन्द्रलेखा सती रास, (5706) चतु :पर्वी रास, (5707) चतु :पर्वीरास, (5708) चतुरास्य, (5709) चौदहगुणस्थानकरास, (5710) चउरासी, (5711) चौरासी बोल विसंवाद, (5712) चौरासी दिगपट बोल, (5713) चौरासी लाख जीवयोनि विनती, (5714) चउरासीयउ, (5715) छप्पन दिक कुमारी रास , (5716) छप्पन दिक्कुमारी रास , (5717) चिंतामणि पार्श्वनाथ-घरदेरासर जिनालय, मोटा देरासरनी शेरी, पाटण , (5718) चिंतामणि पार्श्वनाथ-घरदेरासर जिनालय, ओसवाल महोल्लो, गोपीपुरा , सुरत, (5719) चिरास, (5720) चित्रसेन पद्मावती रास, (5721) चित्रसेन पद्मावती रास , (5722) चित्रसेनपदमावतीरास, (5723) चित्रसंभूति रास , (5724) चित्त ललितांग रास, (5725) चित्त संभूति रास, (5726) चित्तप्रासाद परिणाम, (5727) चंद राजा रासा, (5728) चंदकेवली रास , (5729) चंदकेवली रास, (5730) चंदन मलयागीरी रास , (5731) चंदन मलयागिरी रास, (5732) चंदन राज रास, (5733) चंदनबाला रास, (5734) चंदनमलयागीरी रास, (5735) चंदनमलयागिरि रास, (5736) चंदराजा रास , (5737) चंदराजा रास, (5738) चंदराजा रास अथवा चन्द्रचरित्र, (5739) चंदराजा रास चोपाई , (5740) चंदराजानो रास , (5741) चंदराजानो रास , (5742) चंद्रायणो रास, (5743) चंद्रकेवलीनो रास, (5744) चंद्रलेखा रास , (5745) चंद्रलेखासती रास , (5746) चंद्रप्रभ स्वामी-घरदेरासर जिनालय, लोंकापरी-चितारी बजार, खंभात, (5747) चंद्रप्रभुस्वामी - घरदेरासर जिनालय, बीलीमोरा, गणदेवी, नवसारी, (5748) चंद्रप्रभुस्वामी-घरदेरासर जिनालय, गोपीपुरा, मेइन रोड , सुरत, (5749) चंपक रास, (5750) चंपक श्रेष्ठि रास, (5751) चंपकमाला रास, (5752) चंपकसेन चौपई अथवा वृद्धदंत सुघदंत रास, (5753) चंपकसेन रास, (5754) चंपकश्रेष्ठी रास, (5755) चोरासी, (5756) चोरासी बोल विसंवाद, (5757) चोरासी खाण, (5758) चोवीशी,मयणरेहा रास , (5759) दामनक रास , (5760) दामनन्नक रास, (5761) दामन्नक रास, (5762) दामोदराश्रम, (5763) दान शील तप भावना रास , (5764) दानशील तप भावना रास, (5765) दानशीलतपभावना... रास , (5766) दसलक्षण रास, (5767) दशार्णभद्ररास, (5768) दशलक्षणव्रतकथारास, (5769) दत्ति-ग्रासपरिमाण, (5770) दीव, सौराष्ट्र, (5771) दीवालीरास, (5772) देहरासरु, (5773) देलवाडा, सौराष्ट्र, (5774) देरासर, (5775) देवचन्द रास, (5776) देवचंद्र रास , (5777) देवदत्त रास, (5778) देवकी छ पुत्र रास, (5779) देवकीजना छ पुत्रोनो रास, (5780) देवसुन्दरसूरिरास, (5781) देवविलास या देवचन्द्रजी महाराज नो रास , (5782) धाम्मिल रास , (5783) ढांक, सौराष्ट्र, (5784) धमन्नक रास, (5785) धम्मिल रास, (5786) धम्मिलकुमार रास , (5787) धम्मिलकुमार रास , (5788) धम्मिलरास, (5789) धना रास, (5790) धना शालिभद्र रास , (5791) धनानो रास, (5792) धनाशालिभद्र रास , (5793) धनदकुमार रास , (5794) धनदत्त रास , (5795) धनपाल शीलवती नो रास , (5796) धनपाल शीलवतीनो रास , (5797) धनसार पंचशालि रास, (5798) धनसारपंचशालिरास, (5799) धनविजय पन्यास रास, (5800) धन्ना रास, (5801) धन्ना शालिभद्र रास, (5802) धन्नाअणगारनोरास, (5803) धन्नानो रास, (5804) धन्नारास, (5805) धन्नाशालिभद्र - रास, (5806) धन्नाशालिभद्र रास, (5807) धन्नाशालिभद्ररास, (5808) धन्यकुमाररास, (5809) धन्यविलास

या धन्ना शालिभद्ररास, (5810) धर्म परीक्षा रास, (5811) धर्मबुद्धि मंत्री अने पापबुद्धि राजा नो रास, (5812) धर्मबुद्धि मंत्रीश्वर रास, (5813) धर्मबुद्धि पापबुद्धि रास, (5814) धर्मबुद्धि पापबुद्धि रास अथवा कामघट रास, (5815) धर्मबुद्धि रास , (5816) धर्मदत्त चौपइ अथवा रास, (5817) धर्मदत्त धनपति रास, (5818) धर्मनाथ - घरदेरासर जिनालय, बुहारी, वालोड, सुरत, (5819) धर्मनाथ - घरदेरासर जिनालय, वलसाड, (5820) धर्मनाथ जिनालय, हाथीवाळा देरासरनी गलीमां , सुरत, (5821) धर्मनाथ जिनालय, हाथीवाळुं देरासर, गोपीपुरा, सुरत, (5822) धर्मपरीक्षा चौपइ 548, या रास, (5823) धर्मपरीक्षा रास , (5824) धर्मपरीक्षानो रास , (5825) धर्मपरीक्षारास, (5826) धर्मरासो, (5827) ढंढणकुमार रास, (5828) ढंढणकुमाररास, (5829) धंधुका, सौराष्ट्र, (5830) धोलका, सौराष्ट्र, (5831) ढूँढक मतोत्पत्तिरास, (5832) ढूंढक रास , (5833) ढूंढक रास अथवा लुंपक लोपक तपगच्छ ज्योत्पत्ति वर्णनरास , (5834) ढूंढक रासो , (5835) ध्रास, (5836) धृतराष्ट्र, (5837) ढुंढक रास , (5838) धुवरासी, (5839) ध्यानामृत रास, (5840) दिग्पट चौरासी बोल, (5841) दिकपट चौरासी बोल, (5842) द्रौपदी चरित्र रास , (5843) द्रौपदी रास , (5844) द्रव्यगुण पर्याय रास, (5845) द्रव्यगुणपर्याय रास, (5846) द्रव्यगुणपर्याय रास बालावबोध, (5847) द्रव्यगुणपर्यायनो रास , (5848) दुहरासि, (5849) दुरासय, (5850) दुरासया, (5851) द्वारका, सौराष्ट्र, (5852) ईरियावही रास, (5853) ईश्वराश्रयाप्रमा, (5854) एगसाडियउत्तरासंगकरण, (5855) गजसिंह कुमार रास , (5856) गजसिंह कुमाररास, (5857) गजसिंह राजा रास , (5858) गजसिंह राजारास, (5859) गजसिंहकुमार रास, (5860) गजसिंहकुमाररास, (5861) गजसिंहनो रास , (5862) गजसिंहराजानो रास , (5863) गजसिंहराजनो रास , (5864) गजसिंहरास, (5865) गजसिंहराय चरित्र रास, (5866) गजसिंहराय रास , (5867) गजसिंहरायचरित्ररास, (5868) गजसुकुमाल रास , (5869) गजसुकुमालरास, (5870) गजसुकुमार ऋ. रास , (5871) गतत्रास, (5872) गौतम रास, (5873) गौतम स्वामी रास, (5874) गौतमरास, (5875) गौतमरास (मरु-गुर्जर की रचना), (5876) गौतमस्वामी नो रास, (5877) गौतमस्वामी रास , (5878) गौतमस्वामी- रास, (5879) गौतमस्वामीनो रास, (5880) गौतमस्वामीनो रास, (5881) गौतमस्वामीरास, (5882) गयसुकुमालरास, (5883) घरास, (5884) घोघा, सौराष्ट्र, (5885) गिरनार उद्धार रास , (5886) गिरनार, सौराष्ट्र, (5887) गोडी पार्श्वनाथ-घरदेरासर जिनालय, माळी फळिया, गोपीपुरा, सुरत, (5888) गोग्रास, (5889) गोत्रास, (5890) गोत्रास का मांस-भक्षण और नरक आदि के भव, (5891) गोत्रासिया, (5892) गोविंदरास, (5893) ग्रास, (5894) ग्रासैषणा, (5895) ग्रासैषणा 5 (प्रवचन सारोद्धार द्वार 95), (5896) ग्रासैषणा दोष, (5897) ग्रासैषणा दोष 5, (5898) ग्रासैषणादोष, (5899) ग्रासवुं, (5900) ग्रासीआ, (5901) गुणावली चौपई अथवा गुण करंड गुणावली रास, (5902) गुणावली गुणकरंड रास , (5903) गुणावली कुणकरंडरास, (5904) गुणावली रास, (5905) गुणधर्म रास , (5906) गुणजिनरास, (5907) गुणकरंड गुणावली रास, (5908) गुणकरंडगुणावली रास, (5909) गुणसेन केवली रास , (5910) गुणसेनकेवली रास , (5911) गुणवमीरास, (5912) गुणवर्मा रास , (5913) गुरु रास, (5914) गुरुरास, (5915) गुरुतत्त्वप्रकाश रास , (5916) हनुमन्तरास, (5917) हनुमंत चरित्र रास , (5918) हरकेशीमुनिनो रास , (5919) हरिबल लच्छी रास , (5920) हरिबल लछी रास, (5921) हरिबल माछीनो रास, (5922) हरिबल मच्छी रास, (5923) हरिबल नो रास, (5924) हरिबल रास , (5925) हरिबलमाछिरास, (5926) हरिबलमच्छी रास , (5927) हरिबलमच्छीनो रास, (5928) हरिबलनो रास , (5929) हरिबलरास, (5930) हरिवाहन राजा रास, (5931) हरिवाहन राजानो रास, (5932) हरिवाहन राजनो रास , (5933) हरिवाहनराजानो रास, (5934) हरिवंश रास, (5935) हरिवंशपुराणरास, (5936) हीरविजय सूरि निर्वाणरास, (5937) हीरविजय सूरि रास, (5938) हीरविजय सूरि सूरिनो वारबोल रास, (5939) हीरविजयसूरि बार बोल रास , (5940) हीरविजयसूरि रास , (5941) हीरविजयसूरि-रास, (5942) हेमचन्द्र गणि रास, (5943) हेमचंद्रगणि रास, (5944) हेमकूटगिरि, महाराष्ट्र, (5945) हित शिक्षा रास, (5946) हिताशिक्षा- रास, (5947) हितशिक्षा प्रबुद्ध रास , (5948) हितशिक्षा रास , (5949) हितशिक्षाप्रबुद्ध रास, (5950) हितशिक्षाप्रबुद्धरास, (5951) हंसागीत या हंसभावना हंसा - तिलकरास, (5952) हंसाउली रास, (5953) हंसराज वच्छराज रास , (5954) हंसराज वच्छराजनो रास , (5955) हंसराज वत्सराज रास , (5956) इच्छा राशि, (5957) इलाची केवली रास, (5958) इलाचीकेवली रास , (5959) इलाचीकुमार चौपई अथवा रास, (5960) इलाकुमार रास , (5961) इलापुत्र रास , (5962) इलापुत्ररास, (5963) इन्द्रासनि, (5964) इतरेतराश्रय, (5965) इतरेतराश्रयः, (5966) जामनगर, सौराष्ट्र, (5967) जावड़-भावड़रास, (5968) जैन ऐतिहासिक गुर्जर रास संग्रह, (5969) जैन ऐतिहासिक रासमाला , (5970) जैन ऐतिहासिकरासमाला, (5971) जैन रास संग्रह, (5972) जैनरासंग्रह, (5973) जलगालनरास, (5974) जम्बूअंतरंगरास, (5975) जम्बूस्वामीरास, (5976) जरासन्ध, (5977) जरासन्घ, (5978) जरासन्धारि, (5979) जरासिंध, (5980) जरासिंधु, (5981) जरासंध, (5982) जरासंघ, (5983) जरासंघ प्रतिशत्रु, (5984) जसमानो रासडो, (5985) जसवंत मुनि रास, (5986) जसवंतमुनिनो रास , (5987) जयानंद केवली रास , (5988) जयानंद रास , (5989) जयानंदकेवली रास , (5990) जयानंदकेवली रास , (5991) जयचंद्र रास , (5992) जयसेन लीलावती रास, (5993) जीरावलारास, (5994) जीरावल्लापार्श्वनाथरास, (5995) जीव राशि, (5996) जीवभवस्थिति रास, (5997) जीवभवस्थिति-सिद्धान्तसार-प्रवचनसाररास, (5998) जीवभवस्थितिरास, (5999) जीवदया रास, (6000) जीवदयारास, (6001) जीवराशि, (6002) जीवरासि, (6003) जीवत स्वामी रास, (6004) जीवत स्वामीनो रास , (6005) जीवतस्वामीनो रास , (6006) जीवविचार रास , (6007) जीवंधररास, (6008) जीवंधरस्वामीरास, (6009) जिघ्रास मरण, (6010) जिन पालित जिनरक्षित रास, (6011) जिन प्रतिमास्थापना रास, गीतार्थ पदावबोध, वीतराग स्तवन , (6012) जिनभद्र पट्टाभिषेक रास, (6013) जिनभद्रसूरिपट्टाभिषेकरास, (6014) जिनचन्द्रसूरिवर्णनरास, (6015) जिनचंद सूरि अकबर प्रतिबोध रास, (6016) जिनचंद सूरि निर्वाण रास, (6017) जिनचंद सूरि रास, (6018) जिनचंद्रसूरि अकबर रास , (6019) जिनचंद्रसूरि

निर्वाण रास , (6020) जिनदत्त रास, (6021) जिनपाल जिनरक्षित रास , (6022) जिनपालजिनरक्षितरास, (6023) जिनपालित जिनरक्षित रास , (6024) जिनपालित जिनरक्सित रास, (6025) जिनप्रतिमा दृढकरण हूंडी रास, (6026) जिनप्रतिमा दृढकरण हुंडीराश, (6027) जिनप्रतिमा दृढकरण रास , (6028) जिनराज सूरि रास, (6029) जिनराजसूरि रास , (6030) जिनरत्नसूरि निर्वाण रास , (6031) जिनरत्नसूरि निर्वाणरास, (6032) जिनसागर सूरि निर्वाण रास, (6033) जिनसागर सूरि रास, (6034) जिनसागरसूरि रास , (6035) जिनसिंह सूरि रास, (6036) जिनसिंहसूरि रास , (6037) जिनविजय निर्वाण रास , (6038) जिनोदयसूरि पट्टाभिषेक रास, (6039) जिनोदयसूरिपट्टाभिषेकरास, (6040) जितारीराजा रास, (6041) जंबू रास , (6042) जंबू स्वामी रास, (6043) जंबू स्वामी रास (पंचम चरित्र), (6044) जंबूद्वीप रास, (6045) जंबूकुमार रास , (6046) जंबूरास, (6047) जंबूस्वामी - रास, (6048) जंबूस्वामी रास, (6049) जंबु कुमार रास, (6050) जंबु रास, (6051) जंबुस्वामी रास, (6052) जोगी रास , (6053) जोगीरास , (6054) जोवंधर रास, (6055) जुनागढ, सौराष्ट्र, (6056) जुन्नेर, महाराष्ट्र, (6057) कामदेवनो रास , (6058) कामदेवरास, (6059) कामराशि, (6060) कान्ह कठियारा रास, (6061) कान्हड कठियारानो रास, (6062) कापडहेडा रास , (6063) कापड़हेड़ा रास, (6064) कापड़हेड़ा तीर्थरास, (6065) कच्छूली रास, (6066) कच्छुलीरास, (6067) कलावती रास , (6068) कलावती सतीनो रास, (6069) कलावतीसतीनो रास , (6070) कलावतीसतीरास, (6071) कलवती रास, (6072) कलिकाल रास, (6073) कलिकालरास, (6074) कल्याण विजयमणि नो रास, (6075) कल्याणकरास, (6076) कल्याणसागर सूरि निर्वाण रास , (6077) कल्याणसागर सूरि रास , (6078) कल्याणसागरसूरि रास , (6079) कल्याणसागरसूरिनो रास , (6080) कल्याणसागरसूरिरास, (6081) कल्याणविजयगणिनो रास , (6082) कल्योजकल्योज राशि, (6083) कमलावतीरास, (6084) कमलविजय रास , (6085) कनक श्रेष्ठीनो रास , (6086) कनकरथरास, (6087) कनकश्रेष्ठीनो रास , (6088) कनकश्रेष्ठि रास, (6089) कपिल केवली रास, (6090) कपिलकेवली रास , (6091) कराड, महाराष्ट्र, (6092) कर्मचन्द वंशावलीरास, (6093) कर्मविपाक रास , (6094) कर्मविपाकरास, (6095) कर्मविवरणरास, (6096) कर्पूरमञ्जरी रास, (6097) कर्पूरमंजरी रास, (6098) कर्पूरमंजरीनो रास , (6099) कर्पूरविजय निर्वाण रास, (6100) कर्पूरविजयगणिनो रास, (6101) कथवन्नारास, (6102) कटुकमत पट्टावली , धन्यविलास रास , (6103) कविप्रमोद रास, (6104) कयवन्ना रास , (6105) कयवन्ना शाहनो रास , (6106) कयवन्ना शाहनो रास (2), (6107) कयवन्नानो रास , (6108) कयवन्नाशाहनो रास, (6109) केसरियाजीनो रास , (6110) केशरिया नो रास , (6111) केशी प्रदेशी राजानो रास , (6112) केशी प्रदेशी रास, (6113) केशी प्रदेशीराजानो रास, (6114) केशीप्रदेशी रास, (6115) खापराचोर रास, (6116) खमाहडालियानो रास, (6117) खीरासव, (6118) खीरासवी, (6119) खेमा हडालियानो रास, (6120) खेमाहडालिया नो रास, (6121) खिचड़ी रास, (6122) खिम बलिभद्र यशोभद्र रास , (6123) खिम बलिभद्र...रास, (6124) खिमबलिभद्रयशोभद्र रास , (6125) खिमर्षिरास, (6126) खुमाण रास, (6127) खुमाणरास, (6128) किसिपारासर, (6129) कंडरिक पुंडरिक रास , (6130) कोचर व्यवहारी रास , (6131) कोचरव्यवहारीरास, (6132) कोल्हापुर, महाराष्ट्र, (6133) कृतकर्म रास, (6134) कृतकर्मचरितरास, (6135) कृतकर्मराजाधिकाररास, (6136) कृतपुण्य (कयवन्ना) रास, (6137) क्षमाविजय निर्वाण रास, (6138) क्षीराश्रव, (6139) क्षीराश्रव लब्धि, (6140) क्षीरास्त्रावी, (6141) क्षीरास्त्रव, (6142) क्षीरास्त्रवी, (6143) क्षेत्रप्रकाश रास , (6144) क्षुल्लककुमार रास , (6145) क्षुल्लककुमाररास, (6146) कुकड़ा मार्जारी रास, (6147) कुकडामार्जारी रास , (6148) कुलध्वज कुमार रास, (6149) कुलध्वज रास , (6150) कुलध्वजकुमार रास , (6151) कुलध्वजकुमाररास, (6152) कुमार मुनिरास, (6153) कुमारपाल रास, (6154) कुमारपाल-रास, (6155) कुमारपालरास, (6156) कुमति नो रास, (6157) कुमतिनो रास , (6158) कुमतिरास या प्रतिमास्थापन गीत, (6159) कुंभोज, महाराष्ट्र, (6160) कुंडरिक पुण्डरिक रास, (6161) कुंथुनाथ - घरदेरासर जिनालय, उदवाडा, पारडी, वलसाड, (6162) कुंथुनाथ - घरदेरासर जिनालय, वापी, पारडी, वलसाड, (6163) कुसुमश्री रास, (6164) कुसुमश्री रास, मृगापुत्र चोपाई , (6165) कुसुमश्री-रास, (6166) क्यवन्ना रास, (6167) क्यवन्ना शाहनो रास, (6168) क्यवन्नाशाहनो रास, (6169) लाभोदय रास, (6170) लक्ष्मीसागर निर्वाण रास, (6171) लक्ष्मीसागरसूरि निर्वाण रास, (6172) ललितांग रास, (6173) ललितांगकुमार रास, (6174) ललितांगकुमाररास, (6175) ललितांगरास, (6176) लवकुश रास , (6177) लवकुश रास, या रामसीतारास या शीलप्रबंध, (6178) लीलाधर रास, (6179) लीलावती रास , (6180) लीलावती सुमतीविलास रास , (6181) लीलावती सुमतिविलास रास , (6182) लीलावती सुमितविलास रास , (6183) लीलावतीरास, (6184) लीलावतीसुमतिविलासरास, (6185) लुंका खण्डन प्रतिमा मण्डन रास, (6186) लुंकटमत निर्लोठन रास, (6187) लुंकटमतनिर्लोढ़नरास, (6188) मालीरास, (6189) मानतुंग मानवतीनो रास , (6190) मानतुंग मानवती रास , (6191) मानतुंग मानवती रास, (6192) मानतुंग मानवतीनो रास , (6193) मानतुंग मानवतीनो रास, (6194) मानतुंग मानवतीरास, (6195) मांडक रास, (6196) माणेकदेवी रास , (6197) माणेकदेवीनो रास , (6198) माणेकदेवीनो रास , (6199) मांकड रास, (6200) मांकड़ रास, (6201) मासरासिवण्णाभ, (6202) मात्राष्टक, (6203) मदन धनदेव रास , (6204) मदन कुमार रास, (6205) मदन रास , (6206) मदन रास , मदन युद्ध, (6207) मदनधनदेव रास , (6208) मदनकुमार नो रास, (6209) मदनकुमार राजर्षि रास , (6210) मदनकुमार राजर्षि रास अथवा चरित्र, (6211) मदनकुमार रास , (6212) मदनकुमारनो रास, (6213) मदनरास, (6214) मद्रास, दक्षिण भारत, (6215) मगरासणं, (6216) महाबल मलयासुंदरी रास, (6217) महाबल मलयसुन्दरी रास, (6218) महाबल मलयसुंदरी रास , (6219) महाबल मलयसुंदरीनो रास , (6220) महाबल मलयसुंदरीनो रास , (6221) महाबल रास , (6222) महाबलरास, (6223) महाराष्ट्र, (6224) महाराष्ट्रः, (6225) महावीर रास, (6226) महावीर स्वामी-घरदेरासर जिनालय, दहेवाणनगर, पाटण, (6227) महावीररास, (6228) महावीरस्वामी - घरदेरासर जिनालय, वापी, पारडी,

वलसाड, (6229) महावीरस्वामी-घरदेरासर जिनालय, पारस सोसायटी, कतारगाम , सुरत, (6230) महर्षिरास, (6231) महीपालनो रास, (6232) महीपालरास, (6233) महिमाप्रभ निर्वाण रास, (6234) महिमाप्रभसूरि निर्वाण कल्याणक रास, (6235) महिमती राजा अने मतिसागर प्रधान रास, (6236) महुवा, सौराष्ट्र, (6237) मलय सुन्दरीमहाबल रास अथवा विनोदविलास रास, (6238) मलयसुंदरी महाबल रास , (6239) मलयसुंदरी महाबल रास, (6240) मलयसुंदरी रास, (6241) मलयसुन्दरीरास, (6242) मल्लिनाथ रास , (6243) मनकरहा रास, (6244) मनमोहन पार्श्वनाथ जिनालय, हाथीवाळा देरासरनी गलीमां , सुरत, (6245) मत्स्योदर कुमार रास, (6246) मत्स्योदर रास, (6247) मत्स्योदरकुमाररास, (6248) मत्स्योदररास, (6249) मयणारेहा रास , (6250) मयणरेहा रास, (6251) मयणरेहारास, (6252) मेघकुमार रास , (6253) मेघकुमाररास, (6254) मित्रचाड रास, (6255) मंडलाबद्धरास, (6256) मंगलकलश - रास, (6257) मंगलकलश रास, (6258) मंगलकलशचरित्र - रास, (6259) मंगलकलशरास, (6260) मंत्रासरु, (6261) मोहविवेक रास, (6262) मूलप्रासादवतंसक का प्रमाण, (6263) मृगाङ्कलेखारास, (6264) मृगांक लेखा रास, (6265) मृगांक पदमावती रास, (6266) मृगांकलेखा रास , (6267) मृगांकलेखा रास, (6268) मृगांकलेखा- रास, (6269) मृगापुत्र के पूर्वभव की की एक्काइ " नामक राष्ट्कूट कथा, (6270) मृगापुत्ररास, (6271) मृगावतीचरित्र- रास, (6272) मृगपुत्र रास, (6273) मुज्जरासो, (6274) मुक्कधुरासंपाडगसेवी, (6275) मुनिपति रास, (6276) मुनिसुव्रतस्वामी - घरदेरासर जिनालय, डुंगरा, पारडी, वलसाड, (6277) मुनिसुव्रतस्वामी - घरदेरासर जिनालय, नवसारी, (6278) मुनिसुव्रतस्वामी - घरदेरासर जिनालय, वापी, पारडी, वलसाड, (6279) मुनिसुव्रतस्वामी-धरदेरासर जिनालय, केशवज्योत, अठवालाइन्स, सुरत, (6280) मुनिसुव्रतस्वामी-घरदेरासर जिनालय, कलाश्रीपतनी पोळ , सुरत, (6281) नागकुमाररास, (6282) नागलकुमार नागदत्त रास, (6283) नागलकुमार नागदत्तनो रास , (6284) नागलकुमार-नागदत्तनो रास , (6285) नागिल मति रास, (6286) नागिल सुमति रास, (6287) नागिलसुमति रास, (6288) नारीनिरास - फागु, (6289) नारीनिरासफाग, (6290) नाशिक पासेनी जैन गुफाओ, महाराष्ट्र, (6291) नाशिक, महाराष्ट्र, (6292) नैराशी, (6293) नलदमयन्तीरास, (6294) नलदमयंती रास , (6295) नलदमयंती रास अथवा नलायन रास, (6296) नलदमयंती संबोध या रास, (6297) नळदमयंतीरास, (6298) नलदवदन्ती (नलराय रास), (6299) नलदवदंती रास, (6300) नलदवदंतीरास, (6301) नलदवदंति रास, (6302) नमिनाथ - घरदेरासर जिनालय, वापी, पारडी, वलसाड, (6303) नमिनाथ-धरदेरासर जिनालय, लालबंगला, अठवालाइन्स, सुरत, (6304) नमिनाथ-घरदेरासर जिनालय, अंकुर सोसायटी, सुरत, (6305) णमोकार रास, (6306) नर्मदासुंदरी रास , (6307) नर्मदासुन्दरी रास, (6308) नर्मदासुंदरीनो रास, (6309) नवकार रास, (6310) नवकार रास अथवा राजसिंह राजवती रास, (6311) नवपद रास , (6312) नवराष्ट्र, (6313) नवतत्त्व रास , (6314) नवतत्त्वनो रास , (6315) नवतत्त्वरास, (6316) नवतत्व रास, (6317) नयचक्र रास , (6318) नयप्रकाश रास , (6319) नयविचार रास, (6320) नीतिशास्त्र पंचाखान चौपइ अथवा रास, (6321) नेम रासो , (6322) नेम रासो,नेम राजुल बारमास , (6323) नेमचरित्र चौ. अथवा नेमरास, (6324) नेमीश्वर रास, (6325) नेमि राजीमती रास, (6326) नेमि रास, (6327) नेमि रास , आबु रास, (6328) नेमिचरितरास, (6329) नेमिजिन रास , (6330) नेमिजिन रास अथवा वसंतविलास, (6331) नेमिकुमार रास, (6332) नेमिनाथ - रास, (6333) नेमिनाथ नवभव रास, (6334) नेमिनाथ रास , (6335) नेमिनाथरास, (6336) नेमिनाथरासो, (6337) नेमिनाथयादवरास, (6338) नेमिराजीमती रास, (6339) नेमिरास, (6340) नेमिरास यादव रास, (6341) नेमिसागर निर्वाण रास , (6342) नेमिसागर रास, (6343) निद्राशील पापश्रमण , (6344) णिझॅरपंचमीकहारास, (6345) णिरास, (6346) निराससे, (6347) निराशी, (6348) निराशि, (6349) निराशंस, (6350) निरासो, (6351) निरास्त्रव, (6352) निर्ग्रन्थी की वस्त्राषणा विधि , (6353) निर्वाण के अनन्तर भस्मराशि-ग्रह और उसका प्रभाव, (6354) निश्रास्थान, (6355) नंदन मणियार रास, (6356) नंदीशेण रास, (6357) नंदिषेण रास , (6358) नंदिषेण रास अथवा चौपई, (6359) न्यायसागर निर्वाण रास , (6360) न्यायसागर निर्वाणरास, (6361) ऊदर रासो, (6362) ऊएसारास, (6363) ओसमपहाड, सौराष्ट्र, (6364) ओसवाल रास, (6365) पालीताणा, सौराष्ट्र, (6366) पांच पांडव रास, (6367) पांडव चरित्र रास, (6368) पांडवचरित्र रास , (6369) पारासर, (6370) पारासरढढण, (6371) पाराशर, (6372) पाराशरी, (6373) पारासुर, (6374) पार्श्वनाथ - घरदेरासर जिनालय, गणेश सीसोदरा, नवसारी , (6375) पार्श्वनाथ - घरदेरासर जिनालय, वापी, पारडी, वलसाड, (6376) पार्श्वनाथ -घरदेरासर जिनालय, बारडोली, सुरत, (6377) पार्श्वनाथ रास, (6378) पार्श्वनाथ-घरदेरासर जिनालय, टीमलीयावाड, नानपुरा, सुरत, (6379) पार्श्वनाथ-घरदेरासर जिनालय, दलालनो खांचो -बहुचराजीनी पोळ, खंभात, (6380) पार्श्वनाथ-घरदेरासर जिनालय, मोती पोळ, गोपीपुरा, सुरत, (6381) पार्श्वनाथ-घरदेरासर जिनालय, नानो गंध्रकवाडो, खंभात, (6382) पार्श्वनाथ-घरदेरासर जिनालय, पोळनी शेरी, पाटण , (6383) पासणिअ/पश्यक/प्राश्निक , (6384) पायरास, (6385) पायरासु, (6386) पद महोत्सव रास, (6387) पदमावती पद्मश्री रास, (6388) पदमहोत्सव रास , (6389) पदमण रासो , (6390) पद्मप्रभु-घरदेरासर जिनालय, मणियाती पाडो, पाटण , (6391) पद्मप्रभुस्वामी-घरदेरासर जिनालय, केशवजयोत, अठवालाइन्स, सुरत, (6392) पद्मविजय निर्वाण रास , (6393) पज्चाख्यान चौपइ अथवा कथा-कल्लोल पज्चकारण रास, (6394) पज्चपर्वी रास अथवा रत्नशेखर रास, (6395) परासह, (6396) परासर, (6397) पराशर, (6398) परास्कन्दी, (6399) परासु :, (6400) परदेशी राजानो रास , (6401) परदेशी राजा रास , (6402) परदेशी राजानो रास, (6403) परदेशीराजा रास , (6404) परदेशीराजानो रास , (6405) परदेशीराजारास, (6406) परमालरासो, (6407) परमहंसरास, (6408) परम्परासम्बन्धः, (6409) परम्पराश्रयचक्रक, (6410) परम्परास्थापना, (6411) परिग्रह परिमाण रास , (6412) परोणो-रास, (6413) पट्टाभिषेकरास, (6414) पवनंजय अंजनासुन्दरी सुत हनुमंत चरित्र रास, (6415) पीरमबेट, सौराष्ट्र, (6416)

पेथडरास, (6417) पेथड़रास, (6418) फलौधीपार्श्वनाथरासगाथा, (6419) फलवर्धी पार्श्व रास , (6420) पंचपांडवचरित - रास, (6421) पंचपाण्डवरास, (6422) पंदरमी कला - विद्या रास , (6423) पंदरमी कला विद्या रास, (6424) पूजाविधि रास , (6425) पूजाविधिरास, (6426) पूना, महाराष्ट्र, (6427) पूंजामुनिनो रास , (6428) पूर्वदेशचैत्यपरिपाटीरास, (6429) पूर्वदेशचैत्यरास, (6430) पोसहरास, (6431) प्राचीन जैन रास संग्रह, (6432) प्रार्थनाथ धरदेरासर जिनालय, उधना, उद्योगनगर, सुरत, (6433) प्रास, (6434) प्रासाद, (6435) प्रासाद प्रवेश, (6436) प्रासादबहुल, (6437) प्रासादवतंसकों का प्रमाण, (6438) प्राशन, (6439) प्राशे, (6440) प्राश्निक, (6441) प्राश्निक/सभ्य, (6442) प्राशुक, (6443) प्राश्यां, (6444) प्रासंति, (6445) प्रास्ताविक छप्पय बावनी, (6446) प्रास्ताविक दोहा, (6447) प्रास्ताविक कुंडलिया बावनी, (6448) प्रास्थाल, (6449) प्रासुक, (6450) प्रासुक जल, (6451) प्रासुक विहार स्वरुप प्ररूपण , (6452) प्रासुक-अप्रासुक स्थण्डिल में परठने का विधि-निषेध , (6453) प्रासुकाहार, (6454) प्रासुकमार्ग, (6455) प्रासुकविहार, (6456) प्रासुकेषणिउ, (6457) प्रातराश : , (6458) प्रायश्चित्त राशि की उत्पत्ति : असंख्य असंयमस्थान , (6459) प्रभाकर रास, (6460) प्रभासपाटण, सौराष्ट्र, (6461) प्रभावन उदायन रास , (6462) प्रभावती (उदायन) रास, (6463) प्रभावती उदायन रास , (6464) प्रबोध चिंतामणि रास , (6465) प्रबोधचिंतामणि रास , (6466) प्रदेशी चौपई अथवा केसी प्रदेशी राजा रास, (6467) प्रदेशीराजानो रास , (6468) प्रद्युमन परदवण रास, (6469) प्रद्युमन रास, (6470) प्रद्युम्न कुमार रास , (6471) प्रद्युम्नकुमार रास , (6472) प्रसन्नचन्द्ररास, (6473) प्रसन्नचंद राजर्षि रास, (6474) प्रसन्नचंद्र राजर्षि रास , (6475) प्रसेनजित रास, (6476) प्रसेनजितरास, (6477) प्रतापसिंहबाबु रास , (6478) प्रतिबोध रास , (6479) प्रतिमा पूजा विचार रास , (6480) प्रतिमा रास , (6481) प्रतिमाग्यारह का रास, (6482) प्रतिमापूजाविचार रास , (6483) प्रतिराश्यते, (6484) प्रेमचंद संघवर्णन रास , (6485) प्रेमचंद्र संघवर्णन रास , (6486) प्रेमलालच्छी रास , (6487) प्रेमलालक्षी रास अथवा चन्द चरित, (6488) प्रेमविलास रास, (6489) प्रियमेलक रास , (6490) पृथ्वीचन्द्रगुणसागररास, (6491) पृथ्वीचंद कुमार रास, (6492) पृथ्वीचंदकुमार रास , (6493) पृथ्वीचंद्र गुणसागर रास, (6494) पृथ्वीचंद्रगुण सागर रास, (6495) पृथ्वीराजरासो, (6496) पुज्जं मुनि नो रास, (6497) पुण्य पाप रास, (6498) पुण्याढ्य रास , (6499) पुण्याढ्यनरेश्वररास, (6500) पुण्यपाल गुणसुंदरी रास, (6501) पुण्यपाल नो रास, (6502) पुण्यपालनो रास , (6503) पुण्यपाप रास , (6504) पुण्यराशि, (6505) पुण्यसार रास , (6506) पुण्यसार रास, (6507) पुण्यसार रास चोपाई , (6508) पुण्यसाररास, (6509) पुण्यविलास रास , (6510) पुष्पांजलिरास, (6511) पुष्फरास, (6512) पुत्र का \' गोत्रास \' नाम दिया, (6513) राजसागरसूरि निर्वाण रास , (6514) राजसिंह कथा (नवकार रास), (6515) राजसिंह कथा रास , (6516) राजसिंह कुमार रास, (6517) राजसिंह राजर्षि रास , (6518) राजसिंह रास , (6519) राजसिंह रास अथवा नवकार रास, (6520) राजसिंहकुमार रास , (6521) राम यशोरसायन रास , (6522) रामरास, (6523) रामरास अथवा ढालसागर , (6524) रामरासो , (6525) रामसीता रास , (6526) रामसीतारास, (6527) रामयशोरसायन रास , (6528) राणसिंह राजर्षि रास , (6529) रास, (6530) रासह, (6531) रासलीला, (6532) रासी, (6533) राश, (6534) राशि, (6535) राशित्र्यच्यापकः, (6536) राशियुग्म, (6537) राष्ट, (6538) राष्ट्र, (6539) राष्ट्रधर्म, (6540) राष्ट्रकूट, (6541) राष्ट्रकूट ने प्रव्रज्या लेने का निषेध किया, (6542) राष्ट्रपाल, (6543) राष्ट्रवर्धन, (6544) रासि, (6545) रासिजुम्म, (6546) रासिया, (6547) रासो (भक्त), (6548) रासुलडउ, (6549) रासुलउ, (6550) रात्रिभोजन परिहार रास, (6551) रात्रिभोजन परिहारक रास, (6552) रात्रिभोजनपरिहारक रास, (6553) रात्रिभोजनरास, (6554) रायचन्द्र सूरि रास, (6555) रैवंतगिरिरास, (6556) रणसिंह राजर्षि रास, (6557) रसरत्न रास , (6558) रतनपाळ रास, (6559) रतनपाल रास, (6560) रतनपालनो रास, (6561) रत्नचूड मनीचूड रास , (6562) रत्नचूड मणिचूड रास, (6563) रत्नचूड़ रास, (6564) रत्नचूड रास, (6565) रत्नचूड व्यवहारी रास , (6566) रत्नचूडमणिचूड रास , (6567) रत्नचृड़रास, (6568) रत्नहास रास, (6569) रत्नमाला रास , (6570) रत्नपाल रास, (6571) रत्नपालनो रास, (6572) रत्नरास चौपई, (6573) रत्नराशि, (6574) रत्नसार कुमार रास, (6575) रत्नसार रास, (6576) रत्नसार तेजसार रास, (6577) रत्नशेखर रत्नवती रास, (6578) रत्नशेखररास, (6579) रत्नसिंह राजर्षि रास, (6580) रौद्रास्त्र, (6581) रेवंतगिरि- रास, (6582) रेवंतगिरिरास, (6583) रिपुदारणरास, (6584) रिपुमर्दन रास , (6585) रंग रत्नाकर रास, (6586) रोहणिया मुनि रास , (6587) रोहणियामुनि रास, (6588) रोहगुप्त और त्रैराशिकवाद , (6589) रोहिणी रास , (6590) रोहिणी तप रास, (6591) रोहिणी व्रत रास, (6592) रोहिणीरास, (6593) रोहिणीयप्रबन्धरास, (6594) रोहिणीयप्रबन्धरासगाथा, (6595) रोहिणेय रास, (6596) रूपचंद कुंवर रास, (6597) रूपचंदकुंवर रास , (6598) रूपचंदकुंवर- रास, (6599) रूपसेन कुमार रास, (6600) रूपसेन रास , (6601) रूपसेनकुमार रास , (6602) रुद्राश्व, (6603) साधुगुणरत्नमालरास, (6604) साधुसमाधि रास, (6605) सागरदत्त रास , (6606) सागरदत्तरास, (6607) सालिपिट्ठरासो, (6608) साणावच्छादारासंघट्टणा, (6609) सांब प्रद्युम्न रास , (6610) सांबप्रद्युम्न - रास, (6611) सांबप्रद्युम्न रास , (6612) सांगली, महाराष्ट्र, (6613) सार शिखामण रास, (6614) सारसीखामणरास, (6615) सारसिखामणरास, (6616) सासरवासाकोरास, (6617) सासरवासोनो रास , (6618) सावलिंगा रास, (6619) सदयवच्छ सावलिंगा नो रास , (6620) सदेवंत सावलिंगा रास, (6621) सगाल साह रास, (6622) सगालसाह रास , (6623) सहस्रकूट-घरदेरासर जिनालय, मणियाती पाडो, पाटण, (6624) समकित सार रास, (6625) समकित शीलसंवाद रास, (6626) समकितअष्टांगकथारास, (6627) समकितसार रास , (6628) समकितशील संवाद रास, (6629) समरा रासो, (6630) समरा- रास, (6631) समरादित्य केवली नो रास , (6632) समरादित्य केवलीनो रास , (6633) समरादित्यकेवलीनो रास , (6634) समरारास, (6635) समराशाह, (6636) समयसुन्दर रास पञ्चक, (6637) समयस्वरूप रास, (6638) समेतशिखर गिरि रास , (6639) समेतशिखर रास , (6640)

समेतशिखरगिरि रास , (6641) सम्मेत शिखर रास या पूर्व देश चैत्य परिपाटी , (6642) सम्यकत्व रास, (6643) सम्यकत्वकौमुदी रास , (6644) सम्यक्त्व कौमुदी रास , (6645) सम्यक्त्व कौमुदी रास चौपई, (6646) सम्यक्त्वकौमुदी रास , (6647) सम्यक्त्वरास, (6648) सनतचक्री रास , (6649) सनतकुमार राजर्षि रास, (6650) सनतकुमार रास, (6651) सनत्चक्री रास , (6652) सनत्कुमार रास , (6653) सनत्कुमारनो रास , (6654) सपिराश्रवत्व, (6655) सप्तक्षेत्रीरास, (6656) सप्तक्षेत्रि रासु, (6657) सरास, (6658) सरासन, (6659) सरासण, (6660) सरासणपट्टिए, (6661) सरासणपट्टिया, (6662) सरासणपट्टो, (6663) सरासणवट्टिया, (6664) सरासर, (6665) सर्पिरास्रव, (6666) सर्पिरास्त्रविणी, (6667) सतारा, महाराष्ट्र, (6668) सत्यविजय निर्वाण रास, (6669) सत्यविजय निर्वाणरास, (6670) सौभाग्य विजय निर्वाण रास, (6671) सौभाग्यविजय निर्वाण रास, (6672) सौराष्ट्र, (6673) सौराष्ट्रिका, (6674) सवा सो सीख संज्झाय या बुद्धि रास , (6675) सीहोरासियं, (6676) सीमंधरस्वामी - घरदेरासर जिनालय, नवसारी, (6677) सीमंधरस्वामी-घरदेरासर जिनालय, सिद्धचक्र एपार्टमेन्ट पासे, सुरत, (6678) सीता रास, (6679) शालिभद्र चतुष्पदिका रास , (6680) शालिभद्र मुनि चतुष्पदिका या रास या चरित्र अथवा शालिभद्र धन्ना चौपई, (6681) शालिभद्रमुनि रास , (6682) शालिभद्रमुनिरास, (6683) शालिभद्ररास, (6684) शांबप्रद्युम्नरास, (6685) शांत रास, (6686) शान्तरास, (6687) शांतिदास अने बरवतचंद शेठ रास अथवा पुण्यप्रकाश रास , (6688) शांतिदास अने वखतचंद शेठनो रास , (6689) शांतिजिन रास , (6690) शांतिजिन रास, (6691) शांतिनाथ - घरदेरासर जिनालय, बुहारी, वालोड, सुरत, (6692) शांतिनाथ - घरदेरासर जिनालय, डुंगरी, वलसाड, (6693) शांतिनाथ - घरदेरासर जिनालय, खापरीया, गणदेवी, नवसारी, (6694) शांतिनाथ - घरदेरासर जिनालय, मोटामियां मांगरोळ, सुरत, (6695) शांतिनाथ - घरदेरासर जिनालय, वापी, चणोद कॉलोनी, पारडी, वलसाड, (6696) शांतिनाथ - घरदेरासर जिनालय, वापी, पारडी, वलसाड, (6697) शांतिनाथ भगवाननो रास, (6698) शांतिनाथ जिनालय (मोटुं देरासर), कनाशानो पाडो, पाटण , (6699) शांतिनाथ जिनालय, देरासरवाळी पोळ-धनासुथारनी पोळ, अमदावाद, (6700) शांतिनाथ रास , (6701) शांतिनाथ-धरदेरासर जिनालय, बेगमपुरा, नवाबवाडी , सुरत, (6702) शांतिनाथ-घरदेरासर जिनालय, खारवाडो, खंभात, (6703) शांतिनाथ-घरदेरासर जिनालय, वसावाडो पाटण, (6704) शांतिनाथदेवरास, (6705) शांतिनाथरास, (6706) शक्राशनि, (6707) शकुन्तलारास, (6708) शरासन, (6709) षट् बांधव नो रास , (6710) षट बांधवनो रास , (6711) षटकर्मरास, (6712) शत्रञ्जय स्तवन या शत्रुंजय तीर्थमाला रास, (6713) शत्रुंजय माहात्म्य रास , (6714) शत्रुंजय रास , (6715) शत्रुंजय तीर्थोद्धार रास , (6716) शत्रुंजय उद्धार रास , (6717) शत्रुंजय उद्धार रास या विमल - गिरि उद्धार रास, (6718) शत्रुंजय, सौराष्ट्र, (6719) शत्रुंजयमाहात्म्य रास, (6720) शत्रुंजयउद्धार रास , (6721) शील रास , (6722) शील रत्न रास, (6723) शील शिक्षा रास, (6724) शीलकुमार रास अथवा मोहन बेलि रास, (6725) शीलप्रकाश रास , (6726) शीलप्रकाशरास, (6727) शीलरास, (6728) शीलरक्षाप्रकाश- रास, (6729) शीलरक्षाप्रकाशकरास, (6730) शीलरत्न रास , (6731) शीलशिक्षा रास , (6732) शीलसुंदरी रास, (6733) शीलसुन्दरी रास, (6734) शीलवती रास, (6735) शीलवती- रास, (6736) शीतलनाथ (घरदेरासर) जिनालय, खोलवड, कामरेज, सुरत, (6737) शीतलनाथ - घरदेरासर जिनालय, धरमपुर, वलसाड, (6738) शीतलनाथ - घरदेरासर जिनालय, वापी, पारडी, वलसाड, (6739) शीतलनाथ-घरदेरासर जिनालय, समकित बंगलोझ, सुरत, (6740) शीतलनाथ-घरदेरासर जिनालय, खोडियारकृपा सोसायटी, सुरत, (6741) शीतलनाथ-घरदेरासर जिनालय, रोयल पेलेस, घोडदोड रोड, सुरत, (6742) शिव (सर्व)दत्त रास , (6743) शिवचंदजीनो रास , (6744) शिवदत्त रास, (6745) शिवजी आचार्य रास , (6746) शंखेश्वर - घरदेरासर पार्श्वनाथ जिनालय, वापी, पारडी, वलसाड, (6747) शंखेश्वर पार्श्वनाथ - घरदेरासर जिनालय, कोसंबा, मांगरोल, सुरत, (6748) शंखेश्वर पार्श्वनाथ - घरदेरासर जिनालय, सेलवास, दादरा नगर हवेली, (6749) शंखेश्वर पार्श्वनाथ - घरदेरासर जिनालय, व्यारा, सुरत, (6750) शंखेश्वर पार्श्वनाथ-घरदेरासर जिनालय, भणशाळी पोळ, गोपीपुरा , सुरत, (6751) शंखेश्वर पार्श्वनाथ-घरदेरासर जिनालय, रविज्योत एपार्टमेन्ट, सुरत, (6752) शंत्रुजय माहात्म्य रास, (6753) शंत्रुजय रास, (6754) शंत्रुजय तीर्थमाला उद्धाररास, (6755) शूराशूर, (6756) श्राद्ध विधि रास, (6757) श्रावक विधि रास अथवा शुक-राज रास, (6758) श्रावकविधि रास, (6759) श्रावकविधिरास, (6760) श्रावकव्रतरास, (6761) श्रावणव्रत रास, (6762) श्रवण द्वादशी रास, (6763) श्री निर्वाण रास, (6764) श्री पूज्य रत्नसिह रास, (6765) श्री सार चौपाई या रास, (6766) श्री सम्मेत शिखर रास, (6767) श्रीदत्तनो रास , (6768) श्रीमती रास, (6769) श्रीमती रास, नर्मदासुंदरी स्वाध्याय , (6770) श्रीनिर्वाण रास , (6771) श्रीपाल चरित्र रास , (6772) श्रीपाल चौपई रास, (6773) श्रीपाल मयणासुंदरी रास , (6774) श्रीपाल मयणासुन्दरी रास, (6775) श्रीपाल राजानो रास, (6776) श्रीपाल रास, (6777) श्रीपाल रास बाला. , (6778) श्रीपाल रास बालावबोध , (6779) श्रीपाल रास बालावबोध , षट्त्रिंशिका स्तवन , (6780) श्रीपाल रास टबा साथे , (6781) श्रीपाल रास टबा सहित , (6782) श्रीपाल रास टबार्थ , (6783) श्रीपाल रास टव्वार्थ , (6784) श्रीपालचरित्र रास, (6785) श्रीपालनो रास , (6786) श्रीपालराजानो रास , (6787) श्रीपालराजानो रास, (6788) श्रीपालराजनो रास , (6789) श्रीपालरास, (6790) श्रीपूज्य रत्नसिंह रास , (6791) श्रेणिक रास , (6792) श्रेणिकरास, (6793) श्रेणिकरास (सम्यकत्वसाररास), (6794) श्रेयांसनाथ - घरदेरासर जिनालय, नवसारी, (6795) श्रृंगारमंजरी रास , (6796) शृंगारमंजरी रास , (6797) श्रुतपंचमी रास , (6798) शुकराज रास , (6799) शुकराजसहेली कथा रास, (6800) सिद्धचक्र / श्रीपाल रास, (6801) सिद्धचक्र रास, (6802) सिद्धचक्ररास, (6803) सिद्धदत्त रास, (6804) सिंहल - सुतप्रियमेलक - रास, (6805) सिरासयाइं, (6806) सितपट चौरासी बोल, (6807) संभवनाथ - घरदेरासर जिनालय, वापी, पारडी, वलसाड, (6808) संभवनाथ - घरदेरासर जिनालय, विजलपोर, जलालपोर, नवसारी , (6809) संभवनाथ-धरदेरासर जिनालय, अमीझरा

एपार्टमेन्ट, सुरत, (6810) संभवनाथ-धरदेरासर जिनालय, घीया शेरी सामे, महीधरपुरा, सुरत, (6811) संभवनाथ-घरदेरासर जिनालय, रविछाया एपार्टमेन्ट, सुरत, (6812) संदेशरासक, (6813) संघपतिसमरसिंह - रास, (6814) संग्रहणी रास, (6815) संग्रहणी रास ढालबंध , (6816) संत्रास, (6817) सोहमकुल पट्टावली रास , (6818) सोलह कुल पट्टावली रास , (6819) सोलहकारणरास, (6820) सोलहकारणव्रतरास, (6821) सोलहकरण रास, (6822) सोमविमल सूरि रास, (6823) सोमविमलसूरि रास , (6824) सूभद्रासतीचतुष्पदिका, (6825) सूरजमल पाराधीनो रास , (6826) सूरपाल रास , (6827) सूर्ययशा रास, (6828) सूर्ययशानो रास, (6829) सूत्र-अर्थपद : प्रासाद का रूपक , (6830) स्त्रीचरित्र रास , (6831) स्थिराशयः, (6832) स्थूलभद्र रास, (6833) स्थूलिभद्र रास , (6834) स्थूलिभद्ररास, (6835) स्त्री चरित्र रास, (6836) स्त्रीचरित्र रास , (6837) सुबाहु कुमार रास , (6838) सुभद्रा रास, (6839) सुभद्रा सती रास, (6840) सुभद्रारास, (6841) सुभद्रासती चोपाई , (6842) सुभद्रासती रास , (6843) सुदर्शन रास , (6844) सुदर्शन सेठ रास, (6845) सुदर्शन शेठ रास , (6846) सुदर्शन श्रेष्ठी रास , (6847) सुदर्शन श्रेष्ठीनो रास , (6848) सुदर्शन श्रेष्टिनो रास, (6849) सुदर्शनरास, (6850) सुदर्शनशेठ रास, (6851) सुदर्शनश्रेष्ठी नो रास , (6852) सुदर्शनश्रेष्ठी रास, (6853) सुदर्शनश्रेष्ठीरास, (6854) सुदर्शनश्रेष्ठिनो रास, (6855) सुदर्शनश्रेष्ठिरास, (6856) सुदर्शनश्रेठी रास , (6857) सुधर्म स्वामी रास, (6858) सुधर्मास्वामी रास , (6859) सुहोरासो, (6860) सुजाणसिंह रासो, (6861) सुखमाला सती रास , (6862) सुखमालासती रास , (6863) सुकुमालरास, (6864) सुकुमालस्वामीरास, (6865) सुमतिनागिलरास, (6866) सुमतिनाथ - घरदेरासर जिनालय, नवसारी, (6867) सुमतिनाथ - घरदेरासर जिनालय, रानकुवा, चीखली, नवसारी, (6868) सुमतिनाथ-घरदेरासर जिनालय, रविज्योत एपार्टमेन्ट, सुरत, (6869) सुमतिनाथ-घरदेरासर जिनालय, टेकरी, खंभात , (6870) सुमतिनाथ-घरदेरासरम जिनालय, ताळावाळानी पोळ, सुरत, (6871) सुमतिविलासरास, (6872) सुमित्र राजर्षि रास , (6873) सुमित्र राजर्षिरास, (6874) सुमित्र रास, (6875) सुमित्रा रास, (6876) सुमित्रकुमार रास, (6877) सुमित्रकुमाररास, (6878) सुमित्ररास, (6879) सुमंगल रास, (6880) सुमंगलरास मेतार्य चौपई, (6881) सुनन्दरास, (6882) सुंदरराजा रास, (6883) सुन्दरराजारास, (6884) सुनंद रास , (6885) सुपार्श्वनाथ - घरदेरासर जिनालय, गणदेवी, नवसारी, (6886) सुपार्श्वनाथ-घरदेरासर जिनालय, कुंभारियापाडो, पाटण , (6887) सुराष्ट्र, (6888) सुराष्ट्रजनपद, (6889) सुरासुरिया, (6890) सुरजमंडन पार्श्वनाथ जिनालय, हाथीवाळुं देरासर, गोपीपुरा, सुरत, (6891) सुरपाल रास, (6892) सुरपालनो रास , (6893) सुरपति कुमार रास, (6894) सुरपतिकुमार रास , (6895) सुरप्रिय चरित रास , (6896) सुरप्रिय केवली रास, (6897) सुरप्रिय केवलीय रास, (6898) सुरप्रिय रास , (6899) सुरप्रियकेवलीरास, (6900) सुरप्रियकुमाररास, (6901) सुरसेन रास , (6902) सुरसंदरी रास, (6903) सुरसुंदरी अमर कुमार रास , (6904) सुरसुंदरी अमरकुमार रास, (6905) सुरसुन्दरी अमरकुमार रास, (6906) सुरसुंदरी रास , (6907) सुरसुन्दरी रास, (6908) सुसठ रास, (6909) सुविधिनाथ-घरदेरासर जिनालय, उमेश मेन्शन, गोपीपुरा , सुरत, (6910) सुविधिनाथ-घरदेरासर जिनालय, लखीयारवाडो, पाटण , (6911) स्वस्तिकश्रीवत्सनन्दावर्त्तवर्द्धमानकभद्रासनकलशमत्स्यदर्पणरुपाष्टमङ्गलाकराभिनयात्मफः, (6912) तलाजा, सौराष्ट्र, (6913) तणरासि, (6914) तणरासिअ, (6915) तीर्थयात्रास्तवन, (6916) तेजपाल रास, (6917) तेजसार राजर्षि रास, (6918) तेजसार रास , (6919) तेजसारनो रास , (6920) तेजोजराशि, (6921) तेजोराशि, (6922) तेरासि, (6923) तेरासिओ, (6924) तेरासिय, (6925) तेरासिया, (6926) तेतली मंत्री रास , (6927) तेतलीमंत्री रास, (6928) तेतलीमंत्रीरास, (6929) तेतलीपुत्र रास, (6930) तेतलीपुत्ररास, (6931) थेरासण, (6932) तिरासिप, (6933) टंडाणा रास, (6934) त्रासइ, (6935) त्रासकडो, (6936) त्रासनी, (6937) त्रासवइ, (6938) त्रैलोक्य सार चौपइ अथवा धर्म - ध्यान रास, (6939) त्रैराशिक, (6940) त्रैराशिक :, (6941) त्रैराशिका :, (6942) त्रैराशिककरणं, (6943) त्रैराशिकवाद, (6944) त्रिभुवन कुमार रास, (6945) त्रिभुवनकुमार रास , (6946) त्रिंगलवाडीनुं गुफामंदिर, महाराष्ट्र, (6947) त्रिविक्रम रास, (6948) त्रिविक्रमरास, (6949) तुषराशि :, (6950) उदररासो, (6951) उज्झितक के गोत्रास भव का कथानक, (6952) उना, सौराष्ट्र, (6953) उपदेश प्रासाद , (6954) उपदेशगच्छ उऐसा रास, (6955) उपदेशमाला रास , (6956) उपदेशमालारास, (6957) उपदेशप्रासाद टबा सहित , (6958) उपदेशरसायनरास, (6959) उपकेशगच्छ उएसा रास , (6960) उपमित भवप्रपंचा रास, (6961) उपमितिभव प्रपंचारास, (6962) उत्प्रासनं, (6963) उत्प्रासवचनं, (6964) उत्प्रासयेत्, (6965) उत्प्रास्यमान, (6966) उत्सर्ग-समिति : प्रासुक स्थण्डिल , (6967) उत्तम कुमार रास , (6968) उत्तमचरित्र कुमार रास, (6969) उत्तमचरित्रकुमार रास, (6970) उत्तमकुमार रास, (6971) उत्तमकुमारचरित्र-रास, (6972) उत्तमकुमारनो रास , (6973) उत्तमविजय निर्वाण रास, (6974) उत्तमविजय निर्वाणरास, (6975) उत्तरासाढा, (6976) उत्तरासाढाणक्खत्ते, (6977) उत्तरासमा, (6978) उत्तरासण, (6979) उत्तराषाढ, (6980) उत्तराषाढा, (6981) उत्तरासंग, (6982) वार व्रत नो रास, (6983) वारासोरी, (6984) वार्तारास, (6985) वासुपूजयस्वामी-घरदेरासर जिनालय, चंदनबाळा एपार्टमेन्ट , सुरत, (6986) वासुपूजयस्वामी-घरदेरासर जिनालय, इन्द्रप्रस्थ कोम्प्लेक्ष, सुरत, (6987) वासुपूजयस्वामी-घरदेरासर जिनालय, विठ्ठलनगर सोसायटी, सुरत, (6988) वासुपूज्य जिन पुण्य प्रकाश रास, (6989) वासुपूज्य जिन रास , (6990) वासुपूज्य पुण्यप्रकाश रास , (6991) वासुपूज्य स्वामी-घरदेरासर जिनालय, शेरडीवाळानी पोळ, खंभात, (6992) वासुपूज्यस्वामी - घरदेरासर जिनालय, बारडोली, सुरत, (6993) वासुपूज्यस्वामी - घरदेरासर जिनालय, बलीठा, पारडी, वलसाड, (6994) वासुपूज्यस्वामी - घरदेरासर जिनालय, उकाई, सोनगढ, सुरत, (6995) वासुपूज्यस्वामी - घरदेरासर जिनालय, वापी पारडी, वलसाड, (6996) वासुपूज्यस्वामी - घरदेरासर जिनालय, वापी, पारडी, वलसाड, (6997) वासुपूज्यस्वामी-घरदेरासर जिनालय, अरेठ, मांडवी, सुरत, (6998) वासुपूज्यस्वामी-घरदेरासर जिनालय, लालबंगला, अठवालाइन्स, सुरत, (6999) वच्छराज- रास,

(7000) वच्छराजचरित्र रास , (7001) वछराज चरित्र रास, (7002) वछराज हंसराज रास , (7003) वछराज रास , (7004) वछराजचरित्र रास, (7005) वढवाण शहेर, सौराष्ट्र, (7006) वज्रासन, (7007) वज्रस्वामी नो रास, (7008) वज्रस्वामीनो रास , (7009) वज्रस्वामीरास, (7010) वज्त्रास्य, (7011) वलभीपुर, सौराष्ट्र, (7012) वल्कलचीरी -रास, (7013) वल्कलचीरी रास , (7014) वरासइ, (7015) वरासउ, (7016) वरासीयइ, (7017) वरदत्त गुणमंजरी रास , (7018) वसहिपायरास, (7019) वस्त्र से पृथ्वीकाय आदि निकालने का प्राश्चित सूत्र , (7020) वस्तुपाल तेजपाल रास , (7021) वस्तुपाल तेजपालनो रास, (7022) वस्तुपालतेजपालरास, (7023) वसुदेव रास, (7024) वत्सराज देवराज रास, (7025) वत्सराज रास , (7026) वत्सराजदेवराजरास, (7027) ववहाररासि, (7028) वयर (वज्र) स्वामीरास, (7029) वयरस्वामी रास, (7030) वयरस्वामीगुरुरास, (7031) वीर निर्वाण रास , (7032) वीर स्वामी रास , (7033) वीरासन, (7034) वीरासण, (7035) वीरासणिए, (7036) वीरासनिक, (7037) वीरासणिते, (7038) वीरासे, (7039) वीरभाण उदयभाण रास , (7040) वीरभाण उदयभाण रास, (7041) वीरसेन रास, (7042) वीरविजय निर्वाण रास , (7043) वीस स्थानकनो रास , (7044) वीस विहरमान रास, (7045) वीसलदे रास , (7046) वीसलदे रासो , (7047) वीसलदेवरासो, (7048) वीसस्थानकनो रास, (7049) वीसविरहमानरास, (7050) वीश स्थानक रास, (7051) वीश स्थानकनो रास, (7052) वीशस्थानकनो रास, (7053) वेणी वत्सराज रास , (7054) वेणिवत्सराजरासविवाहलु, (7055) वेताल पचवीसी रास , (7056) वेताल पंचवीसी रास , (7057) वेत्रासन, (7058) विबुध विमल सूरिरास , (7059) विबुधविमलसूरि रास , (7060) विधि रास, (7061) विधि-रास, (7062) विधिरास, (7063) विद्यासागरसूरि रास , (7064) विद्याविलास रास , (7065) विजय सेठ विजया शेठानी रास, (7066) विजयदेव निर्वाण रास , (7067) विजयदेवसूरि निर्वाणरास, (7068) विजयदेवसूरि रास , (7069) विजयरत्नसूरि रास, (7070) विजयसेन निर्वाण रास , (7071) विजयसेन सूरि निर्वाण रास, (7072) विजयसेन सूरि रास - लाभोदय रास, (7073) विजयसेनसूरि रास , (7074) विजयसेठ विजयासेठाणी रास , (7075) विजयशेठ विजया रास , (7076) विजयशेठ विजयाशेठाणी रास , (7077) विजयसिंह सूरि रास, (7078) विजयसिंह सूरि रास या विजय-प्रकाश रास, (7079) विजयसिंहसूरि रास , (7080) विजयतिलक सूरि रास, (7081) विजयतिलकसूरि रास , (7082) विकोसियधारासि, (7083) विक्रम कनकावती रास, (7084) विक्रम खापरा चोर रास, (7085) विक्रम रास , (7086) विक्रमादित्य पंचदंड रास , (7087) विक्रमादित्य रास , (7088) विक्रमादित्य विक्रमसेन रास , (7089) विक्रमादित्यखापरारास, (7090) विक्रमचरितरास, (7091) विक्रमचरित्र कनकावती रास, (7092) विक्रमचरित्र रास, (7093) विक्रमचरित्र- रास, (7094) विक्रमचरित्रकुमार रास, (7095) विक्रमकुमार खापराचोर रास , (7096) विक्रमकुमाररास, (7097) विक्रमपंचदण्डरास, (7098) विक्रमराज खापरा रास , (7099) विक्रमरास, (7100) विक्रमसेन रास, (7101) विक्रमसेन शनिश्चर रास , (7102) विक्रमसेनरास, (7103) विक्रमसेनरासचौपाइ, (7104) विमल मंत्री रास , (7105) विमलमंत्री रास, (7106) विमलमंत्रीसरनो रास , (7107) विमलनाथ-घरदेरासर जिनालय, भणशाळी पोळ, गोपीपुरा , सुरत, (7108) विमलनाथ-घरदेरासर जिनालय, बोरपीपळो, खंभात, (7109) विमलनाथ-घरदेरासर जिनालय, संघवीनी शेरी, पाटण , (7110) विमलरास, (7111) विनयचर रास , (7112) विनयचट रास, (7113) विनयदेवसूरि रास , (7114) विनोद चौत्रींसी कथा अथवा रास, (7115) विस्तारासंख्यात, (7116) वित्रासन, (7117) विवेकविलासनो रास , (7118) वंकचूल रास , (7119) वंकचूलनो रास , (7120) वंकचूलरास, (7121) वंथली, सौराष्ट्र, (7122) व्रासिउ, (7123) व्रासु, (7124) व्रजस्वामी नो रास, (7125) व्रतविचार रास , (7126) व्रतविधान रासो, (7127) वृद्धिसागरसूरि रास, (7128) वृद्धिविजय रास, (7129) वृद्धिविजयगणि रास, (7130) व्यापारी रास , (7131) व्यवहार राशि, (7132) यादव रास, (7133) यादवरास, (7134) यशोभद्ररास, (7135) यशोधर चरित रास, (7136) यशोधर चरित्र अथवा रास, (7137) यशोधर चरित्र रास, (7138) यशोधर रास , (7139) यशोधररास, (7140) यौवनजरासंवादरास, (7141) योगी रासा